केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

25 अप्रैल 2025

शुक्रवार

आंतकवादियों के हमले को भाजपा धर्म से जोड़कर फैला रही है नफरत: प्रशांत किशोर 5

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध आपकी आवाज ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

बिहार दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मधुबनी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान चार नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रधानमंत्री ने पीएम आवास योजना-ग्रामीण के 15 लाख नए लाभार्थियों को सांकेतिक तौर पर स्वीकृति पत्र सौंपे और 10 लाख लाभार्थियों को किस्त जारी की।

बिहार के मधुबनी में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेतावनी के साथ देश-दुनिया को दिया संदेश

आतंकवादियों और उनके आकाओं को मिट्टी में मिला देंगे

- बोले पीएम मोदी... हर आतंकवादी की पहचान कर भारत उसका पता लगाएगा और उसे सजा देगा
- आतंकवादियों को धरती के अंतिम छोर तक खदेड़ेंगे, आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी
- आतंकवाद को सजा मिलकर रहेगी, न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर संभव हम प्रयास करेंगे

केटी न्यूज/पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मधुबनी में पंचायती राज दिवस पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए आतंकवादियों और उनके आकाओं को लेकर कड़ी चेतावनी दी। मोदी ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का संदर्भ देते हुए कहा, आतंकवादियों के आकाओं और उनके समर्थकों को हम मिट्टी में मिला देंगे। उनकी सजा कल्पना से भी बड़ी होगी। आतंकवादियों के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी, और हम किसी को भी बख्शने के मूड में नहीं हैं। बिहार में पीएम मोदी ने कहा, 'भारत हर आतंकवादी की पहचान करेगा, उसका पता लगाएगा और उसे सजा देगा'। कहा कि आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा

खोया, किसी ने भाई, किसी ने जीवन साथी खोया। इनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़, कोई गुजराती था, कोई बिहार का लाल था। आज सभी की मृत्यु पर कारगिल से कन्याकुमारी तक हमारा आक्रोश एक जैसा है। पीएम मोदी ने दुनिया को संदेश देने के लिए मंच से अंग्रेजी में कहा कि, हम उन्हें धरती के अंतिम छोर तक खदेड़ेंगे। आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी। आतंकवाद को सजा मिलकर रहेगी। न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर संभव हम प्रयास करेंगे। पूरा देश इस संकल्प में एक है। मानवता में विश्वास रखने वाला हर व्यक्ति हमारे साथ है। मैं अलग-अलग देशों के लोगों और उनके नेताओं को धन्यवाद देता हूं जो हमारे साथ हमेशा खड़े हैं।

⇨13500 करोड़ रु. की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास
⇨पीएम मोदी ने चार नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने मधुबनी में करीब 13,500 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने यहां चार नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। चार नयी ट्रेनों में सहरसा और मुंबई के बीच 'अमृत भारत एक्सप्रेस', जयनगर और पटना के बीच 'नमो भारत रैपिड रेल', पिपरा-सहरसा तथा सहरसा-समस्तीपुर के बीच चलने वाली ट्रेनें शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने सुपौल-पिपरा रेल लाइन, हसनपुर-बिथन रेल लाइन तथा छपरा और बगहा में दो लेन वाले रेल ओवरब्रिज का उद्घाटन किया। उन्होंने खगड़िया-अलौली रेल लाइन को राष्ट्र को समर्पित किया।

आवास योजना के 10 लाख लाभार्थियों को किस्त जारी की: प्रधानमंत्री 'दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन' के तहत बिहार के दो लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को लगभग 930 करोड़ रुपये की सामुदायिक निवेश निधि भी वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री ने पीएम आवास योजना-ग्रामीण के 15 लाख नए लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र सौंपे और देशभर के 10 लाख लाभार्थियों को किस्त जारी की। उन्होंने बिहार में एक लाख ग्रामीण और 54,000 शहरी लाभार्थियों को आवास की चाबी सौंपी, जो 'गृह प्रवेश' कार्यक्रम का हिस्सा था।

गोपालगंज एलपीजी बॉटलिंग प्लांट की रखी आधारशिला

प्रधानमंत्री ने गोपालगंज जिले के हथुआ में लगभग 340 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एलपीजी बॉटलिंग प्लांट की आधारशिला रखी, जिसमें रेल अनलोडिंग की सुविधा भी होगी। यह संयंत्र थोक एलपीजी परिवहन को अधिक कुशल और आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाएगा। प्रधानमंत्री ने बिजली क्षेत्र में पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना के तहत 1,170 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी और 5,030 करोड़ रु से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

बोले पीएम... गांव मजबूत होंगे तभी भारत मजबूत होगा

पीएम मोदी ने कहा कि पूज्य बापू का दृढ़ विश्वास था कि जब तक भारत के गांव मजबूत नहीं होंगे, तब तक भारत का तेज विकास नहीं हो पाएगा। देश में पंचायती राज की परिकल्पना के पीछे यही भावना है। बीते दशक में पंचायतों को सशक्त करने के लिए एक के बाद एक कदम उठाए गए हैं। टेक्नोलॉजी के माध्यम से भी पंचायतों को मजबूत किया गया है। कहा, जमीनों के दस्तावेजों के डिजिटलीकरण विवादों के निपटारे पर अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता ग्राम पंचायतों को फंड देने की रही, जिससे गांवों का विकास हुआ।

पीएम आवास योजना का लक्ष्य है कोई भी गरीब परिवार बेघर न हो

पीएम मोदी ने कहा कि लोकतंत्र ज्यादा से ज्यादा भागीदारी से सशक्त होता है। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण से फायदा मिलेगा। बिहार की बहनों के स्वंय सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के 1 हजार करोड़ की सहायता दी गई, जिससे वो सशक्त बनेंगी। लखपति दीदी भी बनाई गई। गांवों में घर, सड़कें, शौचालय बने। गांव में लाखों करोड़ रुपये पहुंचे हैं। रोजगार के नए मौके मिले हैं। पीएम आवास योजना का लक्ष्य है कोई भी गरीब परिवार बेघर न हो। जिन्हें घर मिला उनके चेहरे पर संतोष और आत्म विश्वास का भाव है। 4 लाख करोड़ से ज्यादा पक्के घर बनवाए गए हैं। 3 करोड़ और पक्के घर गरीबों को दिए जाएंगे। आज बिहार में 10 लाख गरीब परिवारों को आर्थिक मदद भेजी गई है, जिसमें बिहार के गावों 80 हजार और शहरों के 1 लाख परिवार शामिल हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यहां मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ रही है। गांव में भी अच्छे अस्पताल बनें। बिहार में 10 हजार से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने हैं। बिहार में जन औषधि केंद्र बनवाए गए हैं। बिहार के लोगों का 2 हजार करोड़ रुपये दवाई पर होने वाला खर्च बचा है। लाखों लोगों को मुफ्त इलाज मिला है। पीएम मोदी ने कहा कि पटना में मेट्रो का काम चल रहा है। यहां से नमो भारत रैपिड रेल की शुरूआत हुई है। मधुबनी, बेगूसराय के लाखों लोगों को इसका फायदा मिल रहा है। मखाना दुनिया के लिए सुपरफूड है। हमने इसे जीआई टैग दिया गया है। बिहार का मखाना दुनिया भर के बाजारों तक सुपरफूड के रूप में पहुंचेगा। खेती के साथ-साथ मछली उत्पादन में भी बिहार आगे बढ़ रहा है। पीएम मत्स्य संपदा योजना के तहत भी सैकड़ों करोड़ रुपये के काम हुए हैं।

सीएम नीतीश ने फिर दुहराया... अब एनडीएम में बने रहेंगे- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर से पीएम मोदी के सामने मंच से कहा कि वह अब एनडीए में बने रहेंगे। उन्होंने मंच से अपनी पार्टी के नेताओं की तरफ इशारा करते हुए कहा कि यही लोग उन्हें आरजेडी के साथ लेकर चले गए थे, लेकिन जब गड़बड़ी समझ में आई तो एक बार फिर से एनडीए में आ गए और अब यहीं रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मधुबनी दौरे के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंच से उनको शुक्रिया कहा। सीएम नीतीश ने कहा कि खुशी की बात है कि पीएम आज हम लोगों के बीच मधुबनी आए हैं। सौभाग्य की बात है कि पंचायती राज दिवस पर पीएम मोदी बिजली वितरण, गैस प्लांट और अन्य योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जा रहा है। नई रेल लाइनों का उद्घाटन और तीन नई ट्रेनों का शुभारंभ किया जा रहा है। पीएम आवास योजना के 12 लाख लाभार्थियों को पत्र दिए जा रहे हैं। पीएम योजना के 10 लाभार्थियों को पहली किश्त दी जा रही है।

पहलगाम हमला... सर्वदलीय बैठक में सभी दलों ने कहा- हम सरकार के साथ हैं, करें कार्रवाई

एजेंसी/नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद गुरुवार को सर्वदलीय बैठक हुई। इसमें विपक्ष ने सरकार से कहा कि पीओके आतंक की जड़ है। इस पर कार्रवाई कीजिए। इस पर सरकार ने विपक्ष से कहा कि सभी विकल्प पर विचार कर रहे हैं। पहलगाम हमले पर हुए इस सर्वदलीय बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विदेश मंत्री एस जयशंकर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित अन्य दलों के और भी कई नेता मौजूद थे। आतंक के मुद्दे पर सभी दलों ने सरकार का साथ दिया। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बैठक बहुत अच्छी रही। सभी दलों ने सीसीएस की बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ लिए गए एक्शन का समर्थन किया। सभी पार्टी के नेताओं ने सरकार द्वारा की जा रही सभी कार्रवाइयों और भविष्य में की जाने वाली सभी कार्रवाइयों के लिए सरकार के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की। रिजिजू ने कहा कि बैठक में सभी राजनैतिक दलों ने कहा कि देश को एकजुट होकर और एक आवाज में बोलना चाहिए। सभी पार्टियों ने कहा, वे सरकार के साथ हैं।

सर्वदलीय बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम सभी ने मिलकर कहा है कि देशहित में सरकार जो भी एक्शन लेगी हम सब एक हैं और हम उन्हें सपोर्ट करेंगे। वहां जो हादसा हुआ है, हम उसकी निंदा करते हैं। हमें देश को पैगाम देना है कि हम सब एक हैं। राहुल गांधी ने कहा कि आतंक के मुद्दे पर सरकार के साथ हैं। सरकार की कार्रवाई का समर्थन करते हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि पूरा देश गुस्से में है, दुखी है और देश चाहता है कि केंद्र सरकार आतंकियों को उनकी भाषा में मुंहतोड़ जवाब दे। जिस तरह से उन्होंने निर्दोष लोगों की हत्या की है, उनके कैंपों को नष्ट किया जाना चाहिए और पाकिस्तान के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।

ओवैसी बोले... हर निर्णय में साथ हैं

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि केंद्र सरकार उस देश के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है जो आतंकी समूहों को पनाह देता है। अंतरराष्ट्रीय कानून हमें पाकिस्तान के खिलाफ आत्मरक्षा में हवाई और नौसैनिक नाकेबंदी करने और हथियारों की बिक्री पर पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाने की भी अनुमति देता है। उन्होंने लोगों का धर्म पूछकर उन्हें गोली क्यों मारी? ओवैसी ने कहा कि कश्मीरियों और कश्मीरी छात्रों के खिलाफ झूठा प्रचार बंद होना चाहिए। जिस तरह से आतंकियों ने लोगों का धर्म पूछकर उनकी हत्या की, मैं उसकी निंदा करता हूं। यह बहुत अच्छी बात है कि सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया गया है, लेकिन हम पानी कहां रखेंगे? केंद्र सरकार जो भी फैसला लेगी, हम उसका समर्थन करेंगे। यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है।

पाकिस्तान ने रद्द किया शिमला समझौता, सभी व्यापार को रोका

एजेंसी/नई दिल्ली

पहलगाम हमले के बाद भारत की तरफ से उठाए गए कदमों के जवाब में पाकिस्तान ने बड़ा फैसला लिया है। उसने 1972 में भारत के साथ हुआ शिमला समझौता सस्पेंड कर दिया है। शिमला समझौता 2 जुलाई 1972 को भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान की जुल्फिकार अली भुट्टो सरकार ने किया था। शिमला समझौता 1971 के युद्ध में पाकिस्तान की करारी हार के बाद हुआ था, जिसके नतीजे में बांग्लादेश बना। इस समझौता के तहत दोनों देश शांतिपूर्ण तरीकों से आपसी बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सहमति से हल करने की प्रतिबद्धता पर सहमत हुए थे। हालांकि इसके बाद भी पाकिस्तान कायराना हरकत करते रहा है।

पाकिस्तान ने ये फैसले लिये...

भारत के साथ हुआ शिमला समझौता सस्पेंड किया गया। वाघा बॉर्डर से व्यापार पूरी तरह बंद कर दिया गया है। 30 अप्रैल तक जिन लोगों ने वैध कागजों के साथ इस रास्ते से पाकिस्तान प्रवेश किया है, उन्हें वापस लौटने को कहा गया है। सार्क वीजा छूट योजना के तहत भारतीय नागरिकों को दी गई वीजा छूट खत्म कर दी गई है। हालांकि, सिख तीर्थयात्रियों को इससे छूट दी गई है। भारतीय हाई कमीशन में काम कर रहे सैन्य सलाहकारों, डिफेंस, नेवी और एयर अटैची को परसोना नॉन ग्राटा घोषित कर दिया गया है। उन्हें और उनके सहायक स्टाफ को 30 अप्रैल तक पाकिस्तान छोड़ने को कहा गया है। इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के कर्मचारियों की संख्या घटाकर 30 कर दी जाएगी। पाकिस्तानी एयरस्पेस को अब भारतीय स्वामित्व या संचालन वाली सभी एयरलाइनों के लिए बंद कर दिया गया है। पाकिस्तान ने सभी तरह का व्यापार , चाहे वह सीधे भारत से हो या किसी तीसरे देश के जरिए, तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है।

अटारी बॉर्डर पर नहीं होगी बीटिंग रिट्रीट परेड

अमृतसर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का माहौल बन गया है। भारत के एक्शन के बाद पाकिस्तान ने भी कई फैसले लिए। इसके बाद भारत ने अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तान के साथ सभी रस्म को खत्म करने का ऐलान किया। कहा गया है कि अटारी बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट परेड के दौरान भारत की तरफ के गेट नहीं खोले जाएंगे और ना ही पाकिस्तान के जवानों के साथ हाथ मिलाने की सेरेमनी होगी। बीएसएफ ने अपने जारी बयान में कहा है कि एक और शांति और दूसरी तरफ उकसाने के लिए इस तरह की आतंकी हरकतें एक साथ नहीं चल सकती। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर ने ट्वीट कर कहा कि अटारी बॉर्डर, हुसैनीवाला बॉर्डर और सदकी बॉर्डर पर झंडा उतारने की रस्म के दौरान ना तो गेट खोले जाएंगे और ना ही झंडा उतारने के बाद पाकिस्तान के जवानों के साथ हाथ मिलाने की रस्म होगी। गुरुवार को जो सेरेमनी हुई उसमें बिना गेट खोले ही दोनों देशों के झंडे उतार लिए गए। झंडा उतारने के बाद दोनों देशों के जवानों ने हाथ भी नहीं मिलाया। इसके बाद परेड समाप्त हो गई।

जवान की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए बुलाई गई फ्लैग मीटिंग बेनतीजा रही

पाकिस्तानी रेंजर्स ने बीएसएफ जवान को हिरासत में लिया

एजेंसी/बेंगलुरु

पंजाब के फिरोजपुर में बुधवार को भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर जीरो लाइन पार कर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का एक जवान सरहद लांघ कर पाकिस्तान चला गया था। जवान को पाकिस्तानी रेंजर्स ने हिरासत में लिया है। 24 घंटे बीत जाने के बाद भी जवान को अभी तक रिहा नहीं किया गया है। बीएसएफ जवान कांस्टेबल पीके सिंह गलती से सीमा के उस पार चला गया था। जवान को वापस लाने के लिए बीएसएफ के अधिकारी पाकिस्तान रेंजर्स के बात कर रहे हैं। बीएसएफ

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जवान की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए फ्लैग मीटिंग बुलाई, लेकिन मीटिंग बेनतीजा रही।

बुधवार को पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा जवान को हिरासत में लेने की सूचना मिलते ही बीएसएफ के अधिकारी बॉर्डर पर पहुंचे। जवान को छुड़वाने के लिए पाकिस्तानी रेंजर्स और बीएसएफ के अधिकारियों के बीच बॉर्डर पर बुधवार रात तक फ्लैग मीटिंग की गई थी, लेकिन जवान को रिहा नहीं किया गया। ऐसे में वीरवार दोपहर को फिर से दोनों मुल्कों के अधिकारियों के बीच बैठक हुई। इस बैठक में भी कोई हल नहीं निकला और पाकिस्तान ने जवान पीके सिंह को नहीं लौटाया। जीरो लाइन से पहले इस क्षेत्र में किसानों को विशेष परमिट के साथ खेती करने की इजाजत दी जाती है। फसल बोने और काटने के दौरान बीएसएफ के जवान उनके साथ तैनात रहते हैं। इन्हें किसान गार्ड भी कहा जाता है। कंटीली तार जीरो लाइन से काफी पहले है। जीरो लाइन पर सिर्फ पिलर लगे हैं। पाकिस्तान ने अपनी तरफ कंटीली तार नहीं लगाई है। इस कारण गर्मी के कारण जवान पेड़ की छांव में बैठने के लिए गलती से जीरो लाइन पार कर पाकिस्तानी सीमा में चला गया। इतने में पाकिस्तानी रेंजर्स बीएसएफ की चेक पोस्ट जल्लोके पर पहुंच गए और उन्होंने बीएसएफ जवान को हिरासत में लेकर उसके हथियार कब्जे में ले लिए।

25-04-2025 Final_25-04-2025 Final.qxd 4/25/2025 12:58 AM Page 2

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ बक्सर के लोगों में आक्रोश... पक्ष-विपक्ष बोला हमला किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं

हमला भारत की अखंडता पर प्रहार, पाक पर हो सीधा वार

♦ पूर्व मंत्री ददन ने कहा मोदी और अमित साह की जोड़ी पर भरोसा, अभी पीओके लेने का बेहतर मौका

केटी न्यूज/बक्सर

भारत का स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मी काश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकियों की कायराना हरकत व धर्म पूछकर सैलानियों को गोली मारे जाने की घटना के खिलाफ केशव टाइम्स ने जिले के सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों, राजनेताओं तथा बुद्धिजीवियों से प्रतिक्रिया ली है।

इस मसले पर सभी ने एक स्वर में कहा कि इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है तथा भारत सरकार को इस हमले का माकूल जबाव देना चाहिए। लोगों ने इस हमले के बाद भारत सरकार से पाकिस्तान से सीधे युद्ध कर आतंकियों तथा उनके आकाओं को नेस्तनाबूद करने की मांग की है और कहा है कि इस विकट घड़ी में पूरा देश एकजुट है तथा सरकार के साथ खड़ा है। वहीं, कुछ लोगों ने इस घटना को केन्द्र सरकार की ला एंड ऑर्डर तथा खुफिया तंत्र की विफलता बता गृह मंत्री व रक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग की है, जबकि कुछ लोगों ने इसे देश की मजबूत गंगा-जमुनी तहजीब पर हमला बताया। पेश है उनकी प्रतिक्रियाएं -

ईंट का जबाव पत्थर से देना होगा, तभी वे दुबारा ऐसी हरकत करने की हिम्मत नहीं जुटा पाएंगे

पहलगाम में आतंकी हमले की घटना पर बोलते हुए बिहार सरकार के पूर्व मंत्री ददन सिंह यादव उर्फ ददन पहलवान ने कहा कि केन्द्र सरकार को इस घटना को जरूर बदला लेना चाहिए। आतंकियों को ईंट का जबाव पत्थर से देना होगा, तभी वे दुबारा ऐसी हरकत करने की हिम्मत नहीं जुटा पाएंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के पास अब यह सही समय है, जब भारत को सीधे हमला कर पीओके पर कब्जा करने की रण्रनीति बनानी होगी। इससे आतंकवाद को जड़ से समाप्त किया जा सकेगा और कश्मीर की घाटी के साथ पूरे देश में शांति कायम हो सकेगी। पूर्व मंत्री ने कहा कि मुझे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित साह की जोड़ी पर पूरा भरोसा है। यह जोड़ी काश्मीर में हिन्दुओं पर हुए हमले का बदला लेने में सक्षम है। इनके अलावा यह काम कोई और दूसरा नहीं कर सकता।

देश सुरक्षित व मजबूत हाथों में है, नहीं बचेंगे आतंकी व उनके पनाहगार: ओम प्रकाश भुवन

बक्सर भाजपा के जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन ने कहा है कि यह घटना काफी निंदनीय है, लेकिन देश की जनता को अपने प्रधानमंत्री व गृह मंत्री पर पूरा भरोसा है कि वे इस घटना का बदला जरूर लेंगे। उन्होंने कहा कि जब पुलवामा का हमला हुआ था तब देश की जनता उतनी आश्वस्त नहीं थी, जिस कारण पूरे देश में बदला लेने की जोरदार मांग हुई थी। इस बार यह मांग इसलिए कमजोर हो रहा है कि लोगों को इस बात का भरोसा है कि केन्द्र की मोदी सरकार इस हमले का माकूल व मुंहतोड़ जबाव देगी। पिछले कुछ वर्षों में केन्द्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जिस तरीके से मुहिम चलाया है उससे जहां देश की जनता निश्चित रूप से आश्वत है तो दूसरी तरफ आतंकवाद के खिलाफ चलाए जा रहे मुहिम से आतंकियों तथा उसके पनाहगारों में भय का माहौल है। मोदी ने अपने मजबूत विदेश नीति व कुशल कुटनीति से पाकिस्तान को कटोरा उठाने पर मजबूर कर दिया है। इस बार पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

मोदीजी का संकल्प बहुत जल्द दिखाई पड़ेगा: मिथिलेश तिवारी

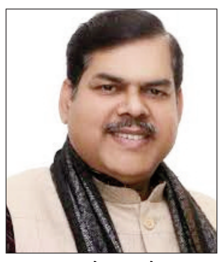

भाजपा के प्रदेश महामंत्री सह बक्सर लोक सभा क्षेत्र के प्रभारी रहे मिथिलेश तिवारी ने कहा कि देश की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित साह के साथ केन्द्र सरकार पर पूरा भरोसा है। आज बाहरी ताकतों और घुसपैठियों से लड़ने की क्षमता केवल भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में ही है। वहीं, आज पूरे भारत के 140 करोड़ लोगों को पूरा भरोसा है कि देश सुरक्षित हाथों में है तथा इस हमले का बदला जरूर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार सत्याग्रह व आंदोलन की धरती है। गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार की लड़ाकू धरा से पूरे देश की जनता को यह संदेश दिया है कि आतंकी तथा उनके आका अब मिट्टी में मिल जाएंगे। यह परिणाम पूरो देश के लोग बहुत जल्द देंखे। उन्होंने कहा कि इस जघन्य वारदात की जितनी भी निंदा की जाए वो कम होगी। आज पाकिस्तान दुनिया के सामने कातिल के रूप में खड़ा है, कातिल को जो सजा मिलती है, वह जरूरी मिलेगी।

आतंकियों ने सरकार की साख पर हमला किया है: आनंद मिश्र

बक्सर संसदीय क्षेत्र के पूर्व प्रत्यशी सह जन सुराज पार्टी के वरिष्ठ नेता सह पूर्व आईपीएस रहे आनंद मिश्र ने इस मामले में कहा है कि यह हमला पूरे देश के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, हमले में जान गवाने वाले सैलानियों के परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदनाए है। उन्होंने कहा कि यह हमला केन्द्र सरकार की साख और देश की अस्मिता पर हमला है। पिछले 11 साल से केन्द्र सरकार यह कहते आ रही है कि जम्मू-काश्मीर में शांति है, लेकिन आतंकियों ने एक झटके में ही इस साख को मिट्टी में मिला दिया है। केन्द्र सरकार को इस हमले का मुंहतोड़ जबाव देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिर्फ एअर स्ट्राईक जैसी कार्रवाई काफी नहीं होगी, बल्कि पाकिस्तान से सीधा युद्ध करना चाहिए, तभी केन्द्र सरकार अपनी साख बचाएगी तथा जनता के भरोसे को जीत पाएगी। पूर्व आईपीएस ने कहा कि इस बार सरकार को काफी बड़ी कार्रवाई करनी चाहिए, ऐसा नहीं करने पर जनता का भरोसा उनसे टूट जाएगा।

आतंकी हमले का भारत सरकार दे कठोर जवाब: संतोष निराला

पहलगाम आंतकी हमले में जदयू के पूर्व मंत्री संतोष निराला ने इस घटना को पाकिस्तान और पाक संरक्षित आतंकियों की घिनौनी हरकत बताया। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार को इस हमले का कठोर जबाव देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरा देश केन्द्र सरकार के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि इस हमले के बाद यदि केन्द्र सरकार पाकिस्तान और आतंकियों को माकूल जबाव देती है तो आतंकी दोबारा ऐसी हिमाकत करने से पहले कई बार सोचेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी सभी वर्ग और धर्म के लोगों को साथ लेकर चलने में विश्वास करती है, ताकि भारत की जो गंगा जमूनी पंरपरा और अखंडता को बरकरार रखा जा सके। लेकिन यह हमला, केवल हिंदू और देश के पर्यटकों पर नहीं हुआ है, यह पाकस्तािन संरक्षित आतंकियों के द्वारा देश की अस्मिता पर हमला है। इस हमले का बदला केंद्र सरकार का ईंट का बवाब पत्थर से ले।

हमले की पाकिस्तान को चुकानी पड़ेगी भारी कीमत: प्रदीप राय

भाजपा नेता सह व्यवसायी प्रदीप राय ने कहा कि पाकिस्तान को इस बार आतंकवाद की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। आज पूरे देश की 140 करोड़ की जनता में इस घटना को ले गहरा आक्रोश है। यह घटना अमानवीय है, जिसकी जिनती भी भर्त्सना की जाए, वो कम होगी। इस घटना में जिा प्रकार से आतंकियों ने किसी से उसका धर्म पूछकर गोली मारना, माफी के लायक नहीं है। हालांकि, आज भारत सुरक्षित हाथों में है। हमले के खिलाफ केन्द्र की मोदी सरकार इस हमले का मजबूती से जबाव देगी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में दुनिया के नक्शे से पाकिस्तान का नामोनिशान मिट जाएगा। भाजपा नेता ने कहा कि इस घटना के बाद पूरा देश एकजुट है। देश की जनता धर्म व मजहब से उपर उठकर इस घटना की निंदा कर रही है तथा भारत सरकार से बदला लेने की मांग कर रही है। केन्द्र सरकार को जल्दी ही इस हमले का कठोर बदला लेना चाहिए।

लोगों की राय...

"पलहगाम आतंकी हमला देश की अस्मिता पर करारा हमला है। हालांकि, यह मामला सीधे हमारी सेना और इंटेलिजेंस ब्यूरो की चूक को दर्शाता है। सरकार और सेना को ऐसी संवेदनशील पर्यटक स्थलों पर कड़ी सुरक्षा रखनी चाहिए। लेकिन पाकिस्तान संरक्षित आतंकियों ने जो जघ्नय कृत्य किया है, वो अब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस मामले में राजनीति से इतर होकर आज पूरा देश एकजुट है और लोगों में आक्रोश भरा है। अब भारत सरकार को चाहिए कि पाकिस्तान को इस घटना के खिलाफ कड़ा जवाब देने के लिए कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

– तथागत हर्षवर्द्धन, जिला प्रभारी, जन सुराज पार्टी, बक्सर

"पहलगाम में जिस प्रकार से पर्यटकों को धर्म पूछ-पूछकर गोलियों से भूना गया, इससे आतंकियों ने इस हमले से देश की अखंडता और एकता को तोड़ने की कोशिश की है। लेकिन, आज का भारत, नया भारत है। देश की 140 करोड़ की जनता न हिंदु है और न ही मुस्लिम। आज सभी भारतीय हैं। इसलिए हम गर्व से कह सकते हैं कि पाकिस्तान ने जो इस हमले से देश को विभाजित करने का काम किया है, वो इस देश के वासी कभी पूरा नहीं होने देंगे। प्रधानमंत्री ने हमले में शामिल आतंकियों और षडयंत्रकारियों को चुन-चुन कर मारने का संकेत दिया है। पीएम मोदी के साथ पूरा देश खड़ा है।

– अंजूम आरा, प्रदेश जदयू प्रवक्ता

"पलहगाम घाटी में सैलानियों से धर्म पूछकर हत्या करना एक बड़ा और जघन्य अपराध है। इस जघ्नय कृत को करने वाले आतंकियों और इस घटना में शामिल षड़यंत्र रचने वालों की खोजकर सरकार कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें। ऐसे लोगों को सरेआम फांसी लगाना चाहिए, ताकि पूरे विश्व को यह पता चले कि भारत अब झुकने वाला नहीं हैं। साथ ही, सरकार को इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि ऐसी घटना के माध्यम से पाक ने देश को बांटने की कोशिश की गई है, जो कभी पूरा नहीं होगा। वहीं, भारत की गंगा जमुनी तहजीब और अखंडता को बचाना भी हम सब की जिम्मेदारी है।

– नियमतुल्लाह फरीदी, समाजसेवी

"पाक द्वारा संरक्षित आतंकवादियों के द्वारा पहलगाम में प्रर्यटकों पर किया गया हमला भारतीय अस्मिता पर हमला है। भारत सरकार को चाहिए पाकिस्तान पर हमला कर आतंकबादियों को समाप्त कर भारत में पिछले कई सालों से हो रहे हमलों को हमेशा के लिए बंद कर देना चाहिए। अब समय आ गया है कि भारत को कठोर कदम उठाना चाहिए बार-बार भरतीय महिलाओं को बिधवा व अनाथ होंने से बचाना चाहिए। बिहार की धरती से जो आज देश के प्रधानमंत्री मोदी जी ने ऐलान किया है। उससे लोगों में इंसाफ जगी है। भारत को अब सर्जिकल स्ट्राइक नही पूर्ण युद्ध करना चाहिए।

– सुमित गुप्ता, युवा नेता, डुमरांव

"आतंकी हमले पर दुख जताते हुएकहा कि जो पहलगाम में हुआ वो निंदनीय है। लोग वहां वेकेशन, हनीमून मनाने और अपने परिवार के साथ सेलिब्रेट करने गए थे। वो लोग कश्मीर की खूबसूरती देख रहे थे। कई मासूम इस आंधी की चपेट में आ गए, जो उन्हें कभी नहीं देखना था। उन्हें अपने करीबियों के सामने मारा गया। ये कोई हादसा नहीं है, जिससे हम आगे बढ़ सकें। इस घिनौने अटैक को इंसानियत की रूह हिला देनी चाहिए। ये हमें लंबे समय तक डराता रहेगा। इसलिए पीएम नरेन्द्र मोदी को कड़े फैसले लेने चाहिए जिसके लिए वो जाने जाते है। पाकिस्तान से इसबार आर-पार हो जाना चाहिए। क्योंकि आगे ऐसा पाकिस्तान संगठित आतंकबादी भारत में प्रवेश न करें।

– विनोद राय, जदयू प्रदेश सचिव बिहार प्रदेश

"पहलगाम में हुई हिंसा के विश्वासघात और अमानवीय कृत्य पर दुख और गुस्से को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। ऐसे समय में, हम केवल भगवान की ओर मुड़ सकते हैं और पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना कर सकते हैं और अपनी गहरी संवेदना व्यक्त कर सकते हैं। हम एक देश के रूप में एकजुट होकर मजबूत बनें और इस घिनौने कृत्य के खिलाफ न्याय पाएं। हमारे लोगों को बेरहमी से मारा। इसे माफ नहीं किया जा सकता, उन आतंकवादियों को पता होना चाहिए कि हम चुप नहीं बैठेंगे। हमें जवाब देना होगा। मैं प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी जी और होम मिनिस्टर अमित शाह और डिफेंस मिनिस्टर राजनाथ सिंह से विनती करता हूं कि उन्हें वो दें, जो वो डिजर्व करते हैं। केंद्र सरकार द्वारा उठाया गया कदम पाकिस्तान को करारा जब दिया है। आगे भी पीएम-मोदी व गृहमंत्री अमित शाह से उम्मीद है कि पाकिस्तान को सबक सीखा पीओके को भारत में कब्जा कर लेगें।

– मान विजय सिंह, डुमरांव राज परिवार

विपक्ष के बोल...

"यह हमला देश की अस्मिता व केन्द्र सरकार के खोखले दावे पर हमला है। उन्होंने कहा कि इस हमले के बाद देश पर संकट आ खड़ा हुआ है और प्रधानमंत्री इस संकट का समाधान करने के बजाए बिहार में आकर चुनावी सभा कर रहे है, जो देश के लिए अपमानजनक है। उन्होंने कहा कि सिर्फ वीजा कैंसल करने से काम नहीं चलेगा। आतंकी वीजा लेकर नहीं आते है। केन्द्र सरकार यह दावा कर रही थी कि काश्मीर में शांति है, लेकिन स्थिति उसके उलट थी। यह हमले ने केन्द्र के उस दावें की पोल खोल दिया है। गृह मंत्री व रक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए।

– सुधाकर सिंह, सांसद, बक्सर

"पाक का कृत्य यह जघन्य अपराध है। देश बदला लेने की मांग कर रहा है। पूरा विपक्ष व देश इस मुद्दे पर केन्द्र सरकार के साथ खड़ा है। केन्द्र सरकार को पाक परस्त आतंकियों को मुंहतोड़ जबाव देना होगा। यदि केन्द्र सरकार ऐसा नहीं करती है तो देश की जनता चुप नहीं बैठेगी, जनता खुद इस हमले का जबाव देगी, जिसकी कीमत केन्द्र सरकार को चुकानी पड़ेगी। अब समय आ गया है जब प्रधानमंत्री 56 इंच का सीना दिखाए तथा आतंकवाद के खिलाफ करारा प्रहार करें। प्रधानमंत्री उस वायदे को याद करें, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि पाक आतंकी एक भारतीय को मारेंगे तो बदले में 10 का सिर काट कर लाया जाएगा। उनके वायदे का इंतेजार पूरे देश की जनता को है।

– संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी, विधायक, सदर विधानसभा क्षेत्र

"हमले में मारे गए सभी सैलानी भारतीय है। यह हमला भारत की अस्मिता पर है। सशस्त माने जाने वाले देश के प्रधानमंत्री को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए तथा सैलानियों को सुरक्षा नहीं दे पाने के लिए गृह मंत्री अमित साह को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैलानियों को सुरक्षा नहीं देने के लिए सीधे तौर पर भारत सरकार दोषी है। आतंकियों ने ऐसे जगह पर हमला किया है जो काफी सुरक्षित माना जाता है। केन्द्र सरकार को इस हमले की माकूल जबाव देने के साथ ही देश की जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी। अब गेंद केन्द्र सरकार के हाथ में है। पूरे देश की जनता केन्द्र सरकार पर नजर बनाए हुए है कि वह आतंकियों के खिलाफ कब कार्रवाई कर रही है।

– विश्वानाथ राम, विधायक, राजपुर सुरक्षित विधानसभा सभा क्षेत्र

"यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि कश्मीर में हालात सामान्य होने के सरकार के दावे खोखले हैं। आम नागरिकों, प्रवासी मजदूरों और अब पर्यटकों पर हो रहे हमले इस बात की गवाही देते हैं कि शांति और सुरक्षा की स्थिति बेहद चिंताजनक है। भारी सैन्य उपस्थिति और लोकतांत्रिक आवाजों के दमन के बावजूद, मोदी सरकार कश्मीर में आतंकी घटनाओं को रोकने में विफल रही है। दुख की बात है कि इस त्रासदी की आड़ में भाजपा युद्धोन्माद और सांप्रदायिक नफरत फैलाने में जुट गई है।

– डॉ. अजीत सिंह कुशवाहा, विधायक, डुमरांव विधानसभा

पहलगाम में पर्यटकों की हत्या के विरोध में निकाला आक्रोश मार्च

♦ कोरानसराय में भाजपा व नागरिकों ने निकाला आक्रोश मार्च

केटी न्यूज/डुमरांव

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटको पर हुए आतंकी हमले में 28 लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। इसकी भर्त्सना चाहुओर की जा रही है। इसी क्रम में डुमरांव प्रखंड के कोरानसराय में भाजपा कार्यकताओं व नागरिकों ने आक्रोश मार्च निकाल आतंकियों और उनको शह देने वाले पाकिस्तान के प्रति आक्रोश व्यक्त करते हुए मुदार्बाद के नारे लगाए, कई ने पाकिस्तान पर हमला करने की मांग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की। इसका संचालन शंकर साह ने किया।

इस आक्रोश मार्च में स्थानीय लोगों ने शामिल होकर जमकर इसे घृणित कार्य बताते हुए, इसका बदला लेने की बात कही। भाजपा नेताओं का कहना था कि बंगाल के मशीर्दा बाद में कुछ दिन पहले हमला कर कई लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया और बेटियों और महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया। ऐसी घटनाओं की पुनरवृति नहीं हो, इस पर हमारे प्रधान मंत्री, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को इसे जड़ से समाप्त करने की कार्रवाई करनी होगी। पाकिस्तान के भूगोल को भारत को बदलना चाहिए।मार्च में भापजा नेता विपिन सिंह, संतोष दूबे, दयाशंकर तिवारी, मनोज सिंह, बिपिन बिहारी सिंह, मनोज कुमार सिंह, भोला तिवारी, राजन गुप्ता, दीनबंधु सिंह, रमेश चंद्र राय, भोला कुमार, सोनू कुमार, प्रकाश कुमार, शिपू शर्मा, रामनारायण शर्मा, गोनू कुमार, सागर कुमार, मारकंडे दूबे, अजय कुमार, कुंदन कुमार, रोहित तिवारी सहित अन्य शामिल रहे।

लोगों ने लगाए पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे

केटी न्यूज/डुमरांव

पहलगाम में हुए आतंकी हमले की गूंज देशभर में सुनाई दे रही है। इसी क्रम में पुराना भोजपुर प्रतिरोध और श्रद्धांजलि जुलूस का आयोजन किया गया।

जुलूस पूर्व सरपंच प्रतिनिधि भरत चौधरी और भाजपा नेता रोहित सिंह के नेतृत्व में निकाला गया। इसमें स्थानीय लोग, युवा व छात्रों ने भारी संख्या में भाग लिया। जुलूस की शुरुआत पुराना भोजपुर चौक से हुई। जुलूस पुराना भोजपुर चौक से काली मंदिर होते हुए पुराना भोजपुर बाजार पहुंचा। इस दौरान दर्जनों छात्रों ने हाथों में मोमबत्तियां और तिरंगा लिए हुए भारत माता की जय, शहीदों अमर रहो जैसे नारे लगाए।

श्रद्धांजलि सभा में शहीदों को मौन श्रद्धांजलि दी गई और दीप जलाकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। युवाओं ने यह भी संकल्प लिया कि वे देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए हर स्तर पर जागरूकता फैलाएंगे। कहा गया कि यह जुलूस आतंकवाद के प्रति विरोध के प्रतीक के साथ यह भी दिखाता है कि देशवासी हर संकट की घड़ी में एकजुट होकर खड़े हैं।

पहलगाम आतंकी हमला को लेकर बक्सर के लोगों में आक्रोश, आयोजित हुई शोकसभा; बोले लोग...

इस आतंकी हमले का बड़ा खामियाजा अब पाकिस्तान को भुगतना पड़ेगा

केटी न्यूज/बक्सर

पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा हमले पर मंगलवार को 28 पर्यटकों की बर्बरता पूर्वक हत्या किये जाने पर गंगा सेवा समिति के सदस्यों द्वारा तीव्र भर्त्सना की गई। इसको लेकर समिति के सचिव रामस्वरूप अग्रवाल के नेतृत्व में गुरुवार को रामरेखा घाट पर एक शोकसभा आयोजित की गई।

इसमें दिवंगत 27 हिन्दूओं व एक जाबाज मुस्लिम टुरिस्ट गाइड की आत्मा की शांति एवं इस दुखद घड़ी में परिजनों को संबल प्रदान हेतु दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई। मौके पर गंगा सेवा समिति के सचिव रामस्वरूप अग्रवाल ने आतंकियों द्वारा बर्बरता पूर्वक किये गए इस आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की।

उन्होंने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि नाम व धर्म पुछ कर मारने वाले आतंकियों को अब पाकिस्तान में घुसकर मारने का समय आ गया है। इस हमले में पाकिस्तान पोषित लश्कर ए तैयबा के आतंकियों ने जिस प्रकार नाम और धर्म पूछ कर पर्यटकों की बर्बरता पूर्वक हत्या की गई हैं, इससे पूरे विश्व के हिन्दू आहत हुए हैं। यह रुकने वाली स्थिति नहीं है इसका बहुत बड़ा खामियाजा अब पाकिस्तान को भुगतना पड़ेगा। समिति के सदस्यों द्वारा स्थानीय स्तर पर भी पाक समर्थित ऐसे जेहादी मानसिकता के लोगों का समाजिक स्तर पर बहिष्कार करने हेतु संकल्प भी लिया गया। उन्होंने देश में लगातार हिन्दूओं की हो रहीं हत्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ऐसे आतंकियों के लिए अतिशीघ्र क्रूर से क्रूर दण्ड का विधान करें। शोकसभा में गंगा सेवा समिति के कोषाध्यक्ष रोहतास गोयल, मुख्य पुजारी मोती बाबा, बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक हरिशंकर गुप्ता, भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री आदित्य चौधरी, ईश्वर चंद्र चौधरी, संतोष राय, रामप्रवेश पांडेय, विनोद जी पांडेय, पंकज गुप्ता, कोमल पांडेय, मुकेश खरवार, लल्लू पांडेय, सिद्धनाथ पांडेय, मारकंडे ठाकुर, कन्हैया सिंह, राजू कुमार मिश्रा, रविंद्र सिंह सहित समिति के अन्य सदस्यों ने भी संवेदना व्यक्त की।

कश्मीर में हुए आतंकी हिन्दू नरसंहार पर अधिवक्ताओं ने मनाया शोक : सिविल कोर्ट के बार भवन में भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सुमन कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में कश्मीर के पहलगाम में हुई हिन्दू नरसंहार पर श्रद्धांजलि सभा की गयी। इसकी अध्यक्षता सिविल कोर्ट के वरीय अधिवक्ता जनार्दन राय एवं संचालन बक्सर बार के महासचिव विन्देश्वरी उर्फ पप्पू पाण्डेय के द्वारा किया गया। श्रद्धांजलि सभा की शुरूआत सभी अधिवक्ताओं के द्वारा शहीदों के नाम पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इसके पश्चात विधि प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सुमन श्रीवास्तव के साथ साथ सभी वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि 22 अप्रैल 2025 हिन्दू के लिए संकल्पित दिन होगा और इस दिन को हुए कश्मीर के पहलगाम में हिन्दू नरसंहार को हिन्दू कभी माफ नहीं करेगा और इसका खमियाजा पाकिस्तानी मुस्लिमों को भुगतना तय है।श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से रामकृष्ण चौबे, तारकेश्वर मिश्र, शशी भूषण राय, सुशील पाठक, रवि लाल, संतोष उपाध्याय, रविशंकर सिंह, इन्द्रदेव राय संजय पाण्डेय के अलावे अन्य अधिवक्ता मौजूद रहें।

डुमरांव एसडीएम व विधायक के नेतृत्व में आयोजित बैठक में लिया गया निर्णय

शिक्षा मंत्री से मिलकर एक्सटेंशन बढ़ाने का होगा प्रयास: विधायक

◆ दूर हुआ गतिरोध, संत जोसफ गर्ल्स हाई स्कूल में शीघ्र लौटेंगी छात्राएं

केटी न्यूज/बक्सर

पुराना भोजपुर के संत जोसफ गर्ल्स हाई स्कूल में हिन्दी मीडियम के छात्राओं की पढ़ाई बहुत जल्द फिर से शुरू होगी। इस मामले में गुरूवार को डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह व एसडीएम राकेश कुमार के नेतृत्व में विद्यालय प्रबंधन व अभिभावक प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक सार्थक रही।

इस बैठक में एसडीएम व विधायक ने शिक्षा विभाग के उस पत्र का हवाला दे फिर से पढ़ाई शुरू करने को कहा, जिसमें कहा गया है कि जिन स्कूलों का निबंधन रद्द किया गया है, उन्हें एक वर्ष का एक्सटेंशन दिया जाता है। हालांकि, विद्यालय प्रबंधन इस बात पर अड़ा रहा कि जबतक उनके पास शिक्षा विभाग द्वारा उक्त पत्र को नहीं दिया जाता है तबतक वे पढ़ाई शुरू नहीं कर सकते है। वहीं, विद्यालय प्रबंधन ने साफ कहा कि उनके विद्यालय के संचालन की गाइडलान जेनरल बॉडी तय करती है तथा जेनरल बॉडी ने अब इस स्कूल को इंग्लिश मीडियम से संचालित करने का निर्णय लिया है। हालांकि, छात्राओं के भविष्य को देखते हुए एसडीएम व विधायक ने कहा कि जिन छात्राओं का नामांकन हो गया है, उनका सत्र पुरा कराए।

उक्त पत्र को विद्यालय प्रबंधन को देने को कहा: इस दौरान एसडीएम ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से फोन पर बात कर उक्त पत्र को विद्यालय प्रबंधन को देने को कहा। तय हुआ कि गुरूवार को माध्यमिक शिक्षा के डीपीओ नाजिश अली व संत जोसफ गर्ल्स हाई स्कूल के हेड मिस्ट्रेस की बैठक होगी तथा शिक्षा विभाग एक वर्ष के एक्शटेंशन का पत्र विद्यालय को देगा, इसके बाद विद्यालय प्रबंधन द्वारा पढ़ाई शुरू किया जाएगा। इस निर्णय के बाद अब यह साफ हो गया है कि बहुत जल्द इस विद्यालय में वर्ग सात से दस तक की स्थगित कक्षाएं शुरू होगी तथा छात्राओं की पढ़ाई शुरू होगी।

हिन्दी माध्यम के लिए जमीन कम पड़ने का दिया जा रहा हवाला : वहीं, विद्यालय द्वारा हिन्दी माध्यम के लिए जमीन कम पड़ने का हवाला दिया जा रहा था, जिस पर विधायक ने कहा कि इस मुद्दे को शिक्षा मंत्री के पास उठाया जाएगा तथा उन्हें बताया जाएगा कि यह विद्यालय सोसायटी द्वारा संचालित होता है तथा इसके लिए अलग से नियम होने चाहिए, सामान्य विद्यालयों की तरह यह स्कूल संचालित नहीं होना चाहिए।

हालांकि, बैठक के दौरान विद्यालय प्रबंधन बार-बार इस बात पर जोर देते रहा कि अब इस विद्यालय का संचालन अंग्रेजी माध्यम से ही होगा। जबकि अभिभावकों का तर्क था कि यह विद्यालय इलाके में हिन्दी मीडियम का सबसे अच्छा व पुराना स्कूल है तथा यहां की पढ़ाई भी उनके लिए कम खचीर्ली है। अभिभावक बार-बार विद्यालय प्रबंधन से हिन्दी मीडियम में पढ़ाई जारी रखने की अपील कर रहे है।

बैठक में विद्यालय प्रबंधन के अलावे डुमरांव बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, अभिभावक प्रतिनिधि के तौर पर प्रदीप वर्मा, भरत चौधरी, राजू वर्मा समेत कई अन्य अभिभावक मौजूद थे।

गौरतलब हो कि शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालय की मान्यता सस्पेंड किए जाने का हवाला दे वर्ग सात से दस तक की कक्षाएं स्थगित कर दी गई थी। इस दौरान प्रबंधन यह तर्क दे रहा था कि मान्यता बहाल नहीं होने तक कक्षाओं का संचालन नहीं किया जा सकता है। वहीं, अभिभावक गोष्ठी में प्रबंधन द्वारा अपने बच्चियों का नामांकन अंग्रेजी मीडियम में कराने का जोर दिया जा रहा था।

34 पशुओं की तस्तरी मामले में दो गिरफ्तार

केटी न्यूज/चौगाई

मुरार पुलिस ने पशु तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए एक ट्रक पर लदे 34 पशुओं को बरामद करने के साथ ही पशु तस्करी के आरोप में ट्रक चालक व खलासी को गिरफ्तार किया है। मामले में एसपीसीए भोजपुर के निरीक्षक सह बक्सर के प्रभारी कुमार आलोक ने दोनों के खिलाफ पशु तस्करी व पशु परिवहन नियमों की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कराया है।

मिली जानकारी के अनुसार मुरार पुलिस खेवली गांव के पास वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान एक ट्रक आती दिखाई पड़ी। पुलिस टीम ने जब ट्रक को रोककर तलाशी ली तो उसमें गाय व भैंस समेत कुल 34 पशु मिले। पुलिस टीम ने जब वाहन चालक व खलासी से पशुओं के स्वास्थ्य प्रमाण पत्र समेत अन्य जरूरी कागजात मांगे तो वे संतोषजनक जबाव नहीं दे सकें। जिसके बाद पुलिस टीम ने उक्त ट्रक को जब्त करने के साथ ही चालक व खलासी को गिरफ्तार कर थाने लाई तथा इसकी जानकारी एसपीसीए टीम को दी। गिरफ्तार तस्करों की पहचान गया जिले के बाराचट्टी निवासी मो. खुर्शीद खां पिता वाहिद खां व इमामगंज के राजीव आलम पिता सिद्दीकी आलम के रूप में हुई है।

पुलिस को दिए आवेदन में जिक्र किया है कि एसपीसीए बक्सर के निरीक्षक दीपक कुमार व सचिव के निर्देश पर एफआईआर दर्ज कराया गया है। उन्होंने जिक्र किया है कि उक्त ट्रक में पशुओं का न तो स्वास्थ्य प्रमाण पत्र था और न ही उनके चारे पानी की व्यवस्था की गई थी। उन्होंने माना है कि पशुओं को अवैध तरीके से तस्करी कर उन्हें दूसरे प्रदेश कही वधशाल पहुंचाई जा रही थी।

राजद ने पांच सूत्री मांगों के समर्थन में दिया धरना

बक्सर। राजद झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के तत्वावधान में राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत पांच सूत्री मांगों के समर्थन में डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक पास एक दिवसीय धरना दिया। इस धरना मे मुख्य रूप से भूमिहीनों को जमीन देने, प्रत्येक घर कों 200, यूनिट मुफ्त बिजली देने, दिव्यांग, बृद्धा, विधवा पेंसन कों 400 से बढ़ाकर 1500 रुपये प्रति माह करने, राज्य की सभी मां-बहन कों प्रत्येक माह 2500 रुपये देने की मांग शामिल है। इस मौके बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि यह गरीबो का मुख्य मांग है। जब तक यह मांग पूरी नहीं होगी तक लड़ाई जारी रहेगी। यह मांग गरीबों नौजवानों, बेरोजगारों तथा बिहार के विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का हैं।

चौसा में चपरासी ने कराया शिक्षक पर हमला

बक्सर। चौसा उच्च विद्यालय में कार्यरत शिक्षक के साथ कुछ लोगों ने विद्यालय में घुसकर मारपीट की। घटना गुरुवार की है। घायल शिक्षक विजय कुमार अपनी शिकायत लेकर कार्यालय अवधि के उपरांत मुफस्सिल थाना पहुंचे। लेकिन, वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने थानाध्यक्ष नहीं है। कहकर मामले को टालने का प्रयास किया। हालांकि इस व्यवस्था से नाराज शिक्षक जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय तक आए। और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा असुरक्षा के माहौल में पठन-पाठन बाधित होने की मांग रखी। पूछने पर विद्यालय के शिक्षकों ने दो-दो आवेदन प्रस्तुत किए। जिसमें प्रधानाध्यापक व घायल शिक्षक का लिखित आवेदन था।

संदिग्ध परिस्थिति में मिला युवक का शव

केटी न्यूज/बक्सर

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सैनिक कॉलोनी में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब स्थानीय लोगों ने एक 24 वर्षीय युवक का संदिग्ध स्थिति में शव देखा। शव कॉलोनी के एक सुनसान इलाके में पड़ा हुआ था। सूचना मुफस्सिल थाने को दी गई। जहां घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। साथ ही एफएसएल टीम को भी बुलाया गया।

पुलिस के अनुसार, युवक की उम्र लगभग 24 वर्ष के आसपास बताई जा रही है, लेकिन उसकी पहचान अब तक नहीं हो पाई है। शव के पास से कोई पहचान बरामद नहीं हुआ है, जिससे उसकी पहचान में कठिनाई हो रही है। युवक टी-शर्ट व जीन्स पहने हुए है। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने सुबह 09 बजे शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। कुछ लोगों का मानना है कि इस क्षेत्र में नशे का कारोबार बढ़ गया है। नशेड़ी भी खुलेआम क्षेत्रों में आते-जाते रहते है। हो सकता है कही नशे की वजह से युवक की मौत हो गई हो, या किसी ने इसकी हत्या कर दी हो। फिलहाल पुलिस मामले की कई एंगल से जांच कर रही है साथ ही एफएसएल टीम की भी मदद ले रही। इसको लेकर आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों से शव की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है। मुफस्सिल थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही मृतक की पहचान कर घटना की सच्चाई सामने लाने की कोशिश की जाएगी। फिलहाल पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और लोग घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चा कर रहे हैं।

विश्व मलेरिया दिवस पर आयोजित होंगी विभिन्न गतिविधियां, बोले डीएमओ...

मलेरिया से बचाव के लिए होना होगा एकजुट

केटी न्यूज/बक्सर

◆ मलेरिया हमारे साथ खत्म होगा : पुनर्निवेश के साथ पुनर्कल्पना व पुनर्जीवन की थीम पर चलेगा अभियान

जिले में तापमान बढ़ने के साथ साथ मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ता जा रहा है। ऐसे में मच्छरों के बचाव को लेकर शुक्रवार को जिले में विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाएगा। ताकि, लोगों में मच्छरों व मलेरिया से बचाव के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़े।

इस वर्ष "मलेरिया हमारे साथ खत्म होगाः पुनर्निवेश पुनर्कल्पना, पुनर्जीवन" की थीम पर किया जाएगा। इसके तहत मलेरिया उन्मूलन के लिए महत्वपूर्ण संदेशों को समुदाय में साझा करते हुये इसके खिलाफ लड़ाई में लोगों को सजग करते हुये उनमें जागरुकता बढ़ाना व मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जानी है। तभी 2030 तक मलेरिया से निजात मिल सकेगी।

वृहद् पैमाने पर लोगों को एकजुट होना होगा : जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पूर्व की अपेक्षा मलेरिया के प्रति लोगों जागरूक हुए हैं। लेकिन, इसे सामुदायिक अभियान बनाने के लिए उद्देश्य से वृहद् पैमाने पर लोगों को एकजुट होना होगा। तभी जाकर हम मलेरिया से निजात पा सकेंगे। इसी उद्देश्य से हर साल 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। जिसमें विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर लोगों तक मच्छर जनित बीमारी मलेरिया के लक्षणों की पहचान, इलाज और बचाव को लेकर जानकारी पहुंचाई जाती है। साथ ही, सहयोगी संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभातफेरी समेत कई गतिविधियों का भी आयोजन किया जाता है। जिससे लोगों में जागरूकता फैलाई जा सके।

मलेरिया के परजीवी मस्तिष्क व अन्य अंगों को पहुंचाते है नुकसान : डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि मलेरिया में समय पर इलाज होना बहुत जरूरी होता है। इसमें मादा एनाफिलीज मच्छर के परजीवी संक्रमण और लाल रक्त कोशिकाओं के नष्ट होने से थकान, एनीमिया, दौरा या चेतना की नुकसान हो सकता है। सेरेब्रल मलेरिया में परजीवी रक्त के जरिए मस्तिष्क व शरीर के अन्य अंगों में पहुंच कर नुकसान करते हैं। गर्भावस्था में मलेरिया से गर्भवती व उसके गर्भस्थ शिशु को खतरा हो सकता है। यह रोग मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने पर 10 से 14 दिन बाद विकसित होता है। उन्होंने बताया कि मलेरिया का पता माइक्रोस्कोपी द्वारा रक्त की जांच से लगाया जा सकता है। अगर उसमें परजीवी दिखाई देते हैं, तो बीमारी को पॉजिटिव मानते हैं।

हैंड बिल, बैनर पोस्टर लगाकर किया जा रहा है जागरूक : वीडीसीओ पंकज कुमार ने बताया कि प्रखंड के विभिन्न गांवों में हैंड बिल का वितरण करते हुए बैनर और पोस्टर लगाए जा रहा है। ताकि, लोग मच्छर जनित इस बीमारी और इसके दुष्प्रभावों को जान सकें। साथ ही, मलेरिया से बचाव के लिए वो सर्वप्रथम अपने स्तर पर प्रयास करें। जिससे वो स्वयं के साथ अपने परिजनों को मच्छरों के आतंक से बचा सकें।

परीक्षा में करीब 82 हजार परीक्षार्थी होंगे शामिल, दो पालियों में होगा एक्जाम

वीकेएसयू : स्नातक सेमेस्टर टू की परीक्षा 2 मई से होगी शुरू

केटी न्यूज/आरा

विश्वविद्यालय में स्नातक सेमेस्टर टू सत्र 2024-28 की परीक्षा अगले माह मई में ली जायेगी। विवि ने परीक्षा के आयोजन को लेकर गुरुवार को प्रोग्राम जारी कर दिया। सत्र को नियमित रखने के लिए गर्मी छुट्टी के पहले परीक्षा ली जा रही है। मालूम हो कि चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के तहत सेमेस्टर टू की परीक्षा दो से दस मई तक ली जायेगी। बता दें कि परीक्षा में करीब 82 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे।

परीक्षार्थियों की संख्या अधिक होने के कारण इस बार केंद्र भी अधिक बनाये जायेंगे। मालूम हो कि सेमेस्टर टू का परीक्षा फॉर्म भरा गया है। दो पालियों में होगी परीक्षा स्नातक सेमेस्टर टू की परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में ली जायेगी। पहली पाली सुबह दस से एक बजे तक और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक ली जायेगी। इस बार प्रोग्राम सेमेस्टर सिस्टम के अनुसार निकाला गया है। पहली पाली में कला विषय के सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय के विषयों के विद्यार्थियों की परीक्षा होगी, जबकि दूसरी पाली में विज्ञान और कॉमर्स संकाय के विषयों के विद्यार्थियों की परीक्षा ली जायेगी। इस बार बनाये जायेंगे 65 केंद्र स्नातक सेमेस्टर टू की परीक्षा नये पैटर्न के अनुरूप होगी। इस बार किसी-किसी संकाय में परीक्षार्थियों की संख्या अधिक रहेगी। कुल छह विषयों की होनी है परीक्षा स्नातक सेमेस्टर टू में 70 अंकों की सैद्धांतिक परीक्षा होनी है। 30 अंकों की आंतरिक परीक्षा कॉलेज में ली जानी है।

वीकेएसयू : सीनेट चुनाव 30 जून तक होगा

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में ठंडे बस्ते में पड़े सीनेट चुनाव को लेकर कवायद तेज कर दी गई है। चुनाव को लेकर बने नोडल पदाधिकारी पीजी अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि 30 जून तक चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। बताया कि वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में सीनेट सदस्यों के चुनाव की संभावित तिथि के रूप में जून माह निर्धारित किया गया है। जल्द ही चुनाव का शेड्यूल घोषित होगा।

अनियंत्रित कार व बाइक की टक्कर में तीन जख्मी

शाहपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के करनामेपुर-शाहपुर रोड स्थित भरौली पुल के समीप गुरुवार की शाम अनियंत्रित कार और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत में बाइक सवार बच्ची समेत तीन लोग घायल हो गये। इन्हें प्राथमिक इलाज के लिए शाहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। बेहतर इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। घायलों में भीष्म कुमार यादव, गुड़िया कुमारी पिता अनिल यादव और प्रीति कुमारी सभी शाहपुर के करनामेपुर थाना क्षेत्र के महुआर गांव के रहने वाले बताये जाते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बाइक सवार अपने साइड में चल रहा था। तभी अनियंत्रित कार सवार ने बाइक वाले को टक्कर मार दी। जिसमें वह लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। थानाध्यक्ष कुमार रजनीकांत ने बताया कि घटना की जांच-पड़ताल की जा रही है।

अपनी शादी के लिए खरीदारी करने जा रहे स्कूटी सवार युवक को ट्रैक्टर ने रौंदा, मौत

♦ उदवंतनगर थाना क्षेत्र के जीरो माइल स्थित पावर ग्रिड के समीप हुई घटना

केटी न्यूज/आरा

आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के जीरो माइल स्थित पावर ग्रेड के समीप बेलगाम ट्रैक्टर ने अपने ही शादी का मार्केटिंग करने आए स्कूटी सवार युवक को रौंद दिया। हादसे में उसकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। वहीं घटना के बाद चालक ट्रैक्टर छोड़ मौके से फरार हो गया। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच उक्त ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है।

जानकारी के अनुसार मृतक चांदी थाना क्षेत्र के सुंदरा गांव निवासी अरुण उपाध्याय का 22 वर्षीय पुत्र आदित्य उपाध्याय है एवं वह बालू घाट पर काम करता था। इधर मृतक के चाचा ने बताया कि वह गुरुवार की दोपहर स्कूटी से अपने शादी का मार्केटिंग करने के लिए आरा आया था। उसी दौरान जीरो माइल स्थित पावर ग्रेड के समीप बेलगाम ट्रैक्टर ने उसे रौंद दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर परिजन भी आरा अस्पताल पहुंचे और अपनी स्वेच्छा से शव का बिना पोस्टमार्टम कराए ही वापस गांव ले गए। बताया जाता है कि मृतक की शादी पटना जिला के बिहटा थाना क्षेत्र के अमरहा गांव में तय हुई थी। इसी माह के 25 को तिलक एवं 29 को बारात थी। जहां एक तरफ उसकी शादी को लेकर उसके घर में ढोल-ताशे एवं शहनाइयों की आवाज गूंज रही थी। वही उसकी मौत की खबर मिलते उसके घर में चीखने-चिल्लाने की चितकारियां गूंजने लगी। देखते ही देखते शादी का माहौल मातम में तब्दील हो गया। उसके सिर पर सेहरा सजने से पहले ही उसकी अर्थी उठ गई। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई व बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां नीतू देवी व एक भाई आशीष एवं एक बहन जया देवी है।

पहलगाम आतंकी हमले में मृत पर्यटकों को संभावना स्कूल में दी गई श्रद्धांजलि

♦ छात्रों ने दो मिनट का मौन रखकर और गायत्री मंत्र के साथ दी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि

केटी न्यूज/आरा

शुभ नारायण नगर, मझौंवा स्थित संभावना आवासीय उच्च विद्यालय एवं मौलाबाग स्थित संभावना पब्लिक स्कूल में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें कश्मीर के पहलगाम की बैसारन घाटी में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों की स्मृति में आयोजित की गई थी। विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा के आरंभ में सभी ने दो मिनट का मौन रखकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की, इसके बाद सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र का उच्चारण किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के एकेडमिक इंचार्ज अरविंद ओझा ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला मानवता को शर्मसार करने वाला कृत्य है। ऐसी घटनाओं के दोषियों के विरुद्ध भारत सरकार को कठोर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। डॉ. सिंह ने बच्चों को आतंकी सोच से दूर रहने और सकारात्मक मानसिकता अपनाने की प्रेरणा भी दी। विद्यालय के निदेशक डॉ. कुमार द्विजेंद्र ने इस हमले को पुलवामा जैसे आतंकी हमलों की याद दिलाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि निहत्थे पर्यटकों पर किया गया यह हमला अत्यंत निंदनीय है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वह मृतकों के परिजनों को इस दुखद घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। प्रत्येक परिस्थिति में धैर्य, मजबूती और सकारात्मकता बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने भारत की संस्कृति और गरिमा को आतंकी मानसिकता से बचाए रखने का आह्वान भी किया।

गेहूं के बोझों में लगी आग, लाखों का अनाज जलकर खाक

सहार। चौरी थाना क्षेत्र के पुरहरा गांव के बधार में आग लगने से अनाज जलकर राख हो गया। गुरुवार की दोपहर तेज हवा से अचानक बधार में रखे रामाशीष यादव के पुत्र नंद केश्वर यादव के तीन एकड़ गेहूं के बोझे, रामनरेश राम के पुत्र जोहन राम के दो बीघे के, केदार साह के पुत्र नंदु साह के दो बीघे के गेहूं और पशुओं का चारा शामिल है। कमला सिंह का पुत्र प्रवीण सिंह तीन बीघे का गेहूं और पशुओं का चारा जलकर राख हो गया। आग लगने के बाद ग्रामीणों की ओर से पंपिग सेट और फायर ब्रिगेड की गाड़ी से आग पर काबू पाया गया, मगर जब तक आग पर काबू पाया जाता। तब तक किसानों की गेहूं की फसल और कुट्टी जल कर राख हो गया। चौरी पंचायत के सरपंच रफीक आलम ने सहार सीओ और चौरी थाना पुलिस को सूचना दिया।

कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम तनय सुल्तानिया ने संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

पर्यटन स्थल, शैक्षणिक संस्थान और अस्पतालों को जोड़ने वाली सड़कों को प्राथमिकता : डीएम

केटी न्यूज/आरा

समग्र शहरी विकास योजना के तहत जनप्रतिनिधियों की ओर से दी गई योजनाओं में पर्यटन स्थल, शैक्षणिक संस्थान और अस्पतालों को जोड़ने वाली सड़कों को प्राथमिकता मिलेगी। इसे लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम तनय सुल्तानिया की ओर से संबंधित अधिकारियों के साथ गुरुवार को समीक्षा बैठक की गई।

पूर्वी गुमटी लख से धरहरा तक नहर के दोनों किनारे पौधरोपण, चिल्ड्रेन पार्क, क्रैश वैरियर्स, वॉकिंग ट्रैक, पार्किंग जोन व स्केटिंग एरिया के लिए डीपीआर बनाने के आदेश दिए गए। समग्र शहरी विकास योजना की प्रगति की समीक्षा के दौरान बिहार विधान सभा एवं

विधान परिषद के सदस्यों की ओर से चयनित नई योजनाओं की जानकारी दी गई।

इस दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए ऐसी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए, जो अधिक से अधिक आबादी को लाभान्वित कर सके। सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि इन योजनाओं का प्रारूप एक सप्ताह के भीतर विकास शाखा को उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान विशेष रूप से उन्होंने सड़कों के चयन में पर्यटन स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को प्राथमिकता देने पर बल दिया, ताकि इन विकास कार्यों का व्यापक लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंच सके। वन विभाग की ओर से नहर में पौधरोपण का आकर्षक डिजाइन तैयार किया गया धरहरा नहर के सौंदर्यीकरण को लेकर दोनों किनारों पर हरियाली को बढ़ावा देने के लिए पौधारोपण कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि लगाए जाने वाले पौधे उच्च गुणवत्ता वाले हों और प्लांटेशन कार्य बेहतरीन तरीके से हो। इसे लेकर वन प्रमंडल पदाधिकारी की ओर से प्लांटेशन का आकर्षक डिजाइन तैयार किया गया है, जिसे डीएम के समक्ष प्रस्तुत किया गया। - बैठक में ये रहे मौजूद डीएम तनय सुल्तानिया, उप विकास आयुक्त डॉ. अनुपमा सिंह, नगर आयुक्त मंजू कुमारी, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रद्युम्न गौरव, आरा एसडीओ रश्मि सिन्हा, सोन नहर के कार्यपालक अभियंता मनीष कुमार, शाहाबाद पथ प्रमंडल, आरा के कार्यपालक अभियंता समेत कई मौजूद थे

जन स्वराज के नेता प्रशांत किशोर ने भाजपा और नीतीश कुमार पर बोला हमला

आंतकवादियों के हमले को भाजपा धर्म से जोड़कर फैला रही है नफरत: प्रशांत

केटी न्यूज/बांका

जन स्वराज उद्घोष यात्रा के तहत प्रशांत किशोर गुरुवार को एक दिवसीय दौर पर बांका के सिंचाई भवन पहुंचे। इस दौरान जन स्वराज के नेता प्रशांत किशोर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा और नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आतंकी हमले को धर्म से जोड़कर भाजपा समाज में नफरत पैदा करना चाहती है। नीतीश कुमार के 20 साल के शासन के बाद भी सिर्फ 2 लाख 34 हजार दलित परिवारों को ही तीन डिसमिल जमीन मिल पाई है। जबकि 2006 में उन्होंने 50 लाख परिवारों को जमीन देने का ऐलान किया था। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हम इस हमले की कड़ी निंदा करते हैं। आतंकवाद के खिलाफ पूरे देश को एकजुट होना होगा। यह किसी एक राज्य या पार्टी का नहीं, पूरे देश की सुरक्षा का मुद्दा है। पिछले 5 सालों से जनता में उम्मीद जगने लगी थी कि कश्मीर अब आतंकी मुक्त हो गया है। लेकिन 2 पहले हुई हटना ने हमें गलत साबित कर दिया है।

नफरत-तुष्टिकरण की राजनीति हानिकारक : उन्होंने कहा कि चाहे भाजपा की नफरत की राजनीति हो या अन्य दलों की तुष्टिकरण की राजनीति, दोनों ही समाज के लिए नुकसानदायक हैं। उन्होंने कहा कि जीविका दीदी, विकास मित्र और टोला सेवक चाहे जितना प्रचार करें, जनता अब नीतीश कुमार को वोट नहीं देगी। प्रशांत किशोर ने शराबबंदी पर कहा कि राज्य में शराब की दुकानें तो बंद हैं, लेकिन शराब हर जगह उपलब्ध है। अवैध बिक्री और होम डिलीवरी खुलेआम हो रही है। यह कानून अब सिर्फ दिखावा बनकर रह गया है। हमारी सरकार बनी तो इसे कूड़ेदान में फेंक देंगे।

पलायन रोकना होगी पहली प्राथमिकता: प्रशांत किशोर ने राज्य से हो रहे मजदूरों के पलायन को गंभीर मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि लाखों मजदूर आजीविका के लिए बिहार से बाहर जा रहे हैं, जो राज्य के विकास में सबसे बड़ी बाधा है। उनकी सरकार बनने पर स्थानीय उद्योगों, कृषि और सेवा क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएंगे ताकि पलायन को रोका जा सके।

प्रधानमंत्री पर साधा निशाना : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे को लेकर भी प्रशांत किशोर ने सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री चुनावी सभाओं में सरकारी पैसे का दुरुपयोग कर रहे हैं। 'गरीबों के पैसे से की जा रही इन रैलियों से जनता को कोई असली लाभ नहीं हो रहा है'। उन्होंने कहा कि पीएम से मेरा अपील है कि वो जनता के पैसों से चुनाव प्रचार करना बंद कर दें। साथ ही, उन्होंने सरकार से मांग की है कि वह जनता की बुनियादी जरूरतों पर ध्यान दें। प्रशांत किशोर ने अंत में बिहार की जनता से अपील की कि वे जागरूक होकर मतदान करें। साथ ही, वो ऐसी सरकार चुनें जो जमीनी हकीकत को समझे और आम जनता के मुद्दों को प्राथमिकता दे।

पाकिस्तान के पाले-पोसे आतंकियों ने निर्दोषों को मारा: खान सर

पटना। खान सर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकवादी हमले को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले, इसी जगह पर कई पर्यटक रुका करते थे। अभी भारी संख्या में पर्यटक वहां घूमने गए हुए थे।। वह पहलगाम में रुके हुए थे, तभी कुछ आतंकवादियों ने वहां हमला कर निहत्थे लोगों को निशाना बनाया। खान सर ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा पाले-पोसे गए इन आतंकियों ने भारत के निर्दोष नागरिकों पर हमला किया क्योंकि इनमें बाप की औकात भारतीय सेना से सीधा मुकाबला करने की नहीं है। ये लोग कायर हैं, जो हथियारबंद होकर आम जनता पर गोलियां चलाते हैं। उन्होंने इस हमले में मारे गए लोगों का जिक्र करते हुए कहा कि किसी बच्चे के पिता को मार दिया गया, तो किसी की शादी को अभी एक हफ्ता भी नहीं हुआ था और उसके पति को मौत के घाट उतार दिया गया। यह क्रूरता और कायरता की पराकाष्ठा है।

भागलपुर के पूर्व एसडीओ को नहीं मिली राहत

केटी न्यूज/पटना

बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी कुमार अनुज को भागलपुर में पदस्थापन के दौरान नियमों के उल्लंघन के आरोप में दोषी पाया गया। सरकार ने तीन वेतनवृद्धि रोकने की सजा को बरकरार रखा है। कुमार अनुज की अपील भी खारिज कर दी गई है। भागलपुर सदर के तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी कुमार अनुज के खिलाफ डीएम ने प्रपत्र क गठित कर सामान्य प्रशासन विभाग के उपलब्ध कराया था। पहले आरोप पत्र 8, 2017 और पूरक आरोप पत्र 13 जून 2017 को उपलब्ध कराया गया। जिसमें तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी सदर भागलपुर कुमार अनुज के खिलाफ दो गंभीर आरोप लगाए गये थे। डीएम की रिपोर्ट में कहा गया कि, तत्कालीन एसडीओ कुमार अनुज ने कृषि उत्पादन बाजार समिति में दुकान गोदाम के आवंटन में अनियमितता बरती, साथ ही कई शिक्षकों को नियम के विरुद्ध जाकर गैर शैक्षणिक कार्य के लिए प्रतिनिधित्व किया। इन आरोपों को लेकर इनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाई गई। कुमार अनुज के खिलाफ तीन वेतन वृद्धि संचयात्मक प्रभाव से रोक का दंड देने की सिफारिश की। जिसे सरकार ने स्वीकार कर लिया है।

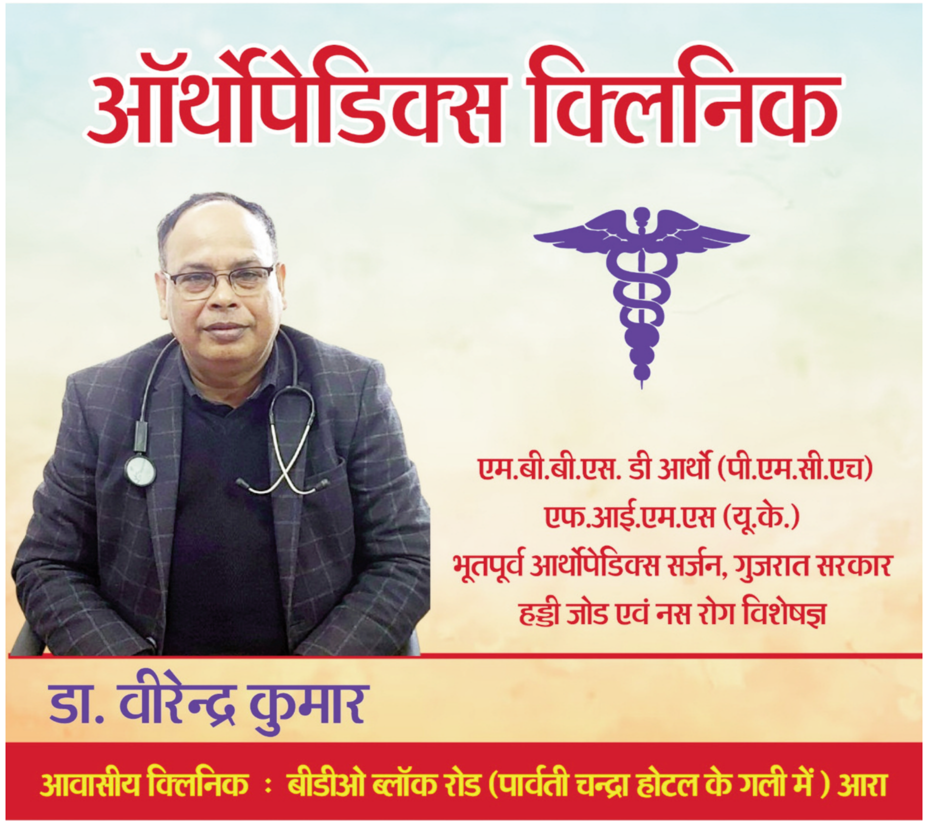

2.5 करोड़ की हेरोइन के साथ यूपी के दो तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/कैमूर

कैमूर जिले में नुआंव थाना पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। ढाई करोड़ की हेरोइन के साथ दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तस्करी के लिए यूपी से लेकर भोजपुर जिले के बिहिया जा रहे तस्करों को पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक, ये लोग पहले भी हेरोइन की डिलीवरी कर चुके हैं। जहां डिलीवरी देने और लेने के लिए नई मोबाइल और सिम दिया जाता था। गिरफ्तार दोनों तस्कर उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के दिलदारनगर के निवासी हैं। मोहनिया एसडीपीओ प्रदीप कुमार ने बताया कि कैमूर एसपी हरिमोहन शुक्ला के निर्देश पर नुआंव थानाध्यक्ष ने सशस्त्र बल के साथ अकोल्ही फील्ड के पास आने जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान अकोल्ही की तरफ से एक बाइक आते दिखाई दी, जिस पर दो व्यक्ति सवार थे। इन्हें पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो बाइक को तेजी से लेकर भागने लगे। जिसे पुलिस के द्वारा पीछा किया गया तो जैतपुरा पंप कैनाल नहर में पलट गए। वहीं, दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए और गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। उसके बाद दोनों को पुलिस द्वारा स्थानीय पीएचसी में इलाज के लिए ले जाया गया। जहां पुलिसिया पूछताछ में उनके द्वारा बताया गया कि बाइक की डिक्की में हेरोइन है। पुलिस ने डिक्की से पांच प्लास्टिक के डिब्बे से 2.511 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुआ। इसकी अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कीमत दो करोड़ 50 लाख रुपये बताया जाता है। गिरफ्तार दोनों युवक उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिला, दिलदार नगर थाना क्षेत्र के कुसी गांव निवासी मंगल सिंह कुशवाहा का पुत्र प्रमोद कुमार, रूपेश कुमार उर्फ रितेश कुमार बताया जाता है। एसडीपीओ ने बताया कि इन्हें हेरोइन लेकर डिलीवरी करने के लिए पांच हजार रुपये दिया गया था और इन्हें हेरोइन की डिलीवरी के लिए मैसेज किया जाता है कि माल कहां से कहां पहुंचना है और इसके साथ ही इन्हें नया मोबाइल फोन और नया सिम दिया जाता है।

मोतिहारी के हरसिद्धि थाने का चालक निकला गांजा तस्कर

मोतिहारी। जिले में पुलिस द्वारा चलाया जा रहा 112 के गाड़ी का ड्राइवर के घर से गांजा बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि ड्राइवर के संदिग्ध आचरण को देखते हुए मोतिहारी पुलिस उस पर नजर रख रही थी। दरअसल, मोतिहारी के हरसिद्धि थाने में तैनात सैफ चालक रामबालक सिंह जो कि रामगढ़वा थाना क्षेत्र के बंधु बरवा गांव का निवासी था। गुप्त सूचना के आधार पर सैफ चालक के रक्सौल के गांधी नगर स्थित उसके आवास पर छापेमारी कर आठ किलो 664 ग्राम गांजा बरामद हुआ। मौके से सैफ चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। रक्सौल एसडीपीओ धीरेंद्र कुमार सहित अन्य शमिल थे।

पीरपैंती में लगी आग, दमकल की आठ गाड़ियां बुझाने में जुटी

भागलपुर। जिले में पीरपैंती के बाराहाट बाजार स्थित थोक दुकान और गोदाम में भीषण अगलगी की घटना हुई है। मौके पर दमकल की आठ गाड़ियां आग बुझाने में लगी हुई हैं। बता दें कि कहलगांव अनुमंडल के पीरपैंती स्थित बाराहाट बाजार में थोक विक्रेता की दुकान सह गोदाम में भीषण अगलगी की घटना हुई है। सूचना पाकर कहलगांव अनुमंडल परिसर स्थित अग्निशमन आफिस से पांच दमकल को भेजा गया है। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बजाया जा रहा है। आग लगने की घटना से आसपास के क्षेत्रों में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। आग की घटना से आसपास के दुकानदारों ने फौरन अपनी-अपनी दुकानें बंद कर मौके से हट गए। घटना में करोड़ों रुपये की क्षति का अनुमान है।

गोपालगंज में नेशनल हाइवे पर ब्लास्ट हो गई स्कूटी, गंभीर रूप से झुलसे बाप और बेटी की मौत

केटी न्यूज/भागलपुर

गोपालगंज जिले में ऊंचकागाव थाना क्षेत्र के वृंदावन गांव के समीप तेज धमाका हुआ। अचानक हुए एक शक्तिशाली पटाखा विस्फोट के कारण स्कूटी पर सवार एक मासूम बच्ची और एक युवक की झुलसने से मौत हो गई। ब्लास्ट इतना धमाकेदार था कि इससे निकली चिंगारियों ने पास के दो झोपड़ीनुमा घर को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे आग लग गई। आग लगने के कारण लाखों रुपये के सामान जलकर खाक हो गए। मृतकों की पहचान जिले के मीरगंज नगर निवासी लक्ष्मण सोनार के 32 वर्षीय पुत्र मिथुन सोनार और अमित सोनी की तीन वर्षीय बेटी आरोही कुमारी के रूप में की है। बताया जाता है कि मृतक मिथुन पटाखा लेकर स्कूटी से अपनी भतीजी आरोही के साथ मीरगंज से गोपालगंज जा रहा था। जैसे ही वह एनएच-531 पर वृंदावन गांव के पास पहुंचा कि तभी एक तेज धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को सदर अस्पताल गोपालगंज में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। लेकिन दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया। गोरखपुर जाने के दौरान रास्ते में ही दोनों की मौत हो गई। उसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। उधर, इस ब्लास्ट के कारण पटाखे से निकली चिंगारी ने वृंदावन गांव निवासी बादशाह महतो के घर को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते झोपड़ीनुमा घर जलकर राख हो गया, जिस वक्त चिंगारी घर में गिरी, उस वक्त बादशाह महतो घर में अपने परिवार साथ खाना खा रहे थे। जब तक वह कुछ समझ पाते, तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया। सभी लोग जान बचाने के लिए घर से निकलकर भागने लगे। वहीं, घर में रखे रुपये और सामान जलकर राख हो गए।

पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स डेटा पर आधारित है रिपोर्ट, गुजरात व तेलंगाना राज्य की पंचायतें आगे

बिहार की पंचायतें विकास की दौड़ में काफी पीछे

केटी न्यूज/पटना

पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स एक डेटा आधारित रिपोर्ट है जिसका उद्देश्य देश की 2.5 लाख से ज्यादा ग्राम पंचायतों को उनके सामाजिक-आर्थिक विकास के आधार पर आंकना है। इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, जल प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण और सुशासन जैसे नौ सतत विकास लक्ष्यों को शामिल किया गया है। इन लक्ष्यों के आधार पर पंचायतों को पांच श्रेणियों में बांटा गया है फ्रंट रनर, परफॉर्मर, आकांक्षी, बिगिनर और अचीवर।ढअक रिपोर्ट में जिन 2,16,285 पंचायतों का डेटा मान्य पाया गया। उनमें से केवल 0.3 फीसदी पंचायतें ही फ्रंट रनर बन पाईं। वहीं, 61 फीसदी से अधिक पंचायतें आकांक्षी श्रेणी में आईं। जिसमें बिहार और छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा। खास बात यह है कि देश की एक भी पंचायत अचीवर नहीं बन पाई। जिससे यह स्पष्ट होता है कि पंचायत स्तर पर विकास की प्रक्रिया को और मजबूती से लागू करने की जरूरत है।

पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्सः पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स भारत की ग्राम पंचायतों की प्रगति और कामकाज का आंकलन करती है। इसे पंचायती राज मंत्रालय द्वारा तैयार किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य पंचायतों की सामाजिक और आर्थिक विकास में स्थिति जानना। इसका मुख्य आधार स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण जैसे 9 विषयों पर प्रदर्शन जानना। इसका डाटा पंचायतों द्वारा भेजे गए आंकड़ों और सरकारी विभागों के अधिकारियों की देखरेख में किये जांचे गए डेटा पर आधारित होता है। इसे लागू करने का मुख्य लाभ है कि इससे पंचायतों को अपनी कमजोरियों को समझने और सुधार करने का मौका मिलता है। यह रिपोर्ट से पता चलता है कि किस पंचायत ने बेहतर काम किया और किसे अभी आगे बढ़ने की जरूरत है।

गुजरात व तेलंगाना रहा आगे : गुजरात की 346 और तेलंगाना की 270 पंचायतों को फ्रंट रनर का दर्जा मिला है, जो बताता है कि इन राज्यों ने पंचायत स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इसके विपरीत बिहार की कोई भी पंचायत शीर्ष श्रेणी में जगह नहीं बना सकी, जो राज्य के लिए एक गंभीर संकेत है। यह रिपोर्ट बिहार के लिए केवल आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि यह एक स्पष्ट चेतावनी है कि अगर पंचायतों को मजबूत नहीं किया गया, तो विकास सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाएगा। राज्य सरकार को अब पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण देने, डिजिटल तकनीकों को अपनाने, और योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

झारखंड

बक्सर, 25 अप्रैल 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

झारखंड में 27 अप्रैल से बिगड़ेगा मौसम, 6 जिलों में तेज आंधी-बारिश की चेतावनी

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में तापमान दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है। डाल्टेनगंज में सर्वाधिक 44 डिग्री सेल्सियस तक तापमान पहुंच चुका है जबकि खूंटी में सबसे कम 19.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है।

हालांकि, 28 अप्रैल से झारखंड के कई जिलों में तेज आंधी और बारिश की संभावना है। हम नीचे खबर में बताएंगे कि आखिर किन-किन जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी रांची में भी तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। ऐसे में स्कूली बच्चों समेत आमजनों की परेशानी बढ़ गई है। लोग तपती गर्मी से परेशान हो रहे हैं और बच्चे स्कूलों में छुट्टी के बाद सिर पर कपड़े रखकर या फिर छाते का प्रयोग कर घर तक पहुंच रहे हैं।

सुबह 9 बजते ही चलना हुआ मुश्किल : राजधानी रांची सहित पूरा झारखंड लू की चपेट में है। गर्म हवा के थपेड़ों से लोग झुलस रहे हैं। सुबह 9 बजते ही सड़कों पर चलना मुश्किल हो रहा है। 11 बजते-बजते गर्म हवा बर्दाश्त के बाहर हो रही है। दोपहर 4 बजे तक मौसम की मार से जन-जीवन प्रभावित हो रहा है। मौसम के इस लहजे को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। जिसमें कहा गया है कि एडवाइजरी में कहा गया है कि काम करने वाले जगह के पास ठंडा पीने का पानी उपलब्ध कराएं। कर्मचारियों को सीधे सूर्य की रोशनी से बचने के लिए सावधान करें। कठिन कामों को दिन के ठंडे समय में करने का समय निर्धारित करें।

अनावश्यक धूप में बाहर निकलने से बचें : वहीं हेल्थ को लेकर भी अलर्ट किया गया है जिसमें कहा गया है कि धूप में बाहर जाने से बचें। खासकर दोपहर 12 से तीन के बीच विशेष ध्यान रखें। दोपहर में बाहर जाते समय अधिक श्रम वाले कार्य करने से बचें। नंगे पैर बाहर न जाएं। अत्यधिक गर्मी के दौरान खाना पकाने से बचें। खाना पकाने के क्षेत्र में पर्याप्त हवा आने के लिए दरवाजे और खिड़कियां खोलें। शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड शीतल पेय से बचें। हाई प्रोटीन वाले भोजन करने से भी परहेज करें।वहीं 26 अप्रैल को दक्षिणी हिस्सों के अलावे उत्तर पूर्वी हिस्से यानी देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, धनबाद, गिरिडीह, जामताड़ा और साहिबगंज में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी। साथ ही इन जिलों में मेघगर्जन के साथ साथ 30 से 40 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा के भी बहने की संभावना है। इन संभावनाओं को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं, 27 अप्रैल को राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्सों के साथ साथ निकटवर्ती मध्य भाग यानी रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो और खूंटी के साथ साथ दक्षिणी हिस्सों में कहीं कहीं मेघगर्जन के साथ साथ 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा बहने को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में बिजली गिरने को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है और मौसम विभाग ने आमजनों विशेषकर किसानों से खेत न जाने की सलाह दी है।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि राज्य में अगले चार दिनों तक यानी 24 से 27 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले तीन दिनों तक यानी 28, 29 और 30 अप्रैल को तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की उम्मीद है।वहीं दूसरी ओर, झारखंड में पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में मौसम शुष्क बना रहा।

सबसे अधिक अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज का और सबसे कम न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस खूंटी में रिकार्ड किया गया। वहीं राजधानी रांची का अधिकतम 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

झारखंड पैरेंट्स एसोसिएशन ने राज्य में जारी भीषण गर्मी और हीटवेव की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार से स्कूलों के संचालन समय में तत्काल बदलाव की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों में तापमान खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि यह स्थिति स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है और बाहरी गतिविधियों को सीमित करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

हम सरकार से अपील करते हैं कि मौसम की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए स्कूलों का समय सुबह 6:30 बजे से 10:30 बजे तक कर दिया जाए, जिससे बच्चों को गर्मी की मार से राहत मिल सके। एसोसिएशन ने आग्रह किया है कि शिक्षा विभाग शीघ्र निर्णय लेकर स्कूल प्रबंधन को दिशा-निर्देश जारी करे, जिससे सभी विद्यालय समय पर आवश्यक व्यवस्था कर सकें।

संक्षिप्त समाचार

अनाथ बच्ची तुलसी से मिले पटमदा सीओ, योजनाओं का लाभ मिलेगा

पटमदा, एजेंसी। पटमदा प्रखंड के लावा पंचायत के सिसदा गांव के आम बहाल टोला की दो वर्षीय बच्ची तुलसी सिंह के माता पिता का निधन हो जाने से बच्ची अनाथ हो गई है। इसकी जानकारी मिलने के बाद बुधवार को पटमदा सीओ डॉ राजेंद्र कुमार दास तुलसी के घर पहुंचकर उसकी दादी से मिले। तुलसी को सरकारी लाभ देने के लिए सीओ ने कागजी प्रक्रिया शुरू कर दी है। गुरुवार को बच्ची का आधार कार्ड बनाया जाएगा।

बरमसिया में किशोरी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के धनसार थाना क्षेत्र के बरमसिया शनि मंदिर के निकट रहने वाले अनूप सिंह उर्फ बिट्टू की पुत्री प्रिया कुमारी (15) ने बुधवार की शाम अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजनों की सूचना पर धनसार थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया। गुरुवार को मृतका के शव का पोस्टमार्टम किया जायेगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतका के पिता चेन्नई में प्राइवेट नौकरी करते हैं। यहां परिवार किराये के मकान में रहता है। बुधवार को घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद प्रिया अपने कमरे को अंदर से बंद कर लिया। कुछ देर के मां ने उसे आवाज दिया तो उसने दरवाजा नहीं खोला। बाद में दरवाजा तोड़ा गया तो देखा कि प्रिया फंदे से झूल रही है।

गैंगस्टर अमन साहू मुठभेड़ मामले में नया मोड़! अब सीआईडी ने केस को किया टेकओवर

रांची, एजेंसी। पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के अंधारीढोढ़ा में 11 मार्च को मुठभेड़ में मारे गए गैंगस्टर अमन साहू के मामले में सीआईडी ने जांच शुरू कर दी है। सीआईडी ने चैनपुर थाने में तत्कालीन एटीएस के इंस्पेक्टर प्रमोद सिंह के बयान पर दर्ज प्राथमिकी को टेकओवर करते हुए सीआईडी थाने में नया केस दर्ज किया है और अनुसंधान शुरू कर दिया है। सीआईडी ने चैनपुर थाने में दर्ज केस की फाइल, संबंधित दस्तावेज आदि को भी अपने जिम्मे ले लिया है। अमन साहू उर्फ अमन साव मामले में उसकी मां ने झारखंड उच्च न्यायालय में शिकायत की है, जिसमें अभी सुनवाई नहीं हुई है। अमन साहू कुख्यात अपराधी था। रांची के एक केस में उसे झारखंड एटीएस की टीम छत्तीसगढ़ के रायपुर जेल से ट्रांजिट रिमांड पर लेकर लौट रही थी। 11 मार्च की सुबह पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र में अमन साहू ने पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। उसने एक जवान का इंसास भी छीन लिया था और एटीएस के जवानों पर फायरिंग की थी। जवाबी कार्रवाई में वह मारा गया था। इस घटना में एटीएस का जवान भी जख्मी हो गया था।

महिलाओं को रोजगार के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रही

जमशेदपुर, एजेंसी। पंचायती राज दिवस पर पंचायतों में हो रहे बदलाव की तस्वीर सामने आई है। शहर के आसपास के पंचायती राज के माध्यम से जन भागीदारी से कल्याण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। इससे पंचायतों का विकास हुआ है और लोगों को सोचने समझने की प्रवृति में भी बदलाव हुआ। महिलाओं को सशक्त बनाने की बात हो, बच्चों की शिक्षा हो, या फिर लोगों की आय बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। बड़ाबांकी के मुखिया राकेश मुर्मू अपने पंचायत को नशा मुक्त करने का अभियान चला रहे हैं तो पूर्वी हलुदबनी की मुखिया पानो मुर्मू महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का अभियान चला रही हैं। 4 गांव को नशा मुक्त किया, फलदार पौधे लगाए ताकि आय बढ़े बड़ाबांकी पंचायत के मुखिया राकेश मुर्मू ने नशा मुक्ति और पौधरोपण का अभियान चलाया है। एक साल में पंचायत के सात में से चार गांव पूरी तरह नशा मुक्त हो गए हैं। बाकी तीन गांवों में जागरूकता अभियान जारी है। महिलाओं को इस अभियान से जोड़ा गया है। हर दिन किसी न किसी इलाके में नशा के खिलाफ जागरूकता फैलाई जा रही है।

हजारीबाग में सरकारी राशि का गबन, बीडीओ ने दर्ज कराई प्राथमिकी

हजारीबाग, एजेंसी। जिले में सरकारी राशि 23 लाख 80 हजार रुपया गबन के मामले में प्राथमिक की दर्ज की गई है। विष्णुगढ़ प्रखंड विकास पदाधिकारी ने एफआईआर दर्ज कराई है. जिले के ग्राम पंचायत अलपीटो विष्णुगढ़ प्रखंड में 15वें वित्त योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की गई थी. एमआईएस रिपोर्ट के आधार पर क्रियान्वित की गई सभी 16 योजनाओं में अनियमितता की बात सामने है. पेवर्स ब्लॉक पथ निर्माण, पुलिया निर्माण, श्मशान घाट निर्माण, चापानल की मरम्मती, जल नल कनेक्शन आदि योजनाओं में विभागीय दिशा निर्देशों की अवहेलना की गई है. इन योजनाओं में 23 लाख 80 हजार रुपए का अवैध रूप से भुगतान किया गया है।

गबन का मामला संज्ञान में आने पर विष्णुगढ़ प्रखंड विकास पदाधिकारी अखिलेश कुमार के द्वारा जांच क्रम में इस कार्य में संलग्न अलपीटो मुखिया सुमिता देवी, मुखिया पति धनेश्वर यादव, नारायण यादव, मुखिया का संबंधी और तत्कालीन पंचायत सचिव सरयू पासवान की संलिप्तता पाई गई है. सभी योजनाओं का भुगतान अलग-अलग लाभुक समिति के नाम से होना था. प्रखंड विकास पदाधिकारी, विष्णुगढ़ ने इस पर कार्रवाई करते हुए अवैधकर्ताओं द्वारा सरकारी राशि का गबन एवं दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितता तथा सरकारी नियम परिनियम की अवहेलना, पद का दुरुपयोग करना, साक्ष्य मिटाना एवं अन्य अनियमितताओं के संदर्भ में भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत विष्णुगढ़ थाना में अभियुक्तों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

इलाज के दौरान सीएचओ ज्योति महतो की रांची में मौत

रुहीडीह आयुष्मान आरोग्य मंदिर में ड्यूटी के दौरान हुआ था हमला

कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर ज्योति कुमारी

रांची, एजेंसी। जमशेदपुर के एमजीएम थानांतर्गत रुहीडीह स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सीएचओ (कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) ज्योति महतो की इलाज के दौरान रांची में मौत हो गई। उन पर स्वास्थ्य केंद्र में अपराधियों ने जानलेवा हमला किया था। गंभीर स्थिति में ज्योति महतो को रांची के मेडिका हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। ज्योति महतो की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि ज्योति स्वास्थ्य विभाग की कर्मी थी। उनकी मौत से पूरा विभाग मर्माहत है। विभाग हर हाल में इस घटना में शामिल अपराधियों को सजा दिलाएगा। वहीं जो भी संभव होगा, ज्योति के परिजनों को मदद पहुंचाई जाएगी।

क्या हुआ था शुक्रवार 18 अप्रैल की सुबह ज्योति महतो के साथ

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार 18 अप्रैल की सुबह जमशेदपुर के एमजीएम थाना क्षेत्र के रुहीडीह स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सीएचओ ज्योति महतो के ऊपर स्वास्थ्य केंद्र में ही हमला किया गया था। जिसमें ज्योति महतो गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उन्हें गंभीर स्थिति में एमजीएम हॉस्पिटल ले जाया गया।

प्रारंभिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए टीएमएम भेज दिया। स्वास्थ्य मंत्री की पहल पर ज्योति को बेहतर इलाज के लिए टीएमएच से रांची के मेडिका हॉस्पिटल लाया गया था। सिर में तीन जगह गंभीर चोटें आने की वजह से ज्योति की स्थिति लगातार क्रिटिकल बनी हुई थी और तमाम प्रयासों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने दिया न्याय और सहायता का भरोसा

महतो की इलाज के दौरान मौत की जानकारी देते हुए इरफान अंसारी ने बताया कि तमाम प्रयासों के बावजूद डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और उनकी जान चली गई।

इस घटना के संबंध में आज झारखंड कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स संगठन की स्टेट प्रेसिडेंट सोनी प्रसाद और जनरल चीफ सच्चिदानंद कुमार ने मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और पीड़िता के परिवार के लिए न्याय व सहायता की मांग की।

पूर्व विधायक और झामुमो नेता कुणाल षाड़ंगी की उपस्थिति में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से मृतक सीएचओ के परिजन को हर संभव मदद दी जाएगी। जो भी इस निंदनीय घटना के लिए जिम्मेदार है, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीड़िता को न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता है। स्वास्थ्य विभाग और राज्य सरकार इस मामले में पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से कार्रवाई सुनिश्चित करेगी ताकि भविष्य में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना ना हो।

देवघर के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्रा की मौत पर बवाल, वार्डन पर गंभीर आरोप

देवघर, एजेंसी। झारखंड के देवघर जिले के देवीपुर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की एक छात्रा की मौत के बाद वार्डन के खिलाफ छात्राओं और अभिभावकों ने बुधवार को मोर्चा खोल दिया। मृतका के परिजनों के साथ विद्यालय की छात्राओं ने वार्डन पर कई गंभीर आरोप लगाए है। परिजनों का कहना है कि बेटी की बीमार होने की खबर पर वे विद्यालय पहुंचे थे। आरोप है कि वार्डन द्वारा पहले तो छात्रा से मिलने नहीं दिया गया। बाद में जब बच्ची की हालत गंभीर हो गयी तो परिजनों को उसे घर ले जाने का आदेश दिया गया, लेकिन रास्ते में ही बच्ची ने दम तोड़ दिया। मौत से आक्रोशित परिजनों ने जमकर बवाल काटा।

छात्रा सातवीं कक्षा में पढ़ाई करती थी। बच्ची की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों द्वारा न्याय की गुहार लगायी गयी। घटना की सूचना पर जब जिला शिक्षा पदाधिकारी विनोद कुमार विद्यालय पहुंचे तो बच्चियों ने कई बड़े खुलासे किए। बच्चियों ने बताया कि वार्डन द्वारा छात्राओं से खाना बनाने से लेकर टॉयलेट तक साफ कराया जाता है। पूरे मामले को लेकर प्रशासनिक जांच जारी है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि मंगलवार की शाम में बच्ची की तबीयत खराब हुई थी। फिर रात में वह हल्का फुल्का खाना खाकर सो गयी। सुबह भी तबीयत खराब होने लगी, तो छात्रा को अभिभावक के साथ इलाज के लिए भेज दिया, लेकिन जब छात्रा को लेकर वे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे तो चिकित्सक ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुरोध पर मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की जा रही है। अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए विद्यालय से तत्काल वार्डन पिंकी कुमारी समेत सभी कर्मियों को हटाया जा रहा है। जांच कमेटी की रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई संभव है।

अबुआ आवास के करोड़ों रुपये आ गए, देखिए किस प्रखंड में कितनों को मिलेगा लाभ

देवघर, एजेंसी। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अबुआ आवास योजना के लाभुकों को आवास निर्माण में परेशानी नहीं हो। इस बाबत किस्त की राशि निर्धारित अवधि में दी जा रही है।

वर्ष 2023-24 के लिए द्वितीय एवं तृतीय किस्त मिलाकर तकरीबन 2.85 करोड़ रुपया निर्गत किया जा रहा है। उपायुक्त विशाल सागर ने इसकी स्वीकृति दे दी है। दूसरी किस्त में देवीपुर प्रखंड में सात, करौं सात, मधुपुर 12, मारगोमुण्डा छह, मोहनपुर चार, पालोजोरी पांच, सारठ 28, सारवां 13 एवं सोनारायठाढ़ी के दो लाभुकों के लिए स्वीकृत किया गया है। यह राशि 42 लाख है। तीसरी किस्त में 243 लाभुकों के लिए 2.43 करोड़ राशि स्वीकृत की गयी है। इसमें देवीपुर प्रखण्ड में आठ, देवघर 36, मधुपुर 57, मारगोमुंडा छह, मोहनपुर 17, पालोजोरी में 13, सारठ 72, सारवां 23 एवं सोनारायठाढ़ी के 11 लाभुक शामिल हैं।इसी प्रकार योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में चौथी किस्त में देवघर में 33, मधुपुर प्रखंड में पांच एवं मोहनपुर में तीन लाभुकों के लिए राशि दी गयी है।वित्तीय वर्ष 2024-25 के द्वितीय किस्त में नये एवं लंबित रहे लाभुकों के लिए भी राशि स्वीकृत की गयी है।

कांग्रेस का संविधान बचाओ अभियान 40 दिन देशभर में चलेगा आंदोलन

रांची, एजेंसी। कांग्रेस ने संविधान बदलने के कथित अभियान के खिलाफ 40 दिवसीय राष्ट्रीय आंदोलन के द्वारा संविधान बचाओ अभियान चलाने का निर्णय लिया है। मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में यह फैसला किया गया। इसके तहत 20 से 30 मई तक संविधान की प्रति लेकर घर-घर संपर्क अभियान चलाएंगी।

25 से 30 अप्रैल तक राज्य स्तरीय, तीन से 10 मई तक जिला स्तरीय और 11 मई से 17 मई तक विधानसभा स्तरीय संविधान बचाओ रैली होगी। बैठक में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के. राजू ने कहा कि कांग्रेस अधिवेशन में पारित न्याय पथ के प्रस्तावों को हमें जनता के बीच ले जाना है। संविधान बचाओ अभियान के माध्यम से हम जनता को सच्चाई बताएंगे कि किस तरह और किन समुदायों को किस स्तर पर टारगेट कर भाजपा द्वारा कार्रवाई की जा रही है। भारत के लोगों को लोकतंत्र और चुनाव पर भरोसा है। यहां न्यायपालिका, चुनाव आयोग स्वतंत्र है, लेकिन इस पर मोदी सरकार वर्चस्व जमाने की कोशिश कर रही है। बैठक में कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद, मंत्री राधाकृष्ण किशोर, दीपिका पांडेय सिंह, डॉ. इरफान अंसारी, विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी, ममता देवी, राजेश कच्छप, सुरेश बैठा, कुमार जयमंगल, बंधु तिर्की, शहजादा अनवर, जलेश्वर महतो, सुबोधकांत सहाय, राजेश ठाकुर, प्रदीप बलमुचु, राकेश सिंह, संजय पांडेय, लाल किशोरनाथ शाहदेव आदि उपस्थित थे।

लोकतंत्र बचाने के लिए है अभियान : प्रदीप यादव : कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने कहा कि देश और इसके लोकतंत्र को बचाने के लिए ही संविधान बचाओ अभियान है। देश की संवैधानिक संस्थाओं की आजादी को बचाने के लिए है। जिस तरह अमित शाह द्वारा बाबा साहब का अपमान किया गया वह देश का अपमान था। इस आंदोलन को महाअभियान बनाना है। सभी की सहभागिता बढ़ानी होगी। हमें मुख्य धारा में भी रहना है।

मंईयां सम्मान योजना पर आया नया अपडेट, अब हर 3 महीने में सरकार करेगी ये काम

रांची, एजेंसी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने मंईयां सम्मान योजना को फ्रीबीज कहे जाने पर कड़ी आपत्ति दर्ज की है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस सवाल पर उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं को फ्रीबीज कहना कहीं से सही नहीं है। मंत्री ने बताया कि इस योजना का संचालन राज्य सरकार अपने संसाधनों से कर रही है और कहीं से भी इसके लिए कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ी है।

बेहतर वित्तीय प्रबंधन की ओर बढ़ते कदम का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में हर तीन महीने में राजस्व विभागों की समीक्षा होगी, हर छह माह पर वित्त मंत्री समीक्षा करेंगे। उन्होंने बताया कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के चलते राजस्व संग्रहण प्रभावित हुआ, फिर भी प्रयास संतोषजनक रहे हैं।

मंत्री ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में 1,06,999.57 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें से 92,189.10 करोड़ रुपये की वसूली हुई, जो कि 86.16 प्रतिशत है।

वहीं, गैर-कर प्राप्तियों सहित कुल 1,03,469.82 करोड़ रुपये यानी बजट एस्टीमेट का 80.27 प्रतिशत प्राप्त हुए हैं। वह बुधवार को सूचना भवन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। वित्त मंत्री के साथ वाणिज्य विभाग के सचिव अमिताभ कौशल और वाणिज्य कर आयुक्त अमीत कुमार भी मौजूद थे।

वित्त मंत्री ने कहा कि एफआरबीएम अधिनियम के तहत राज्यों को ऋण लेने की क्षमता से कम ही ऋण झारखंड ने लिया है। उन्होंने इस दौरान पीएल एकाउंट में राशि रखने की प्रवृत्ति को गलत करार देते हुए इसकी समीक्षा किए जाने की बात भी कही। सभी विभागों से इसकी जानकारी मांगी गई है।

मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि वर्ष 2025-26 में सभी विभागों को तीन महीने में एक बार राजस्व संग्रहण की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है, और वे स्वयं छह महीने में एक बार इसकी समीक्षा करेंगे। राज्य के सभी प्रमंडलों का दौरा कर अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे, वहीं जो प्रमंडल पीछे होंगे, उन्हें विशेष निर्देश और सहायता दी जाएगी।

राजस्व व्यय की जानकारी देते हुए बताया गया कि 1,31,234.42 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जिनमें से 1,18,279.69 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। वित्त मंत्री ने भरोसा दिलाया कि राज्य के आर्थिक ढांचे को और मजबूत बनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

वित्त सह वाणिज्य कर मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि झारखंड सरकार के वाणिज्य कर विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्धारित लक्ष्य 26 हजार करोड़ रुपये के विरुद्ध 22,292.25 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण किया है। यह आंकड़ा वार्षिक लक्ष्य का 85.74 फीसदी राजस्व संग्रहण है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल राजस्व संग्रह 26,500 करोड़ रुपया का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्टेट जीएसटी मद में राजस्व संग्रहण के निर्धारित लक्ष्य 15375 करोड़ के विरुद्ध 14210.10 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण प्राप्त किया है जो वार्षिक लक्ष्य का 92.42 प्रतिशत है।

मंत्री ने कहा कि वैट के माध्यम से वर्ष 2024-25 के लिए राजस्व संग्रहण का निर्धारित लक्ष्य 9124 करोड़ रुपये के विरुद्ध कुल 6618.51 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण किया गया है जो वार्षिक लक्ष्य का 72.54 है।

मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राजस्व संग्रहण का निर्धारित लक्ष्य 1413 करोड़ रुपये के विरुद्ध कुल 1361.24 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण किया गया है जो वार्षिक लक्ष्य का 96.34 प्रतिशत है। वर्तमान में विद्युत शुल्क के अधीन निबंधित व्यवसायियों की कुल संख्या 267 है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1600 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कार्य योजना पर बल देते हुए कहा कि इस वित्तीय वर्ष में खनन एवं विनिर्माण कार्य में संलग्न डीजल के थोक खरीद के लिए 'कर' दर कमी से राजस्व में वृद्धि होगी साथ ही एविएशन टर्बाइन फ्यूल में कर दर बढ़ाने के फलस्वरूप राजस्व में अभिवृद्धि संभावित है।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

संपादकीय

बक्सर, 25 अप्रैल 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com
7

सुभाषितम्

बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है।

- राल्फ वाल्डो एमर्सन

जम्मू-कश्मीर में केंद्र सरकार के सारे दावे हवा हवाई

जम्मू कश्मीर को लेकर केंद्र सरकार द्वारा विगत वर्षों में बड़े-बड़े दावे किए गए हैं। 370 की समाप्ति के बाद केंद्र सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर में सामान्य हालात बताए जाने के दावे बार-बार किए गए हैं लेकिन कड़वी सच्चाई यह है, कि केंद्र सरकार जब-जब जो-जो दावे करती है वह सब हवा-हवाई साबित होते हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने एक बार फिर केंद्र सरकार के दावों की पोल खोल दी है। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया गया था। केंद्र सरकार ने नए जम्मू कश्मीर का सपना दिखाया था। केंद्र सरकार ने वादा किया था, धारा 370 खत्म होने के बाद जम्मू कश्मीर में निवेश की बाढ़ आ जाएगी। बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचों का विकास होगा। हसीन वादियों में देश और दुनिया के पर्यटक बड़ी मात्रा में जम्मू-कश्मीर आएंगे। जम्मू-कश्मीर भारत की मुख्य धारा में शामिल हो जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं है, कि पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में सड़क राजमार्ग सुरंग तथा रेल सुविधा से जोड़ने के लिए सरकार ने काम किया है। केंद्र सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर को तीन भागों में विभाजित कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया। तीन पूर्व मुख्यमंत्रों को लंबे समय तक जेल में बंद अथवा नजरबंद करके रखा गया। जम्मू कश्मीर में कई महीने तक स्कूल कॉलेज बंद रहे। बार-बार इंटरनेट बंद होता रहा। इसके बाद भी जम्मू कश्मीर के हालातो में कोई बहुत ज्यादा सुधार देखने को नहीं मिला। धारा 370 हटाने के बाद लोकसभा और विधानसभा के चुनाव हुए, अलगाववादी संगठनों ने भी चुनाव में भाग लिया। मतदाताओं ने भी चुनाव में खुलकर हिस्सा लिया। उमर अब्दुल्ला निर्वाचित जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके पास कोई अधिकार नहीं हैं। जब राज्य सरकार के पास कोई अधिकार ही नहीं है, ऐसी स्थिति में उन्हें किसी भी काम के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। जम्मू कश्मीर की कानून व्यवस्था और प्रशासन पूरी तरह से केंद्र सरकार के प्राधिकारी के रूप में उपराज्यपाल के पास है। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने का वादा किया था जिसे केंद्र सरकार ने अभी तक पूरा नहीं किया है। पिछले कुछ समय से कश्मीर की घाटी में पर्यटन बढ़ा है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इसी बीच आतंकी हमले भी समय-समय पर होते रहे हैं। सेना के जवान भी लगातार मरते रहे हैं। पहलगाम की इस आतंकी घटना ने एक बार सभी को सोचने में मजबूर कर दिया है। केंद्र सरकार जो दावे करती है वह वास्तविकता से दूर क्यों हैं? जम्मू-कश्मीर के आंकड़ों को केंद्र सरकार हमेशा छुपाती रही है। सशस्त्र बलों और आतंकवादी संगठनों के बीच में लगातार मुठभेड़ की घटनाएं सामने आती रही हैं। अब तो आतंकवाद जम्मू तक बढ़ गया है। अविभाजित जम्मू-कश्मीर राज्य से चीन पाकिस्तान बांग्लादेश की सीमाएं लगी हुई हैं। अभी तक कश्मीरी पंडित घाटी में वापस लौटकर नहीं आ पाए हैं। अमरनाथ यात्रा पर भी आतंकवादी हमले का खतरा हमेशा बना रहता है। सरकार को इसके लिए विशेष इंतजाम करने पड़ते हैं। बड़ी संख्या में सैन्यबल तैनात है। इसके बाद भी जम्मू कश्मीर में आतंकवादी हमले कम नहीं हो रहे है। केंद्र सरकार सीमा पार के आतंक को खत्म करने में विफल रही है। पठानकोट से लेकर पहलगाम तक पाकिस्तानी रास्ते से आतंकी आते है। घटना करके भाग जाते है। यह भी कहा जाता है कि पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। पिछले 11 वर्षों से केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार है। जम्मू-कश्मीर में भी लंबे समय से केंद्र सरकार काबिज है। केंद्र शासित प्रदेश के रूप में सभी जिम्मेदारी केंद्रीय मंत्रालय और केंद्र सरकार के जुम्मे है। ऐसी स्थिति में अब नाराजगी केंद्र सरकार और गृह मंत्रालय के खिलाफ देखने को मिल रही है। पहलगाम में जो घटना हुई है, वह हृदय विदारक है। भारत से लगी हुई अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर जिस तरह से चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान की ओर से चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं, यह भारत और भारत सरकार के लिए चिंता का विषय है। कुछ दिनों के बाद अमरनाथ यात्रा होनी है। निश्चित रूप से आतंकवादी जिस तरह से अभी तक अपनी उपस्थिति बनाए हुए है। उसको देखते हुए केंद्र सरकार को गंभीरता से विचार-विमर्श करना होगा। स्थाई समाधान के लिए भी नीतियां बनानी पड़ेंगी। पाकिस्तान के ऊपर दबाव बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय शक्तियों का दबाव पाकिस्तान में बढ़े इसके लिए भारत को कूटनीतिक प्रयास करने चाहिए।

कश्मीर में आतंक के खिलाफ सख्त फैसले का वक्त

- प्रभुनाथ शुक्ल

भारत में हिंदुओं पर सामुदायिक हिंसा की बढ़ती घटनाओं ने सरकार और देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दिया है। अपने ही देश में बहुसंख्य हिंदू हिंसक घटनाओं का शिकार हो रहा है। वैसे सामुदायिक और नस्लीय हिंसा पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। लेकिन भारत के आसपास पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हमले और हिंसा बढ़ गए हैं। नेपाल जैसे देश में भी रामनवमी जुलूस पर हिंसा को अंजाम दिया गया। भारत के पड़ोसी इस्लामिक देश में हिंदुओं की स्थिति बद से बदतर है। जबकि ये कभी भारत के हिस्सा थे।यहाँ हिंदुओं पर लगातार धार्मिक उत्पीड़न और हिंसा की घटनाएं भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। आतंकवाद से लड़ रहे भारत के सामने सामुदायिक हिंसा की घटनाएं बड़ी चुनौती बन रहीं हैं। सबसे अहम मुद्दा यह है कि अपने देश में ही हिंदू बाहुल्य होने के बाद भी हिंदू सामुदायिक हिंसा का शिकार बन रहा है। जबकि चीन में उइगर मुसमानों का दमन किसी से छुपा नहीं है, लेकिन चीन के खिलाफ पाकिस्तान, बांग्लादेश खामोश है। कश्मीर हुआ नरसंहार इसका ताजा उदाहरण है। भारत में इस तरह की हिंसा के पीछे वोटबैंक के लिए राजनैतिक तुष्टिकरण सबसे बड़ी समस्या है।

भारत में हिंदुओं पर हिंसक हमले इस्लामिक आतंकवाद की एक सोची समझी रणनीति है। पाकिस्तान, बांग्लादेश में हिंदुओं का सफाया हो रहा है जबकि अफगानिस्तान में हिंदुओं की आबादी गिनती पर आ गई है। भारत में इस तरह के सामुदायिक और धार्मिक दंगे भड़काने के लिए पाकिस्तान मूल रूप से जिम्मेदार है। लेकिन हम इस तरह की बात कर अपनी जिम्मेदारी से बच भी नहीं सकते हैं। भारत इस्लामिक आतंकवाद से तो हमेशा से पीड़ित रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में राजनैतिक कारणों और उसके फैसलों से देश में सामुदायिक हिंसा, प्रदर्शन और पत्थरबाजी की घटनाएं बढ़ गईं हैं। दोनों समुदायों में एक दूसरे के प्रति नफरत और डर का माहौल पैदा हुआ है। इस तरह की सामुदायिक हिंसा के पीछे सामाजिक, आर्थिक, राजनीति, सोशलमीडिया और धार्मिक कारण मुख्य हैं, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं देश के धार्मिक और सांप्रदायिक तानेबाने को विभाजित करती दिखती हैं।

जम्बू -कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने जिस तरह निर्दोष पर्यटकों का नरसंहार किया वह मानवता के खिलाफ है। इस हिंसा में 26 लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। आतंकवादियों ने सिर्फ हिंदुओं को निशाना बनाया और उनका धर्म पूछ कर उन्हें गोलीबारी मारी। हालांकि की कश्मीर में इस नरसंहार को लेकर काफी गुस्सा देखा जा रहा है। कश्मीर में इस बात पर भी गुस्सा है कि हमले में सिर्फ हिंदू मारे गए। लोगों का कहना है कि पर्यटकों की जान बचाने के लिए दो स्थानीय मुस्लिम और ईसाई, जैन भी मारे गए है। मीडिया का यह रुख गलत है। पूरा कश्मीर पीड़ित परिवारों के साथ है। आतंकियों को फांसी देने की भी बात कहीं गई है। देश के कई हिस्सों में मुस्लिम संस्थाओं ने प्रदर्शन कर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी भी किया है।

इस साजिश के पीछे हाल में पाकिस्तान आमीर्चीफ जनरल कियानी की तरफ से भारत और हिंदुओं के खिलाफ दिया गया वह उसकाऊ बयान भी अहम माना जा रहा है जिसमें उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ भड़काने वाला बयान दिया था। कियानी के बयान के ठीक कुछ दिन बात पहलगाम में आतंकी हमला हुआ है जिसमें पर्यटकों का धर्म पूँछ कर नरसंहार किया गया। यह पाकिस्तान की सोची समझी रणनीति है, क्योंकि वह भारत से सीधीजंग में कभी नहीं जीत सकता है। ऐसी स्थिति में वह हिंदुओं को निशाना बनाकर भारतीय मुसलमानों का मसीहा बनना चाहता हैएवं कश्मीर में अलगाववाद की नींव और मजबूत करना चाहता है। खैबरपखतून में बलोच आर्मी की तरफ से किए ट्रेन हाईजैक के पीछे वह भारत का हाथ मानता है। जिसकी वजह से वह बौखलाया था और बदले के लिए बेताब था। लेकिन वह जो कर रहा है उसकी भरपाई उसे करनी होगी।

कश्मीर में धारा 370 खत्म होने के बाद कश्मीर आहिस्ता -आहिस्ता विकास की मुख्यधारा में लौट रहा है। आतंकी घटनाएं कम हुई हैं। पर्यटकों की आमद बढ़ने लगी है। सेबों की खेती लहलाहने लगी है। यह सब देख पाकिस्तानी फौज में बौखलाहट है जिसकी वजह से वह इस तरह की सामुदायिक हिंसा की साजिश रच रहा है। कश्मीर में सामुदायिक हिंसा की यह पहली घटना नहीं है। आतंकवादियों ने पुलवामा जैसी घटनाओं को अंजाम दिया है। कश्मीर में साल 2019 के बाद धारा 370 लागू होने के बाद यह पहली सबसे बड़ी आतंकी नरसंहार की घटना है। दूसरा समझे अहम कारण कश्मीर के राजनैतिक और अलगाववादी कभी शान्ति और विकास नहीं चाहते हैं। क्योंकि धारा 370 खत्म होने के बाद उनकी तमाम स्वतंत्रता जहाँ बाधित हुई वहीं आर्थिक नुकसान हुआ है। वहां के राजनेताओं और अलगाववादियों का पाकिस्तान प्रेम दुनिया में जगजाहिर है। इसके बावजूद धारा 370 का खात्मा, तीन तलाक कानून और वक्फ संशोधन जैसे राजनैतिक फैसले इस आग में घी का काम किया है। हालांकि यह आम मुसलमानों और कश्मीरियों की सोच नहीं है। यह सिर्फ अलगाववादियों की सोच है।

पहलगाम में हिंदुओं के साथ विदेशी नागरिक और नेवी में कार्यरत जवान की भी मौत हुई है। जोड़ा शादी के बाद हनीमून मानाने गया था जो निर्मम आतंकी साजिश का शिकार हुआ है। नरसंहार के बाद भारतीय सेना के लोगों के पहुंचने के बाद भी लोग इतने दहशत में थे कि उन्हें भी आतंकी समझ लिया। इस घटना में केंद्र और राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। जब वहां काफी तादात में पर्यटकों की आमद हो रहीं थी तो पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सेना और राज्य पुलिस के जवानों की तैनाती क्यों नहीं की गई। क्योंकि एलओसी से सटे कश्मीरी जिलों में आतंकवाद खूब फलता -फूलता रहा है। कियानी के विभाजनकारी संदेश को हमारी सरकार, खुफिया एजेंसिया और सुरक्षा एजेंसिया नहीं समझ पाई। ऐसे संवेदनशील पर्यटक स्थलों पर सुरक्षा के सख्त इंतजाम होने चाहिए थे। क्योंकि यह इलाका काफी ऊंचाई पर है जहाँ का प्राकृतिक लुत्फ उठाने के लिए भारी तादात में देशी- विदेशी पर्यटक आ रहे थे।

आतंकवाद से निपटना आज की आवश्कता

- संजय गोस्वामी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन में मंगलवार 22 अप्रैल, 2025 की दोपहर करीब तीन बजे बड़ा आतंकी हमला हुआ। आतंकियों ने पर्यटकों के ग्रुप को निशाना बनाया, जिसमें 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। दर्जन भर से ज्यादा लोग इस हमले में घायल भी हुए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। आतंकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सीआरपीएफ (उफ्द्धत्र्) की क्विक एक्शन टास्क फोर्स भी आतंकियों की तलाश कर रही है। इस बीच गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर का दौरा किया है जम्मू-कश्मीर में 2019 के पुलवामा अटैक के बाद सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों ने मंगलवार को पर्यटकों पर फायरिंग की, जिसमें 28 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक यूएई और एक नेपाल का पर्यटक और 2 स्थानीय नागरिक शामिल हैं। बाकी पर्यटक यूपी, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और ओडिशा के हैं।पहलगाम में एक दिन पहले हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का फैसला किया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बुधवार (23 अप्रैल, 2025) को प्रधानमंत्री आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक के बाद यह घोषणा की। इस बीच, सरकार ने गुरुवार (24 अप्रैल, 2025) को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। मंगलवार (22 अप्रैल, 2025) दोपहर को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के ऊपरी इलाकों में बैसरन घास के मैदानों में नागरिकों पर हुए सबसे घातक हमलों में से एक में आतंकवादियों के एक समूह ने दो विदेशी पर्यटकों सहित कम से कम 27 लोगों की हत्या कर दी।लेकिन सवाल यह है कि ऐसा कब तक करेंगे देश सर्वोपरि है सेना को पूर्ण रूप से छूट जब तक नहीं होगा लोग मारे जाते रहेंगे।इस क्रूरता की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है क्योंकि आतंकवाद का कोई धर्म या कोई नियम कानून नहीं होता वो केवल अपनी माँगों को पूरा करने के लिये सरकार के ऊपर दबाव बनाने के साथ ही आतंक को हर जगह फैलाने के लिये निर्दोष लोगों के समूह या समाज पर हमला करते हैं। उनकी माँगे बेहद खास होती हो, जो वो चाहते हैं केवल उसी को पूरा कराते हैं। ये मानव जाति के लिये एक बड़ा खतरा है। वो कभी-भी अपने दोस्त, परिवार, बच्चे, महिला या बूढ़े लोगों के लिये समझौता नहीं करते हैं। वो केवल लोगों की भीड़ पर बम गिराना चाहते हैं। वो लोगों पर गोलियाँ चलाते हैं, विमानों का अपहरण करते हैं और दूसरी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देते हैं।कम से कम समय में अपने मुख्य क्षेत्रों या देशों में आतंक फैलाने के लिये आतंकवादी लक्ष्य बनाते हैं। पूर्व में, ऐसा माना जाता है कि आतंकवादी गतिविधियाँ केवल जम्मू और कश्मीर तक ही सीमित थी लेकिन अब ये अपनी जड़ें देश के दूसरे क्षेत्रों में भी फैला रहा है। देश में अलग-अलग नामों के साथ कई सारे आतंकवादी समूह सक्रिय हैं। अपने कार्य के अनुसार राजनीतिक और आपराधिक आतंकवाद के दो मुख्य प्रकार हैं। कुछ खास लक्ष्यों को पूरा करने के लिये प्रशिक्षित लोगों का समूह है आतंकवाद। विभिन्न उद्देश्यों को पूरा करने के लिये एक से ज्यादा आतंकी समूह प्रशिक्षित किये जाते हैं। ये एक बीमारी की तरह है जो नियमित तौर पर फैल रही है और अब इसके लिये कुछ असरदार उपचार की जरुरत है।आतंकवादी कहे जाने वाले प्रशिक्षित लोगों के समूह के द्वारा अन्यायपूर्ण और हिंसात्मक गतिविधियों को अंजाम देने की प्रक्रिया को आतंकवाद कहते हैं। वहाँ केवल एक मालिक होता है जो समूह को किसी भी खास कार्य को किसी भी तरीके से करने का सख्त आदेश देता है। अपने अन्यायी विचारों की पूर्ति के लिये उन्हें पैसा, ताकत और प्रचार की जरुरत होती है। ऐसी परिस्थिति में, ये मीडिया होती है जो किसी भी राष्ट्र के समाज में आतंकवाद के बारे में खबर फैलाने में वास्तव में मदद करती है। अपनी योजना, विचार और लक्ष्य के बारे में लोगों तक पहुँच बनाने के लिये आतंकवाद भी मीडिया का सहारा लेता है।अपने उद्देश्य और लक्ष्य के अनुसार विभिन्न आतंकी समूह का नाम पड़ता है। आतंकवाद की क्रिया मानव जाति को बड़े पैमाने पर प्रभावित करती है और लोगों को इतना डरा देती है कि लोग अपने घरों से बाहर निकलने में डरते हैं। वो सोचते हैं कि आतंक हर जगह है जैसे घर के बाहर रेलवे स्टेशन, मंदिर, सामाजिक कार्यक्रमों, राष्ट्रीय कार्यक्रमों आदि में जाने से घबराते हैं। लोगों के दिमाग पर राज करने के साथ ही अपने कुकृत्यों कों प्रचारित और प्रसारित करने के लिये अधिक जनसंख्या के खास क्षेत्रों के तहत आतंकवादी अपने आतंक को फैलाना चाहते हैं। आतंकवाद के कुछ हालिया उदाहरण 7 अक्टूबर को इजराइल में हमास का हमला,अमेरिका का 9/11 और भारत का 26/11 हमला है। इसने इंसानों के साथ ही बड़े पैमाने पर देश की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुँचायी है।युद्ध द्वारा किसी राष्ट्र से आतंकवाद और आतंक के प्रभाव को खत्म करने के लिये, सरकार के आदेश पर कड़ी सुरक्षा का प्रबंध किया गया है। वो सभी जगह जो किसी भी वजह से भीड़-भाड़ वाली जगह होती या बन जाती है जैसे सामाजिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसे गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, मंदिर आदि को मजबूत सुरक्षा घेरे में रखा जाता है। सभी को सुरक्षा नियमों का पालन करता पड़ता है और ऑटोमैटिक बॉडी स्कैनर मशीन से गुजरना पड़ता है। इस तरह के उपकरणों का इस्तेमाल करने के द्वारा सुरक्षा कर्मियों को आतंकवादी की मौजूदगी का पता लगाने में मदद मिलती है। इस तरह की कड़ी सुरक्षा प्रबंधन के बाद भी हम लोग अभी-भी आतंकवाद का खिलाफ प्रभावशाली रुप से नहीं खड़े हो पा रहें हैं, उससे लड़ने की आवश्यकता है,आतंकी समूह को खत्म करने के साथ ही आतंक के खिलाफ लड़ने के लिये हर साल हमारा देश ढ़ेर सारे पैसे खर्च करता है। हालाँकि, ये अभी-भी एक बीमारी की तरह बढ़ रही है क्योंकि रोजाना नये आतंकवादी तैयार हो रहें हैं। वो हमारी तरह ही बहुत सामान्य लोग हैं लेकिन उन्हें अन्याय करने के लिये तैयार किया जाता है और अपने एक समाज, परिवार और देश के खिलाफ लड़ने के लिये दबाव बनाया जाता है। वो इस तरह से प्रशिक्षित होते हैं कि उन्हें अपने जीवन से भी प्यार नहीं होता, वो लड़ते समय हमेशा अपना कुर्बान होने के लिये तैयार रहते हैं। एक भारतीय नागरिक के रुप में, आतंकवाद को रोकने के लिये हम सभी पूरी तरह से जिम्मेदार हैं और ये तभी रुकेगा जब हम कुछ बुरे और परेशान लोगों की लालच भरी बातों में कभी नहीं आयेंगे।आज, आतंकवाद एक सामाजिक मुद्दा बन चुका है। इसका इस्तेमाल आम लोगों और सरकार को डराने-धमकाने के लिये हो रहा है। बहुत आसानी से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये विभिन्न सामाजिक संगठन, राजनीतिज्ञ और व्यापारिक उद्योगों के द्वारा आतंकवाद का इस्तेमाल किया जा रहा है।ः यहाँ सब अपने लिए ही सोचते हैं तभी तो गुरूगोविन्द सिंह ने खालसा पंथ बनाया जिसमें सर की मांग की और दूध का दूध पानी का पानी हो गया और सबको जिन्दा बाहर निकाला एकता का इससे सुन्दर परिचय क्या हो सकता है इस समय आतंकवादी हमले पर मारे गए लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करें हमें उसपर तर्क या बयान देना उचित नहीं ऐ बर्बरतापूर्ण कार्य है जिसे कड़ी से कड़ी निंदा करता है ईश्वर सभी को हिम्मत दे व आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूँ बहुत दुःखद घटना है वो धर्म को निशाना बनाया गया।

किताबों से दूरी: समाज की नई दुर्बलता !

- सोनम लववंशी

कभी किताबें धरोहर होती थीं, अब वे सिर्फ सजावट बनकर रह गई हैं। दीवारों पर टंगी तस्वीरों और दराज में पड़ी पुरानी डायरी की तरह किताबें भी बीते समय की याद भर हैं। यूनेस्को ने 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस घोषित किया था ताकि समाज किताबों की अहमियत को दोबारा समझे, मगर आज सवाल ये है कि क्या हम वाकई समझना चाहते हैं? अब किताबें पढ़ी नहीं जातीं, खरीदी जाती हैं ताकि इंस्टाग्राम पर उनकी तस्वीर लगाई जा सके। पढ़ने की जगह स्क्रॉल करने का चलन है। औसतन एक भारतीय प्रतिदिन 2.36 घंटे सोशल मीडिया पर बिताता है, जबकि पढ़ने में महज 2.7 मिनट खर्च करता है। इससे ज्यादा किसी समाज की बौद्धिक दरिद्रता का प्रमाण और क्या होगा? पहले पढ़ा हुआ ज्ञान होता था, अब सुना हुआ भ्रम है। गूगल पर किताबों के बिना ज्ञान खोजिए, सैकड़ों वीडियो मिल जाएंगे जो साबित करने पर आमादा हैं कि बिना पढ़े भी दुनिया बदली जा सकती है। पर क्या सचमुच ऐसा है? क्या न्यूटन, टॉलस्टॉय, अंबेडकर या प्रेमचंद ने किताबों के बिना क्रांति की थी? नहीं। तो फिर आधुनिक भारत क्यों इस भ्रमित दिशा में बढ़ चला है? हम विश्वगुरु बनने को आतुर हैं, जबकि युवा पीढ़ी किताबों से दूर होती जा रही है। असर-2023 की रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण भारत के 14झ्18 वर्ष के 25 प्रतिशत विद्यार्थी अपनी मातृभाषा में कक्षा दो की किताब तक नहीं पढ़ सकते। यह वही भारत है जहाँ शारदा पीठ, नालंदा और तक्षशिला जैसे ज्ञान केंद्रों ने विश्व को दिशा दी थी। एक अन्य रिपोर्ट कहती है कि भारत में हर तीसरा ग्रेजुएट अपनी डिग्री के बाद फिर कभी कोई किताब नहीं पढ़ता। फिर भी हम समाज में विवेक, तार्किकता और आलोचनात्मक सोच की अपेक्षा करते हैं? आज पढ़ना बोरिंग और रील्स एंटरटेनिंग हो गई हैं। क्या यह मनोरंजन की लत हमारी मानसिक आजादी को नहीं निगल रही? आज का युवा ऐतिहासिक उपन्यास नहीं पढ़ता, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर शॉर्ट्स जरूर देखता है। नतीजा ये है कि मोबाइल में डेटा तो भरपूर है, लेकिन मानव सोचने समझने की दृष्टि से रिक्त हो चला है। किताबें केवल सूचना नहीं देतीं, सोचने की कला सिखाती हैं। जो समाज किताबों से दूर होता है, वह आलोचना को सह नहीं पाता, वह भीड़ का हिस्सा बन जाता है, विचार का नहीं। तकनीक तात्कालिक ज्ञान देती है, जबकि किताबें स्थायी सोच रचती हैं। आजकल के युवा तकनीक से पढ़ाई कर समय बचाने पर गर्व करते हैं, लेकिन सवाल उठता है कि मानव ने समय बचाया या सोचने की क्षमता गंवा दी? एक समय था जब किताबें आंदोलन खड़ा करती थीं। स्वतंत्रता संग्राम में गीता रहस्य, डिस्कवरी ऑफ इंडिया और हिंद स्वराज जैसे ग्रंथों ने विचार और विद्रोह दोनों को जन्म दिया। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 10 में से 4 सरकारी स्कूलों में पुस्तकालय ही नहीं हैं, और जहां हैं भी, वहाँ किताबें बंद अलमारी में कैद हैं। यह शिक्षा है या दिखावा? विश्व बैंक की ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग रिपोर्ट 2023 कहती है कि किताबों से दूरी, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को कुंद कर रही है। लेकिन हमने पुस्तकालयों को बोझ मान लिया है। शिक्षा नीतियों में डिजिटल लर्निंग के नाम पर किताबों को हाशिए पर डाल दिया गया है।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता। तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा? अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत? ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

आज का राशिफल

मेष आज जातकों के लिए दिन सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि लेकर आया है।

तुला दिन अत्यंत शुभ और फलदायक है। कार्यक्षेत्र में नई उपलब्धियों को प्राप्त कर सकते हैं।

वृषभ आज दिन व्यस्तता से भरा होगी और आप हर कार्य को सफलता के साथ पूर्ण करेंगे।

वृश्चिक आप खुद को थोड़ा व्याकुल, बेचैन और चिंतित महसूस कर सकते हैं।

मिथुन आज दिन हर कार्य को सावधानी से करने का है। खानपान और दिनचर्या में अनुशासन बनाए रखें।

धनु आज दिन बौद्धिक, आध्यात्मिक और सामाजिक दृष्टि से समृद्ध रहेगा।

कर्क आज दिन भाग्य से भरपूर रहेगा। पिछले परिश्रमों का सुखद फल मिलने की संभावना है।

मकर कीमती वस्तुएं या उपहार प्राप्त हो सकते हैं, लेकिन अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं।

सिंह आज दिन मिश्रित फल देने वाला हो सकता है। इससे निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है।

कुंभ आज दिन बौद्धिक और रचनात्मक गतिविधियों में व्यतीत होगा। आप नई-नई योजनाएं बनाएंगे।

कन्या दृढ़ता का परिचायक है। आप किसी चुनौतीपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर सकते हैं।

मीन किसी पुराने पारिवारिक विवाद, विशेष रूप से संतान से जुड़े विषयों में समाधान मिलेगा।

विशेष

मुसलमान, ईसाइयों के बाद अब जैन

भारत में अल्पसंख्यकों को लेकर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार, और कट्टरवादी हिंदू संगठनों के निशाने पर मुसलमान और ईसाई थे। अब निशाने पर जैन समुदाय भी आ गया है। मणिपुर में सैकड़ो चर्च जलाए गए। आज भी मणिपुर जल रहा है। पिछले 11 वर्षों से भारत में मुसलमानो को जिस तरह से दबाया जा रहा है। उसका मजा सब ले रहे थे। अब जैन और बौद्ध भी सरकार के निशाने पर आ गए हैं। केंद्र सरकार ने वक्फ बिल पास कर दिया है। संसद से बिल पास हो जाने के बाद अब अल्प संख्यकों के संवैधानिक अधिकार भी सुरक्षित नहीं रहे। जैनियों के तीर्थ क्षेत्र भी सुरक्षित नहीं हैं। गिरनार पर्वत गुजरात में है। उसमें सनातनियों का कब्जा हो गया है। झारखंड के शिखरजी से 20 तीर्थंकर मोक्ष गए थे। जेनियो के दोनों तीर्थ स्थल सुरक्षित नहीं रहे। वहां पर तरह-तरह के विवाद शुरू हो गए हैं। हाल ही में मुंबई में 90 साल पुराना मंदिर तोड़ दिया गया है। बोध गया में बौद्ध धर्म के लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। बोध गया में हिंदुओं का कब्जा है। सिखों के लिए केंद्र सरकार और कट्टरवादी हिंदू संगठनों ने खालिस्तान और देशद्रोही बोलकर अपनी मंशा जाता दी है। भारत के अल्पसंख्यक अभी तक एक दूसरे का मजा ले रहे थे। एक-एक करके सभी निशाने पर आ गए हैं। यह बात अब अल्पसंख्यकों को अब समझ आने लगी है। आगे क्या होगा, भगवान ही जाने।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1707 ब्रिटिश फौजों को अलमांजा 'स्पेन' में हार का सामना करना पड़ा. 1874 इतावली आविष्कारक जी. माकोर्नी का जन्म हुआ था. 1887 पेरिस, फ्रांस में ऑपेरा में आग लगने से 200 लोगों की मृत्यु. 1905 ट्रांसवाल में नया संविधान लागू हुआ. 1954 सनफ्रांसिस्को में 45 देशों की बैठक में राष्ट्रसंघ के गठन के बारे में विचार- विमर्श किया गया. 1957 जार्डन में शाह हुसैन मार्शल ला लागू किया. 1974 सोवियत अंतरिक्ष केंद्र से जुड़ने के बाद अंतरिक्ष यान सुरक्षित लौटा, 1982 दिल्ली से दूरदर्शन पर रंगीन प्रसारण शुरू हुआ. 1987 श्रीलंका सरकार ने तमिल विद्रोहियों के खिलाफ दो तरफा जबाबी कारवाई की. 1988 अफगानिस्तान ने पाकिस्तानी सीमा चौकी से अपने सैनिक हटाने की पेशकश की.

दैनिक पंचांग

25 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2025 वर्ष का 115 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 11.45 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 08.54 बजे को समाप्त। **योग** इन्द्र 12.31 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 11.45 बजे तदनन्तर गर 22.10 बजे को समाप्त।

चन्द्रायु 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 13° 12'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872325
जूलियन दिन 2460790.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 26
विशेष प्रदोष व्रत।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.41 बजे से
चंद्र	मीन में	मिथुन	08.39 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.52 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.08 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	15.20 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.31 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.46 ब.से
राहु	मीन में	धनु	22.02 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	00.07 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.53 बजे से
10.30 से		मीन	03.26 बजे से
12.00 बजे तक		मेष	04.57 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

25-04-2025 Final_25-04-2025 Final.qxd 4/25/2025 12:58 AM Page 8

एक्यूट किडनी इंजरी के खतरे को कम करती है कॉफी

हाल ही में एक नए अध्ययन से पता चला है कि, एक दिन में कम से कम एक कप कॉफी का सेवन करना एक्यूट किडनी इंजरी (एकेआई) कम कर सकता है। एकेआई को गुर्दे की गंभीर बिमारी के रूप में परिभाषित किया गया है, जो बहुत तेजी से गुर्दे के खराब होने से जुड़ा हुआ है।

जर्नल किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स में प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि, ''जो लोग हर दिन किसी भी मात्रा में कॉफी पीते थे, उनमें एकेआई 15 प्रतिशत कम था। वहीं दिन में दो से तीन कप पीने वाले समूह में सबसे बड़ी कमी देखी गई।'' एक्यूट किडनी इंजरी में अपशिष्ट उत्पादों का निर्माण करता है, जिससे किडनी के लिए शरीर में तरल पदार्थों का सही संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के शोधकताओं को संदेह है कि, ''एकेआई जोखिम पर कॉफी के प्रभाव का कारण यह हो सकता है कि या तो जैविक रूप से सक्रिय यौगिकों को कैफीन के साथ जोड़ा जाता है या सिर्फ कैफीन ही गुर्दे के भीतर छिड़काव और ऑक्सीजन के उपयोग में सुधार करता है।'' यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन में मेडिसिन के प्रोफेसर संबंधित लेखक चिराग पारिख ने कहा, ''गुर्दे की अच्छी कार्यप्रणाली और एकेआई के प्रति सहनशीलता एक स्थिर रक्त आपूर्ति और ऑक्सीजन पर निर्भर है।'' टीम ने 14,207 वयस्कों का आकलन किया, जिनका 24 साल की अवधि में सात बार सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण अवधि के दौरान, तीव्र गुर्दे की चोट के 1,694 मामले दर्ज किए गए। हालांकि, अधिक अध्ययन की जरूरत है। पारिख ने कहा, ''गुर्दे के लिए कॉफी की खपत के संभावित सुरक्षात्मक तंत्र को परिभाषित करने के लिए, विशेष रूप से सेलुलर स्तर पर।''

गर्मियों में विशेष रूप से सेहतमंद फल है पपीता

पपीता सेहतमंद फल माना जाता है। गर्मियों में इसे विशेष रूप से पसन्द किया जाता है। कहते हैं पपीता पानी की कमी को दूर करता है। साथ ही यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। एक तरफ जहाँ पपीता सेहत के लिए फायदेमंद होता है वहीं दूसरी ओर यह बालों के लिए भी बहुत फायदे वाला है।

पपीता सेहतमंद फल माना जाता है। गर्मियों में इसे विशेष रूप से पसन्द किया जाता है। कहते हैं पपीता पानी की कमी को दूर करता है। साथ ही यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। एक तरफ जहाँ पपीता सेहत के लिए फायदेमंद होता है वहीं दूसरी ओर यह बालों के लिए भी बहुत फायदे वाला है। प्रदूषण, धूल-मिट्टी की वजह से बालों में आई कई परेशानियों से पपीता राहत दिलाता है। पपीते से तैयार होममेड हेयर मास्क से आप ड्राई और बेजान बालों में भी चमक ला सकते हैं।

पपीता, केला व शहद का हेयर मास्क

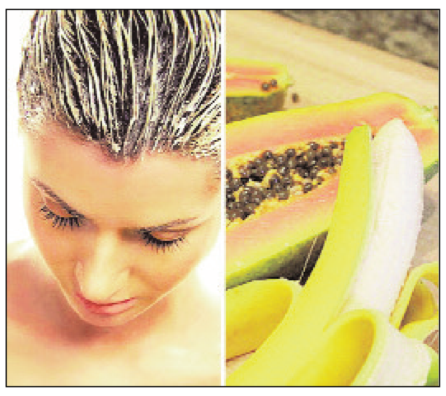

रूखे व बेजान बालों के लिए यह हेयर मास्क बेहद असरदार है। इसके लिए एक पके केले में 7-8 टुकड़े पपीते के डालकर मसलें। फिर इसमें 1 चम्मच शहद डालें। सारी सामग्री को मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को अपने पूरे बालों में लगाएं और 2-3 घंटों के लिए लगा रहने दें। बाद में बालों को शैंपू से धो लें।

पपीता, नींबू के रस व शहद का हेयर मास्क

एवं बालों में रूसी और खुजली से छुटकारा दिलाने में यह हेयर मास्क बेहद फायदेमंद है। इसके लिए एक कटोरी में 8-9 टुकड़े पपीता लेकर इन्हें पीस लें। अब इसमें 2 चम्मच नींबू का रस व 1 चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अपनी सिर की त्वचा में लगाएं तथा हल्के हाथों से सर की मालिश करें। 1 घंटे तक लगे रहने के बाद बालों को शैंपू से धो लें।

पपीता-शहद-कोकोनट मिल्क हेयर मास्क

पपीता के आधे कप टुकड़ों को ब्लेंड कर के एक बाउल में इसको निकाल लें। अब इसमें आधा कप कोकोनट मिल्क और एक चम्मच शहद मिलाएं। तीनों चीजों को अच्छी तरह से आपस में मिक्स कर लें फिर बालों और स्कैल्प पर अच्छी तरह से लगाएं। इसके बाद हल्के हाथों से पांच मिनट मालिश करें फिर आधा घंटा लगा रहने दें, इसके बाद शैम्पू कर लें।

पपीता-ऑलिव ऑयल हेयर मास्क

एक कप पपीते के टुकड़ों को अच्छी तरह से मैश कर लें। अब दो चम्मच पपीते को एक बाउल में निकालें और इसमें दो चम्मच ऑलिव ऑयल मिक्स कर लें। इन दोनों चीजों को आपस में अच्छी तरह से मिला लें और इसको बालों और स्कैल्प पर लगाकर दस मिनट तक सर की मालिश करें। इसके बाद आधा घंटा इसको लगा रहने दें फिर शैम्पू कर लें।

पपीता-दही हेयर मास्क

पपीता और दही का हेयर मास्क बनाने के लिए एक कप पपीते को ब्लेंड करके पल्प तैयार कर लें। अब इसको छलनी या कपड़े की मदद से छान कर इसका रस अलग कर लें। अब चार-पांच चम्मच पपीते का रस लें और फिर इसमें दो चम्मच दही मिक्स कर लें। दोनों चीजों को फेंट कर आपस में मिक्स कर लें और ब्रश या उंगलियों की मदद से स्कैल्प और बालों पर लगा कर आधा घंटा ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद पांच मिनट तक सर की मसाज करें फिर शैम्पू कर लें।

पपीता-विटामिन ई ऑयल हेयर मास्क

इसे बनाने के लिए विटामिन ई का तेल लें और करी पत्ते को एक उपयुक्त बर्तन में डालकर मीडियम आंच पर रखें। इसे तब तक गर्म करें जब तक पत्तियां चटकने न लगें। आंच बंद कर दें और तेल को कुछ मिनट के लिए ठंडा होने दें। जब तेल ठंडा हो जाए तो इसे छानकर एक कप में निकाल लें। थोड़ा पपीते का रस डालें और अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण से अपने सिर की मालिश करें। इसे अच्छी तरह से लगाएं और एक या दो घंटे के लिए रहने दें।

पपीता-एलोवेरा हेयर मास्क

पपीता-एलोवेरा हेयर मास्क बनाने के लिए आप पपीते को छीलकर इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब करीब एक कप पपीते के टुकड़े लेकर इसको अच्छी तरह से ब्लेंड कर लें और इसका रस अलग कर लें। अब इस पपीते के रस में दो चम्मच एलोवेरा जेल मिला कर अच्छी तरह से दोनों चीजों को मिक्स कर लें। फिर इस मिक्सचर को बालों और स्कैल्प पर अच्छी तरह से अप्लाई करके आधा घंटा छोड़ दें। इसके बाद पांच मिनट तक बालों और स्कैल्प की मसाज करके शैम्पू कर लें।

पपीता, बेसन और दही का हेयर मास्क

ये बालों में प्राकृतिक चमक बढ़ाता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पपीते को मिक्सर में पीसकर पेस्ट तैयार करें। पपीते के पेस्ट में दही और बेसन मिलाएं और अच्छी तरह से मिक्स करें। हेयर मास्क इस्तेमाल के लिए तैयार है। इस्तेमाल के लिए बालों को अच्छी तरह से सुलझाकर दो बराबर भागों में विभाजित करें। हेयर मास्क से अपने स्कैल्प की अच्छी तरह से मालिश करें। हेयर मास्क को लगभग आधे घंटे तक बालों में रहने दें। सिर को शावर कैप से ढक लें। 30 मिनट के बाद बालों को माइल्ड शैम्पू से धो लें। इस हेयर मास्क को 15 दिनों में एक बार दोहराएं।

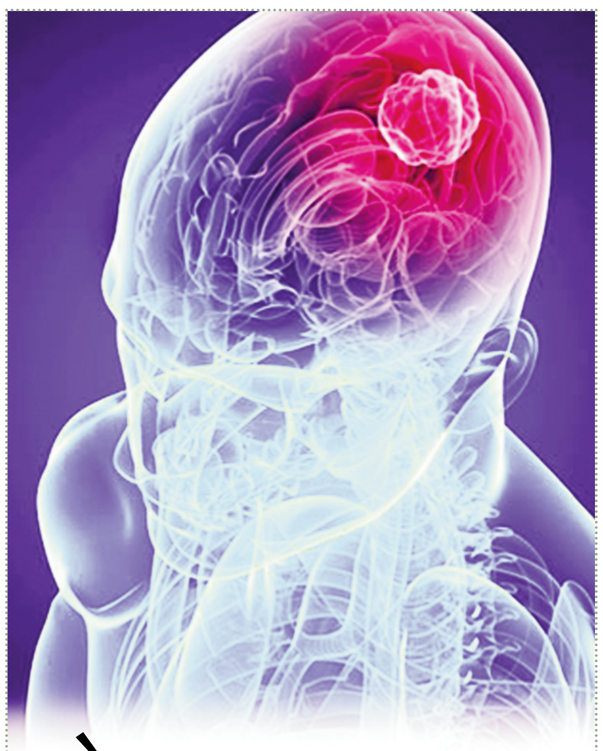

ब्रेन ट्यूमर का इलाज संभव

ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क में होने वाली असामान्य कोशिकाओं का एक संग्रह है। जब ट्यूमर बढ़ता है, तो इससे खोपड़ी के अंदर दबाव बढ़ सकता है। यह स्थिति मस्तिष्क को क्षति पहुंचाती है और खतरनाक हो सकती है।

अलग-अलग मामलों में ब्रेन ट्यूमर के संकेत और लक्षण भिन्न हो सकते हैं। यह ब्रेन ट्यूमर के आकार, स्थान और बढ़ने की दर पर निर्भर करते हैं। कई बार बिना किसी लक्षण के भी व्यक्ति को ब्रेन ट्यूमर की समस्या हो सकती है। डॉ.सुरेंद्र के अनुसार ब्रेन ट्यूमर में निम्न संकेत व लक्षण शामिल होते हैं जैसे कि बार-बार सिरदर्द होना ब्रेन ट्यूमर का एक आम लक्षण है, सिरदर्द का धीरे-धीरे गंभीर होते जाना, बिना किसी कारण के उल्टी और मतली आना, धुंधला दिखाई देना, दोहरा दिखाई देना, दूर की नजर कमजोर होना, हाथ व पैर के संचालन व संवेदनशीलता में लगातार कमी आना, शरीर का संतुलन बिगड़ना, उलझन, व्यवहार में परिवर्तन आना, थकान होना, सुस्ती आना, शॉर्ट टर्म मैमोरी लॉस, बोलने या समझने में कठिनाई, नींद न आना, दैनिक गतिविधियों व उनको करने की क्षमता में बदलाव आना आदि। ब्रेन ट्यूमर होने के जोखिम को बढ़ाने वाले कुछ कारकों की पहचान की जा चुकी है, जैसे बढ़ती आयु, रेडिएशन का दुष्प्रभाव, कैंसर का पारिवारिक इतिहास और एचआईवी या एड्स होना। उम्र बढ़ने के साथ ब्रेन ट्यूमर होने का खतरा बढ़ सकता है। वृद्ध व्यक्तियों में ब्रेन ट्यूमर होना सबसे आम है। हालांकि, ब्रेन ट्यूमर किसी भी उम्र में हो सकता है। कुछ प्रकार के ब्रेन ट्यूमर तो केवल बच्चों में ही पाए जाते हैं।

रेडिएशन का एक्सपोजर

जिन लोगों को 'आयोनिजिंग रेडिएशन' नामक एक खास रेडिएशन का एक्सपोजर हुआ हो, उनमें ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ जाता है। आयोनिजिंग रेडिएशन होती है सिर पर एक बड़ी मशीन से विकिरण चिकित्सा करवाना जैसे कि कैंसर के इलाज में की जाती है।

पारिवारिक इतिहास

यदि आपके परिवार के किसी सदस्य को पहले कभी ब्रेन ट्यूमर की समस्या रही हो, तो आपके मस्तिष्क में ब्रेन ट्यूमर होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है।

पहले कैंसर होना

कैंसर से पीड़ित बच्चों को अपने बाद के जीवनकाल में ब्रेन ट्यूमर होने का अधिक खतरा रहता है। जिन वयस्कों को ल्यूकेमिया (रक्त कैंसर) होता है, उनमें भी इसके होने का खतरा रहता है।

एच.आई.वी-एड्स

सामान्य जनसंख्या की तुलना में, यदि आपको एचआईवी या एड्स है तो आपको ब्रेन ट्यूमर होने की संभावना अधिक होती है। यदि आपको ब्रेन ट्यूमर से जुड़े किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस होते हैं तो ऐसी स्थिति में आप डॉक्टर से तुरंत शारीरिक परीक्षण लें जैसे न्यूरोलॉजिक परिक्षण, एमआरआई, सीटी स्कैन, स्पाइनल टैप और जरूरत होने पर बॉयोप्सी करवा, जल्द से जल्द इलाज कराना चाहिए।

विटामिन-मिनरल को चूस लेता है तंबाकू

हर वर्ल्ड नो टोबैको डे मनाया जाता है ताकि लोगों को तंबाकू के नुकसानों के बारे में जागरुक किया जाए। स्मोकिंग और तंबाकू से शरीर में पोषण की कमी हो सकती है और कमजोरी आ सकती है।

हर साल 31 मई को विश्व स्वास्थ्य संगठन वर्ल्ड नो टोबैको डे का आयोजन करता है। जिसके द्वारा तंबाकू और स्मोकिंग से स्वास्थ्य को हो रहे नुकसानों के बारे में जागरुकता फैलाने की कोशिश की जाती है। लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए मोटीवेट करने के लिए इस बार हमें भोजन की जरूरत है, तंबाकू की नहीं थीम रखी गई है। तंबाकू की खेती से मिट्टी का उपजाऊपन खो जाता है और उसके अंदर फॉस्फोरस, पोटैशियम, सल्फर और मैग्नीशियम खत्म हो जाता है। जो पदार्थ मिट्टी से पोषण छीन सकता है, वो आपके शरीर में भी विटामिन व मिनरल्स की कमी कर सकता है।

निकोटीन है असली दुश्मन

डॉक्टर ने बताया कि तंबाकू के अंदर निकोटीन और कई सारे खतरनाक कैमिकल होते हैं। ये जहरीले पदार्थ पोषण को इस्तेमाल करने की क्षमता को कम कर देता है। जिसकी वजह से शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है।

चली जाती है स्वाद और गंध

निकोटीन आपके टेस्ट बड्स को धीरे-धीरे कमजोर कर देता है, जिसकी वजह से आपको स्वाद कम आने लगता है। इसी वजह से स्मोकिंग करने वाले अधिकतर लोग तेज मसाले और मीठा खाते हैं। स्मोकिंग करने पर शरीर को कम ऑक्सीजन मिलती है। जिसकी वजह से नेजल पैसेज भी डैमेज होने लगता है और गंध आनी कम हो जाती है।

भूख हो जाती है कम

स्मोकिंग से दिमाग और सेंट्रल नर्वस सिस्टम पर बुरा असर पड़ता है। इसके कारण भूख कम होने लगती है और आपकी डाइट घट जाती है। इसकी वजह से शरीर को कम पोषण मिलता है और न्यूट्रिशन की कमी हो सकती है।

कम होने लगते हैं ये विटामिन और मिनरल

निकोटीन के कारण पोषक तत्वों का ढंग से इस्तेमाल नहीं हो पाता और इनकी स्टोरेज भी खत्म होने लगती है। यह आपके शरीर में विटामिन बी, सी, ई और सेलेनियम जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स की कमी कर सकता है। ये पोषक तत्व जल्दी आने वाले बुढ़ापे से बचाने वाले सेलुलर रिपेयर और रीजनरेशन के लिए जरूरी होते हैं।

चूस लेगा विटामिन डी

निकोटीन का सेवन विटामिन डी और कैल्शियम व फॉस्फोरस का एब्जोर्प्शन रोक सकता है। जो कि हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी होते हैं। इनकी कमी से नाजुक हड्डियां, जोड़ों में अकड़न, हाथ-पैर में सुन्नपन और कमजोरी आ सकती है।

करें ये काम

डॉक्टर ने बताया कि आपको स्मोकिंग व तंबाकू छोड़ने के तरीके जल्द से जल्द अपनाने चाहिए। लेकिन तबतक के लिए डाइट में ताजे फल और सब्जियों का सेवन बढ़ा दें। जिससे शरीर को एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन व मिनरल्स की डेली डोज मिलती रहे।

डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स
बक्सर, 25 अप्रैल 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

2 रुपये से 46 के पार अनिल अंबानी का रिलायंस पावर शेयर

2000 प्रतिशत से ज्यादा उछल गया शेयर का दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। कमजोर बाजार में भी अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। कंपनी के शेयर गुरुवार को 7 प्रतिशत से अधिक उछलकर 46.87 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले एक महीने में रिलायंस पावर के शेयरों में 21 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है। वहीं, पिछले पांच साल में कंपनी के शेयर 2000 प्रतिशत से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयर इस अवधि में 2 रुपये से बढ़कर 46 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। रिलायंस पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 54.25 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का निचला स्तर 23.26 रुपये है।

- **1 लाख रुपये के बना दिए 21 लाख से ज्यादा-** रिलायंस पावर के शेयर 24 अप्रैल 2020 को 2.18 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल 2025 को 46.87 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों में पिछले पांच साल में 2000 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। अगर किसी व्यक्ति ने पांच साल पहले रिलायंस पावर के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में 1 लाख रुपये से खरीदे गए शेयरों की वैल्यू 21.50 लाख रुपये होती। रिलायंस पावर का मार्केट कैप 18,400 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

- **दो साल में शेयरों में 280 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी-** रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले 2 साल में 280 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है। कंपनी के शेयर 21 अप्रैल 2023 को 12.01 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल 2025 को 46.87 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 70 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। कोटक म्यूचुअल फंड ने मार्च में रिलायंस पावर के करीब 33.43 लाख शेयर ऐड किए हैं।

मार्च 2025 तिमाही की शेयरहोल्डिंग के मुताबिक, 49 म्यूचुअल फंड्स के पास रिलायंस पावर के 1,51,98,878 शेयर हैं। रिलायंस पावर स्टैंडअलोन बेसिस पर पूरी तरह कर्ज मुक्त हो गई है।

दो साल में चार गुना बढ़ गया अडानी ग्रुप पर घरेलू बैंकों का कर्ज

- हिंडनबर्ग रिसर्च के बाद कैसे बदला मामला!

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप और रिलायंस के बाद अडानी ग्रुप देश का तीसरा बड़ा औद्योगिक घराना है। इसका बिजनस कई सेक्टर्स में फैला है और हाल के वर्षों में इसने तेजी से अपना कारोबार बढ़ाया है। लेकिन करीब दो साल पहले अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी ग्रुप के बारे में एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें ग्रुप पर शेयरों की कीमत में हेराफेरी का आरोप लगाया गया था। हालांकि ग्रुप ने इन आरोपों से इनकार किया था लेकिन उसके शेयरों में भारी गिरावट आई। अब ग्रुप इस गिरावट से उबर चुका है लेकिन हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद ग्रुप में एक बड़ा बदलाव आया है।

हिंदू बिजनसलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो साल में अडानी ग्रुप की घरेलू बैंकों और वित्तीय संस्थाओं से उधारी करीब चार गुना बढ़ गई है। सूत्रों के मुताबिक 2023 की शुरुआत में अडानी ग्रुप पर घरेलू बैंकों और वित्तीय संस्थाओं की देनदारी

27,000 करोड़ रुपये थी जो अब बढ़कर करीब 1 लाख करोड़ रुपये हो गई है। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के कारण अडानी ग्रुप को ग्लोबल बॉन्ड मार्केट्स से पैसा जुटाने में मुश्किल हो रही है।

कैश बैलेंस

अडानी ग्रुप की कुल उधारी में घरेलू बैंकों और वित्तीय संस्थाओं की हिस्सेदारी 42 फीसदी है जबकि ग्लोबल कैपिटल मार्केट्स की हिस्सेदारी 27 फीसदी है। ग्लोबल बैंकों की हिस्सेदारी करीब 27 फीसदी है। सूत्रों का कहना है कि अडानी ग्रुप की बैलेंस शीट दुरुस्त है, इसलिए घरेलू बैंकों को उसे लोन देने में कोई दिक्कत नहीं है। सितंबर के अंत तक ग्रुप के पास 53,000 करोड़ रुपये से अधिक का कैश बैलेंस था। इतना ही नहीं अडानी ग्रुप भी अब घरेलू बैंकों से लोन लेने पर ज्यादा जोर दे रहा है। इसकी वजह यह है कि विदेशी बैंकों की तुलना में भारत में कर्ज लेना आसान है। ग्रुप 8 से 9 परसेंट ब्याज पर लोन ले रहा है। उसकी कॉस्ट ऑफ बोरोइंग में काफी गिरावट आई है। पिछले एक साल में उसकी कॉस्ट ऑफ कैपिटल 100 बेसिस पॉइंट से अधिक गिरी है। बैंक रिन्यूएबल एनर्जी, रोड और इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे प्रायोरिटी सेक्टर्स में आक्रामक तरीके से लोन दे रहे हैं और इसका फायदा भी अडानी ग्रुप को मिल रहा है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर का गिरा मुनाफा फिर भी हर शेयर पर दे रही 24 रुपये का डिविडेंड

नईदिल्ली, एजेंसी। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने गुरुवार को मार्च 2025 में खत्म हुई चौथी तिमाही के नतीजे बताए। कंपनी का मुनाफा पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 3.7 प्रतिशत गिरकर 2,464 करोड़ रुपये रह गया। इसके बावजूद कंपनी अपने निवेशकों के लिए 24 रुपये प्रति शेयर (1 रुपये फेस वैल्यू वाले) डिविडेंड देने का ऐलान किया है। इस ऐलान के बाद एचयूएल के शेयर गिरने लगे। 11 बजे के करीब हिंदुस्तान यूनिलीवर अपने पिछले बंद भाव की तुलना में 1.92 प्रतिशत टूटकर 2,375.60 रुपये पर कारोबार कर रहा था। आज हिंदुस्तान यूनिलीवर 2,486.50 और 2,365.00 के मूल्य दायरे में कारोबार कर रहा है। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने इस साल 4.17 प्रतिशत और पिछले 5 दिनों में 2.64 प्रतिशत रिटर्न दिया है। हिंदुस्तान यूनिलीवर का टीटीएम पी/ई अनुपात 50.88 है, जबकि सेक्टर पी/ई 49.56 है।

कैसे रहे हिंदुस्तान यूनिलीवर के नतीजे- पिछले साल क्यू4 में कंपनी ने 2,558 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। अगर पिछली तिमाही (क्यू3) से तुलना करें, तो प्रॉफिट में 17.4 प्रतिशत की गिरावट आई है।कंपनी की कुल आमदनी क्यू4 में 15,979 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की इसी तिमाही (15,441 करोड़) से 3.5 प्रतिशत ज्यादा है। हालाँकि, पिछली तिमाही के मुकाबले आमदनी लगभग समान ही रही।

डिविडेंड का ऐलान- कंपनी ने शेयरधारकों को मिलने वाले डिविडेंड का ऐलान भी किया। 31 मार्च 2025 को खत्म हुए साल के लिए बोर्ड ने फाइनल डिविडेंड 24 रुपये प्रति शेयर (1 रुपये फेस वैल्यू वाले) का प्रस्ताव रखा है। इससे पहले नवंबर 2024 में कंपनी ने 19 रुपये का इंटरिम डिविडेंड और 10 रुपये का स्पेशल डिविडेंड दिया था। इस तरह, पूरे साल में कुल 53 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड दिया गया। कंपनी ने यह जानकारी स्टॉक एक्सचेंज को भेजे अपने दस्तावेज में दी है।

क्या करें निवेशक- कुल 38 विश्लेषकों ने हिंदुस्तान यूनिलीवर पर कवरेज शुरू की है। इनमें से 7 विश्लेषकों ने इसे स्ट्रांग बाय और 17 ने बाय रेटिंग दी है। 3 विश्लेषकों ने इस शेयर को बेचने की रेटिंग दी है। 31 मार्च 2025 में हिंदुस्तान यूनिलीवर में म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी 6.42 प्रतिशत थी।

पिछली तिमाही से रस्न की हिस्सेदारी बढ़ी है। 31 मार्च 2025 में हिंदुस्तान यूनिलीवर में एफआइआइ की हिस्सेदारी 10.62 प्रतिशत थी। पिछली तिमाही से एफआइआइ की हिस्सेदारी घटी है।

न अडानी, न अंबानी, सुनील मित्तल ने सबसे अधिक की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। टैरिफ पर ट्रंप की नरमी से दुनिया भर के शेयर बाजारों में न केवल रौनक लौटी है बल्कि अरबपतियों के नुकसान की

कुछ हद तक भरपाई भी होने लगी है। साल 2025 में कमाई के मामले में एयरटेल वाले सुनील मित्तल ने अडानी और अंबानी को पीछे छोड़ भारत की ओर सबसे अधिक की कमाई की है। इस साल मित्तल की संपत्ति में 4.30 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। अब इनके पास 28.2 अरब डॉलर की संपत्ति है। मित्तल ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में 64वें नंबर पर हैं। इस लिस्ट में 96वें नंबर पर काबिज राधाकृष्ण दमानी भी कमाई के मामले में सुनील मित्तल से ठीक पीछे हैं। इनके नेटवर्थ में इस साल 4.29 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। इनकी कुल संपत्ति 20.6 अरब डॉलर है। अडानी और अंबानी इस साल के टॉप लूजर की लिस्ट से अब गेनर की लिस्ट में आ गए हैं। दुनिया के 20वें सबसे रईस अडानी की संपत्ति 79.6 अरब डॉलर है और इस साल इनकी संपत्ति 900 मिलियन डॉलर बढ़ी है। अंबानी की बात करें तो वह 94.10 अरब डॉलर के नेटवर्थ के साथ अमीरों की लिस्ट में 16वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी संपत्ति में 3.54 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है।

एलन मस्क और जेफ बेजोस दोनों इस लिस्ट में नहीं

दुनिया के सबसे अमीर एलन मस्क और जेफ बेजोस दोनों इस लिस्ट में नहीं हैं, क्योंकि मस्क इस साल 122 अरब डॉलर गंवाकर सबसे बड़े लूजर बने हैं तो जेफ बेजोस इस कैटेगरी में तीसरे नंबर पर हैं। इनकी दौलत भी 36.6 अरब डॉलर घटी है। दुनिया के टॉप-10 अमीरों में से अमेरिका के मशहूर निवेशक वॉरेन बफेट इस साल के एक मात्र गेनर हैं। दुनिया के टॉप-10 अमीरों में से अमेरिका के मशहूर निवेशक वॉरेन बफेट इस साल के एक मात्र गेनर हैं।

चीन के अरबपतियों को हुआ सबसे अधिक फायदा

इस अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड एंड टैरिफ वॉर से सबसे अधिक फायदा चीन के अरबपतियों को हुआ। दुनियाभर के अरबपतियों में उनका दबदबा बढ़ा है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स की बात करें तो इस साल कमाई में टॉप-20 अरबपतियों में से 8 चीन से हैं। चीनी अरबपति झांग यिमिंग इस साल दौलत कमाने वाले अरबपतियों में तीसरे नंबर पर हैं। इस साल इनकी संपत्ति में 13.6 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। अब 57.5 अरब डॉलर के नेटवर्थ के साथ ये दुनिया के 25वें सबसे रईस शख्स हैं।

पाकिस्तान को तगड़ा झटका, इकोनॉमी का होगा बुरा हाल, वर्ल्ड बैंक का अनुमान

पाक शेयर बाजार में भी भयंकर तबाही

नईदिल्ली, एजेंसी। आर्थिक संकट से गुजर रहा पाकिस्तान के लिए बुरी खबर है। इकोनॉमी के मोर्चे पर पाकिस्तान को तगड़ा झटका लग सकता है। वर्ल्ड बैंक ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष के लिए पाकिस्तान के लिए अपने विकास अनुमान को कम करके 2.7 प्रतिशत कर दिया। वर्ल्ड बैंक ने पिछले साल अक्टूबर में जारी अपने पाकिस्तान विकास अपडेट (पीडीयू) में चालू वित्त वर्ष के दौरान पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था। हालांकि, अब इसे घटा दिया गया है। इसके अलावा, आईएमएफ द्वारा वित्त वर्ष 25 के लिए जीडीपी बढोतरी के पूर्वानुमान को घटाकर 2.6 प्रतिशत कर दिया गया है।

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में क्या कहा गया- पाकिस्तानी वेबसाइट डॉन के मुताबिक, वर्ल्ड बैंक ने इसके लिए सख्त मॉनेटरी और फिस्कल पॉलिसीज के कारण लगातार बाधाओं का हवाला दिया। बुधवार को जारी एक बयान में विश्व बैंक ने कहा कि विकास कई निगेटिव जोखिमों के अधीन रहेगा। हालांकि, पूर्वानुमान है कि अगले वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 26) में आर्थिक विकास दर 3.1

प्रतिशत और वित्त वर्ष 27 में 3.4 प्रतिशत तक सुधर सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, कृषि विकास में मामूली बढ़ोतरी देखी गई, जिसका एक कारण प्रतिकूल मौसम और कीट संक्रमण है। हालांकि, इंडस्ट्रियल एक्टिविटीज में गिरावट आई, जिसका असर हाई इनपुट लागत और टैक्स और कम सरकारी खर्च पर पड़ा है। रिपोर्ट की प्रमुख लेखिका अन्ना ट्वुम ने कहा, हाई कर्ज स्तर, पॉलिसी और वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं और जलवायु झटकों के जोखिम के कारण जोखिम उच्च बने हुए हैं। इसी तरह कमजोर एग्रीकल्चर और इंटस्ट्रियल एक्टिविटीज से सीमित स्पिलओवर के कारण सर्विस सेक्टर की बढ़ोतरी बेहद धीमी रही। विश्व बैंक ने कहा कि भविष्य में इसे मजबूत होने की उम्मीद है, लेकिन आर्थिक विकास धीमा रहेगा, जिससे अधिक जनसंख्या बढ़ोतरी के बीच रोजगार सृजन और गरीबी में कमी चुनौतीपूर्ण होगी।

पाकिस्तानी शेयर बाजार में भी हाहाकार- ब्लूमबर्ग के मुताबिक, पाकिस्तार के शेयर बाजार में भारी भूचाल आ गया है। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमलों के बाद लगातार पाकिस्तानी शेयर बाजार टूट रहा है। आज 24 अप्रैल को पाकिस्तान के शेयर बाजार 2,152.12 अंक यानी 1.84 प्रतिशत लुढ़क गया और 114,974.94 पर आ गया। इससे पहले कल पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज में बुधवार को भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। बेंचमार्क केएसई-100 सूचकांक में 1,204 अंकों की गिरावट आई थी। सूचकांक 1,204.21 अंक या 1.02 प्रतिशत घटकर 117,226.15 अंक पर आ गया था। यानी दो दिन में ही 3,356.12 अंकों की तगड़ी गिरावट आई है। यानी हमले के बाद से पाकिस्तानी निवेशकों का बुरा हाल हो गया है। उनके करोड़ों रुपये डूब गए। बता दें कि जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने पर्यटकों को निशाना बनाकर फायरिंग की। इससे करीबन 28 की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इधर, भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर बुधवार को पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए उसके साथ राजनयिक संबंधों में व्यापक कटौती करने, 1960 की सिंधु जल संधि स्थगित करने और अटारी चौकी को बंद किए जाने समेत कई फैसले किए। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ 1960 की सिंधु जल संधि तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेगी, जब तक कि इस्लामाबाद सीमा पार आतंकवाद के लिए विश्वसनीय रूप से अपना समर्थन बंद नहीं कर देता।

भारतीय इकोनॉमी के आगे पाकिस्तान कुछ भी नहीं- आर्थिक शक्ति किसी भी देश की समृद्धि और उसकी वैश्विक स्थिति का प्रमुख संकेतक होती है। आज की दुनिया में, कुछ देश अपनी विशाल आर्थिक संरचना के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बड़ा प्रभाव डालते हैं। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसका जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर के करीब है।

केनरा और पंजाब नेशनल बैंक समेत 8 शेयरों पर फिदा हैं एक्सपर्ट्स

नईदिल्ली, एजेंसी। चॉइस ब्रोकिंग के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर सुमित बगड़िया ने आज के लिए दो स्टॉक पिक की सलाह दी है। आनंद राठी में टेक्निकल रिसर्च के सीनियर मैनेजर गणेश डोंगरे ने तीन शेयर सुझाए हैं, जबकि प्रभुदास लीलाधर के सीनियर मैनेजर (टेक्निकल रिसर्च) शिजू कूथुपलक्कल ने दो शेयर की सिफारिश की है।

इनमें एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड, बजाज फाइनेंस लिमिटेड, केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड शामिल हैं।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड:- बगड़िया ने 710 रुपये के टार्गेट प्राइस के लिए 640 रुपये पर स्टॉप लॉस रखते हुए एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक को 665.45 रुपये में खरीदने की सलाह दी है।

होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड: बगड़िया ने 1301.1 रुपये में होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी खरीदने की सलाह दी है। 1380 रुपये टार्गेट प्राइस के लिए स्टॉप लॉस को 1250 रुपये पर रखें।

गणेश डोंगरे के शेयर

बजाज फाइनेंस लिमिटेड: - डोंगरे ने 9600 रुपये के टार्गेट प्राइस के लिए 9320 रुपये में बजाज फाइनेंस खरीदने की सलाह दी है। साथ में 9150 रुपये पर स्टॉप लॉस रखने की सिफारिश की है।

केनरा बैंक: डोंगरे ने केनरा बैंक को 99 रुपये में खरीदने की सलाह दी है, स्टॉप लॉस को 95 रुपये पर रखकर 105 रुपये के टार्गेट प्राइस पर रखा है।

पंजाब नेशनल बैंक: डोंगरे ने पंजाब नेशनल बैंक को 108 रुपये के टार्गेट प्राइस प्राइस के लिए 97 रुपये के स्टॉप लॉस के साथ 103 रुपये में खरीदने की सलाह दी है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड: कूथुपलक्कल रु. 12500 के टार्गेट प्राइस के लिए लगभग 11907 में मारुति सुजुकी खरीदने की सलाह दी है साथ में स्टॉप लॉस को 11700 पर रखने की सिफारिश की है।

ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड: कूथुपलक्कल ने 3000 के टार्गेट प्राइस के लिए लगभग 2846 रुपये में में ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन फार्मास्यूटिकल्स खरीदने की सलाह दी है, स्टॉप लॉस को रु. 2790 पर रखा है।

सरकार वोडा आइडिया में नहीं लेगी 49 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी

सिंधिया बोले- कंपनी बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करे

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार की वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। सरकार यह नहीं चाहती कि दूरसंचार कंपनी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) में बदल जाए। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बुधवार को यह बात कही। वोडाफोन आइडिया को कड़ा संदेश देते हुए सिंधिया ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा कि अब यह दूरसंचार कंपनी का काम है कि वह अपना प्रदर्शन सुनिश्चित करे। हाल ही में स्पेक्ट्रम नीलामी के बकाया 36,950 करोड़ रुपये को इक्विटी में परिवर्तित करने के बाद, सरकार के पास अब वोडाफोन आइडिया लिमिटेड में 48.99 प्रतिशत शेयर हैं। इससे पहले, सरकार की हिस्सेदारी लगभग 22.6 प्रतिशत थी। यहां यह बताना जरूरी है कि अगर सरकार के पास अब कोई अतिरिक्त हिस्सेदारी आई तो कंपनी सार्वजनिक उपक्रम में बदल सकती है और सरकार इसे प्रशासनिक नियंत्रण में ला सकती है। क्योंकि केंद्र के पास तब कंपनी का बोर्ड नियुक्त करने का अधिकार होगा। इसके साथ ही, ऐसी परिस्थितियों में कंपनी कैग और अन्य निरीक्षण निकायों के दायरे में भी आ जाएगी। सिंधिया ने कहा, अब यह उनका (वीआईएल का) काम है कि वे अच्छा प्रदर्शन करें। आज सरकार के पास कंपनी की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सरकार का इसे सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम बनाने का कोई इरादा नहीं है। इसलिए हम 49 प्रतिशत हिस्सेदारी पर कायम रहेंगे।

अंपायर पैसे ले रहा है...

आईपीएल में ईशान किशन के आउट होने पर बवाल, वीरेंद्र सहवाग ने कसा तंज, बोले- ईमानदारी समझ नहीं आई

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने जमाने के विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2025 मैच के दौरान ईशान किशन के आउट होने पर उनकी आलोचना की. वीरू ने इस दौरान अंपायर के कॉल का इंतजार किए बिना मैदान से बाहर जाने के ईशान किशन के फैसले पर सवाल उठाया और इसे ब्रेनफेड बताया. वीरेंद्र सहवाग ने इस दौरान कहा- 23 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2025 मैच के दौरान ईशान किशन की ईमानदारी समझ नहीं आई. ध्यान रहे ईशान किशन जो एसआरएस के साथ हैं, उन्होंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत 2018 में एमआई के साथ की थी. वह मुंबई के लिए 2018 से 2024 के बीच सात सीजन खेले थे.

सहवाग ने ईशान किशन के मामले में कहा-कई बार ऐसे मौकों पर आपका दिमाग काम नहीं करता है. कम से कम उसको (ईशान) को रुक तो जाना चाहिए था. अंपायर को आउट तो देना चाहिए था. वो (अंपायर) भी उतरे पैसे ले रहा है, फ्री में खड़ा होता तो समझ आता... उसको (अंपायर) भी अच्छी खासी मैच फीस मिल रही है. उसका काम करने दे तू अपना काम कर...

सहवाग ने कहा उनको कुल मिलाकर ईशान किशन की यह ईमानदारी समझ नहीं आई. अगर लगा (बैट से बॉल) हो तो आप जाओ और यह दिखाओ कि आप खेल भावना का परचिय दे रहे हो. लेकिन यह बात समझ से परे रही. इस दौरान वीरेंद्र सहवाग ने यह भी कहा कि इस मामले में उनको रिकी पोंटिंग अच्छे लगते थे. क्योंकि जब तक उनको अंपायर आउट नहीं देते थे, तब तक वो मैदान नहीं छोड़ते थे.

ईशान किशन के आउट होने पर क्यों उठे सवाल

ईशान किशन को आउट होना स्कोरकार्ड पर कैच आउट करार दिया गया. जबकि उनके बैट और गेंद का कोई संपर्क नहीं हुआ. ईशान जब आउट हुए तो यह सनराइजर्स हैदराबाद की पारी का तीसरा ओवर था औ पहली गेंद थी, जिसे दीपक चाहर कर रहे थे. ईशान किशन ने मुकाबले में 4 गेंदों का सामना किया और महज 1 रन बनाया. दीपक चाहर की यह गेंद लेग साइड की तरफ जा रही थी, जो लेंथ बॉल थी और अंदर की ओर स्विंग हो रही थी. अंपायर ने पहले तो इसे वाइड देने का इशारा किया. इस पर ना तो चाहर ने अपील की, ना ही विकेटकीपर रयान रिकेल्टन ने कुछ कहा. लेकिन तभी ईशान खुद ही पवेलियन की ओर चल पड़े, जैसे उन्हें लगा कि वो आउट हैं, ये देखकर अंपायर विनोद सेशन ने भी अपनी उंगली उठा दी और आउट दे दिया. इस पर हार्दिक पंड्या ने उनके सिर पर हाथ रखकर ईशान की ईमानदारी की तारीफ भी कर दी.

पीएसएल पर लगेगा बैन पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान मैच अब हो सकता है सपना

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पीएसएल यानी पाकिस्तान सुपर लीग को बैन करने की तैयारी है. इतना ही नहीं जिस तरह के कड़े फैसले लिए जा रहे हैं या आने वाले दिनों में हो सकते हैं, उसके बाद भारत-पाकिस्तान मैच भी आगे सपना ही बनकर रह सकता है. पहलगाम हमले की आंच से ऐसा बाइलेटरल सीरीज में तो होगा ही, उसके अलावा आईसीसी टूर्नामेंट्स में होने वाली दो धुर विरोधियों की टकरार में कमी आ सकती है. बेशक, अभी इन मुद्दों पर कुछ भी आधिकारिक नहीं है लेकिन अगर आगे ऐसे फैसले सुनाई देते हैं तो हैरानी भी नहीं होगी. अब आप सोच रहे होंगे कि पीएसएल तो पाकिस्तान की टी20 लीग है. फिर वो बैन कैसे हो सकता है. तो बैन पाकिस्तान में उस टी20 लीग के आयोजन पर बैन नहीं लगेगा. बल्कि वो बैन पीएसएल के भारत में दिखाए जाने पर लग सकता है. फिलहाल पाकिस्तान सुपर लीग भारत मे सोनी सिक्स पर आ रहा है. भारत सरकार ने पहलगाम हमले के अगले दिन ही पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने को कहा है. बॉलीवुड में कई कलाकार हैं जो पाकिस्तान से ताल्लुक रखते हैं. भारत सरकार के कदम के बाद पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान की आने वाली फिल्म अबीर-गुलाल की रिलीज पर भी रोक लग सकती है.

रोहित शर्मा की तारीफ करने के पीछे एक वजह है कि वे लीजेंड हैं: भारत के पूर्व कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत का मानना है कि भारत के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने हैदराबाद में सनराइजर्स के खिलाफ बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया जिससे सभी को याद आ गया कि उन्हें लीजेंड क्यों माना जाता है। पहली पारी में ट्रेंट बोल्ट की धमाकेदार गेंदबाजी के सामने संकट में फंसी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम लड़खड़ा गई। दूसरी पारी में रोहित ने कहर बरपाया और हैदराबाद की जीत की उम्मीदों को खत्म करते हुए ताबूत में आखिरी कील ठोक दी। रोहित की यह छोटी और प्रभावी शुरुआत नहीं थी, जिसके लिए वे जाने जाते हैं। लगातार दूसरे मैच में उन्होंने क्रीज पर समय बिताया और प्रदर्शन किया, जबकि 70 (46) रन की पारी के दौरान उन्होंने आसानी से बाउंड्री लगाई। रोहित की 70 रनों की तूफानी पारी पर भरोसा करते हुए मुंबई ने 144 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया और कुछ ओवर शेष रहते 7 विकेट से जीत हासिल की। श्रीकांत रोहित की क्लास से प्रभावित थे और उन्होंने सनराइजर्स को अगले साल के लिए शुभकामनाएं देते हुए संकेत दिया कि प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उनकी संभावनाएं खत्म हो गई हैं। श्रीकांत ने एक्स पर लिखा, क्या शानदार पारी और फॉर्म में आने का क्या समय! अगर यह खिलाड़ी 6 ओवर से अधिक समय तक विकेट पर रहता है तो भगवान विपक्ष की मदद करें! उसके लीजेंड होने का एक कारण है और उसने हम सभी को यह दिखाया है कि क्यों अगले साल स्र्क्ष को शुभकामनाएं! रोहित ने सनराइजर्स के डिफेंस की रीढ़ तोड़ते हुए टी20 क्रिकेट में 12,000 रन पूरे किए और इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दूसरे भारतीय और कुल मिलाकर आठवें खिलाड़ी बन गए। रोहित ने 456 मैचों और 443 पारियों में 30.91 की औसत से 12,058 रन बनाए हैं, जिसमें 8 शतक और 80 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121* है। वह टी20 में आठवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। टी20 में भारतीयों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी विराट कोहली हैं, जिन्होंने 407 मैचों और 390 पारियों में 41.79 की औसत और 134.33 की स्ट्राइक रेट से 13,208 रन बनाए हैं, जिसमें 9 शतक और 101 अर्द्धशतक और 122* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। वह इस प्रारूप में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

गौतम गंभीर को मिली जान से मारने की धमकी, भारतीय टीम के हेड कोच ने की सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच और पूर्व बीजेपी सांसद गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी मिली है। ढ्ढस्ढ्ढस् कश्मीर की तरफ से गंभीर को ये धमकी दी गई है। इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच ने इस तरह की धमकी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। गंभीर को ये धमकी ईमेल के जरिए दी गई।

गौतम गंभीर को आतंकी संगठन आईएसआईएस कश्मीर से जान से मारने की मिली धमकी के बाद उन्होंने बुधवार को दिल्ली पुलिस से संपर्क करते हुए एफआईआर दर्ज कराई और अपने साथ ही अपने परिवार की सुरक्षा की मांग की। आपको बता दें कि पूर्व भारतीय ओपनर बल्लेबाज गौतम गंभीर इस वक्त टीम इंडिया के हेड कोच हैं। वो टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद भारतीय टीम के हेड कोच नियुक्त किए गए थे। इससे पहले वो आईपीएल फ्रेंचाइजी केकेआर के साथ जुड़े हुए थे। गंभीर के कोच बनने के बाद भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में टेस्ट सीरीज गंवाना पड़ा था तो वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में हार मिली थी, लेकिन इसके बाद भारत ने अच्छी वापसी करते हुए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब अपने नाम किया था। गंभीर अपनी बेबाक राय के लिए जाने जाते हैं और बतौर भारतीय ओपनर उन्होंने देश के लिए कई यादगार पारियां भी अपने क्रिकेट करियर के दौरान खेली थी।

गौतम गंभीर ईस्ट दिल्ली से 5 साल तक बीजेपी सांसद भी रहे, लेकिन साल 2024 के चुनाव में उनका टिकट काट दिया गया था। गंभीर इस वक्त भारतीय टीम के हेड कोच हैं, लेकिन इससे पहले वो बतौर कमेंटेटर भी क्रिकेट से जुड़े हुए थे। गंभीर ने अपनी कप्तानी में केकेआर को दो बार चैंपियन बनाया था तो वहीं बतौर मेंटर उन्होंने साल 2024 में फिर से इस टीम को चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

जसप्रीत बुमराह ने लगाया 'तिहरा शतक'

नई दिल्ली, एजेंसी। जसप्रीत बुमराह ने भी नया रिकॉर्ड बनाते हुए टी20 में तिहरा शतक पूरा कर लिया। सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच हुए मैच में जसप्रीत बुमराह ने एक विकेट झटके, जिसके बदौलत वह टी20 में 300 विकेट लेने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। वहीं, अगर बात करें मुंबई की ओर से आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वालों की, तो 170 विकेट लेकर जसप्रीत बुमराह नंबर वन पायदान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने लसिथ मलिंगा की बराबरी की है। पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर और मुंबई इंडियंस के पूर्व गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने भी 170 विकेट लिए हैं।

जसप्रीत बुमराह से आगे सिर्फ चार खिलाड़ी

टी20 में रिकॉर्ड की बात की जाए तो जसप्रीत बुमराह से आगे सिर्फ चार भारतीय खिलाड़ी हैं। इससे सबसे पहले पायदान पर युजवेंद्र चहल हैं, जो अब तक कुल 373 विकेट लिए हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर 319 विकेट के साथ पीयूष चावला हैं। तीसरे और चौथे पायदान पर भुवनेश्वर कुमार और रविचंद्रन अश्विन हैं।

भारत नहीं आएंगे अरशद नदीम, नीरज चोपड़ा का न्योता ठुकराया... पहलगाम हमले के बाद बताई ये बड़ी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के ओलंपिक चैम्पियन अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा का न्योता ठुकरा दिया है. नीरज ने बेंगलुरू में 24 मई को एनसी क्लासिक भालाफेंक टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए उन्हें न्योता भेजा था. अरशद नदीम ने कहा कि वह इस दौरान एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की तैयारियों में व्यस्त होंगे. अरशद का यह बयान पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद आया है. अरशद नदीम ने कहा, 'एनसी क्लासिक इवेंट 24 मई को है, जबकि मैं 22 मई को एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए कोरिया रवाना हो जाऊंगा.' उन्होंने कहा कि वह 27 से 31 मई तक कोरिया में होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं.

नीरज चोपड़ा ने सोमवार को मीडिया से वर्चुअल बातचीत में कहा था, 'मैंने अरशद को न्योता भेजा है और उसने कहा कि अपने कोच से बात करके वह जवाब देगा. अभी तक उसने भागीदारी की पुष्टि नहीं की है.' नदीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 92.97 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता था, जबकि चोपड़ा ने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता. पहली नीरज चोपड़ा भाला फेंक प्रतियोगिता में ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और जर्मनी के थॉमस रोलेर जैसे सितारे भाग ले रहे हैं.

नीरज चोपड़ा क्लासिक जैवेलिन थ्रो इवेंट का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को पंचकुला की बजाय बेंगलुरू में कराया जाएगा. इस कार्यक्रम का आयोजन चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) और विश्व एथलेटिक्स के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जाएगा.

वैभव सूर्यवंशी इंडिया के लिए कब खेलेंगे

आईपीएल 2025 के बीच कोच ने दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी रणजी के रण में उतर चुके हैं. अंडर 19 क्रिकेट के मैदान में भी वो लोहा मनवा चुके हैं और अब आईपीएल में भी उनका डेब्यू हो चुका है. मतलब अब कुछ अगर बचा है तो वो हैं टीम इंडिया की जर्सी पहनना. सीनियर खिलाड़ियों के कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ रन बनाना और भारत को जिताना. सवाल है कब होगा ऐसा कब आएगा वो दिन आईपीएल 2025 के बीच इस बड़े सवाल का जवाब खुद वैभव सूर्यवंशी के कोच नेबातचीत में दिया है.

वैभव सूर्यवंशी के कोच मनीष ओझा ने बात करते हुए बताया कि वैभव सूर्यवंशी का आगमन टीम इंडिया में कब तक हो सकता है उनके मुताबिक वो लम्हा अगले एक साल में आ सकता है. कोच का ये बयान पल भर के लिए चौंकाता जरूर है, लेकिन उसमें वो विश्वास दिखा जो एक गुरु को अपने चेले पर होता है. वैभव सूर्यवंशी पर कोच मनीष ओझा का विश्वास वैसा ही है.

कोच मनीष ओझा ने कहा कि वैभव जिस मिजाज के साथ खेल रहा है. जिस तरह से उसने आईपीएल में अपना धमाकेदार आगाज किया है. अगर ऐसे ही खेलता रहा तो अगले एक साल के अंदर वो टीम इंडिया की टी20 टीम का हिस्सा हो सकता है. आईपीएल में खेलने की बात हुई सच, अब टीम इंडिया की बारी! वैभव सूर्यवंशी को लेकर कोच मनीष ओझा की बातें किस हद तक सच होती हैं, उस बारे में तो फिलहाल नहीं कहा जा सकता है. लेकिन, इसी आईपीएल से पहले जब हमने उनसे पूछा था कि क्या उन्हें राजस्थान में मौजूद बड़े-बड़े नामों के बीच मौका मिलेगा क्या वो एक भी मैच खेल सकेंगे इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा था कि बिल्कुल. उनके हिसाब से वैभव को 2-3 मैच राजस्थान रॉयल्स वाले खिलाएंगे. और देखिए कि ऐसा ही हुआ भी है. वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में मैचों का अपना खाता खोल लिया है. और, जिस तरह की 20 गेंदों में 34 रनों की उन्होंने उसमें पारी खेली है, उसे देखने के बाद हैरानी नहीं होगी अगर वो आगे भी कुछ मुकाबले खेलते दिखें.

आईपीएल 2025: चेन्नई और हैदराबाद के बीच होगी प्लेऑफ की उम्मीदें जीवंत रखने की जंग

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच शुक्रवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपनी उम्मीद जीवंत रखने की रोचक जंग देखने को मिलेगी। इन दोनों टीमों का वर्तमान सत्र में अभी तक प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। इन दोनों टीमों के आठ मैच में चार अंक हैं और अगर उन्हें प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीद को बनाए रखना है तो उन्हें अपने सभी मैच जीतने होंगे।

चेन्नई की टीम को घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए जाना जाता है लेकिन इस बार उसे यहां मुंह की खानी पड़ रही है। उसकी टीम अभी तक यहां के विकेट का सही अनुमान लगाने में नाकाम रही है। चेन्नई ने स्पिनर नूर अहमद की शानदार गेंदबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस को हराकर अपने अभियान की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसकी लय गड़बड़ा गई और उसे अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा। यही नहीं उसकी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ नौ विकेट पर 103 रन ही बना पाई जो उसका अपने घरेलू मैदान पर न्यूनतम स्कोर भी है। चेन्नई के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग यहां की पिच को लेकर खुलेआम अपनी नाराजगी व्यक्त कर चुके हैं। यहां का विकेट स्पिनरों के लिए मददगार माना जाता है लेकिन इस बार यहां तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही है। चेन्नई का अपने मैदान से इतर और अन्य स्थानों पर भी अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है तथा उसने दूसरे मैदानों पर खेले गए चार मैच में से केवल एक मैच जीता है। इस बार उसके बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं तथा नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने से उसकी समस्याएं बढ़ी हैं।

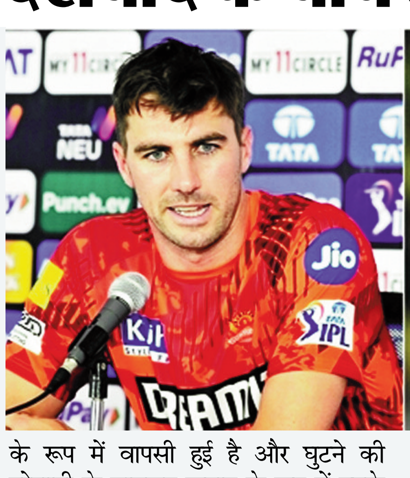

महेंद्र सिंह धोनी की पूर्णकालिक कप्तान के रूप में वापसी हुई है और घुटने की परेशानी के बावजूद कप्तान के रूप में उनके फैसले काफी मायने रखते हैं। डेथ ओवरों की उनकी बल्लेबाजी तथा मैच के महत्वपूर्ण मोड़ पर लिए जाने वाले फैसले टीम को वापसी दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। चेन्नई के लिए 17 वर्षीय आयुष म्हात्रे का टीम से जुड़ना अच्छा संकेत है। इस युवा बल्लेबाज ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया था। चेन्नई ने अपने बल्लेबाजी विभाग को मजबूत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को भी अपनी टीम से जोड़ा है। सनराइजर्स की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। उसकी टीम ने भी शानदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसे अपनी अति आक्रामकता भारी पड़ने लगी। पिछले सत्र में उसकी सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की विस्फोटक सलामी जोड़ी इस बार नहीं चल पा रही है जिससे टीम के मध्य क्रम की कलई भी खुल गई है। उसे पिछले मैच में मुंबई इंडियंस से सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने भी स्वीकार किया है कि उनके बल्लेबाज साझेदारी निभाने में नाकाम रहे हैं। विटोरी ने कहा, 'जब हेड और अभिषेक सफल नहीं होते हैं, तो यह अन्य बल्लेबाजों की जिम्मेदारी है। इस सत्र में हम ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। हमें अच्छी साझेदारियां निभाने की जरूरत है।

टीमें:

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

चेन्नई सुपर किंग्स: एमएस धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ, आयुष म्हात्रे, रचिन रवींद्र, रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर, सैम कुरेन, अंशुल कंबोज, दीपक हुडा, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, खलील अहमद, नूर अहमद, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस। श्रेयस गोपाल, मथीशा पथिराना।

समय: शाम 7:30 बजे।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 25 अप्रैल 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

प्रियंका चोपड़ा और शाहरुख खान ने की पहलगाम आतंकी हमले की निंदा, कहा– शब्दों में बयां करना मुश्किल

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले का पूरा देश इस हमले की निंदा कर रहा है। सोशल मीडिया पर आम लोग हों या फिर बॉलीवुड हस्तियां सब इस कायराना हरकत की मजम्मत कर रहा है। तमाम सेलेब्स के बीच ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा और किंग खान का भी हमले पर रिएक्शन सामने आया है। प्रियंका और शाहरुख ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर हमले की निंदा की है और इसमें जान गंवाने वाले परिवारों के प्रति संवेदनाएं जताई हैं। प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा- पहलगाम में जो हुआ, वह निंदनीय है। लोग वहां छुट्टियां मनाने, हनीमून मनाने, अपने परिवार के साथ सेलिब्रेट करने आए थे। वे बस कश्मीर की खूबसूरती का लुत्फ उठा रहे थे। कई मासूम लोगों की जान उस तूफान में फंस गई, जिसकी उन्होंने कभी उम्मीद भी नहीं की थी। अपनों के सामने ही उन्हें निशाना बनाया गया। यह ऐसी घटना नहीं है जिसे हम भूलकर आगे बढ़ सकें। यह हमें लंबे समय तक परेशान करेगी। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो इस हमले से प्रभावित हुए हैं।

शाहरुख खान ने लिखा- पहलगाम में हुई हिंसा पर दुख और गुस्से को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। ऐसे समय में, हम केवल भगवान से पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना कर सकते हैं और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर सकते हैं। हम एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होकर मजबूत बनें। प्रियंका के अलावा, आलिया भट्ट ने भी पहलगाम हमले पर अपना दुख व्यक्त किया है। आलिया ने अपने इंस्टा पोस्ट में लिखा- पहलगाम से आई खबर दिल दहला देने वाली है। निर्दोष लोगों की जान चली गई। टूरिस्ट, परिवार और वहां गए लोग बस उस खूबसूरती को जी रहे थे, सुकून की तलाश में थे, जिंदगी जी रहे थे, लेकिन अब उनकी जिंदगी में सिर्फ दुख है। हर बार जब ऐसा कुछ होता है, तो यह हमारी इंसानियत को जैसे खत्म कर देता है। इस हमले में मारे गए लोगों की आत्मा को भगवान शांति दे। वहीं अनुष्का शर्मा ने भी इंस्टा पोस्ट किया और लिखा, कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए भयावह आतंकी हमले के बारे में सुनकर दिल टूट गया। उनके परिवारों के प्रति संवेदनाएं। यह बेहद दर्दनाक हमला है जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकेगा।

एक के लिए मिला अवॉर्ड

ग्राउंड जीरो की साई ताम्हणकर ने इन फिल्मों में निभाया दमदार किरदार

अभिनेत्री साई ताम्हणकर जल्द ही फिल्म ग्राउंड जीरो में नजर आने वाली हैं, ऐसे में यहां हम आपको उनकी पिछली पांच फिल्मों के बारे में बता रहे हैं।

अभिनेत्री साई ताम्हणकर की फिल्म ग्राउंड जीरो 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। मराठी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री साई ताम्हणकर ने बॉलीवुड में कई बेहतरीन फिल्मों से खूब नाम कमाया है। इस खबर में हम साई ताम्हणकर की पिछली पांच फिल्मों के बारे जानेंगे।

अग्नि

अग्नि फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी। राहुल ढोलकिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रतीक गांधी और साई ताम्हणकर थीं। फिल्म की कहानी आपसी मतभेदों पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि रहस्यमयी आग की लपटों से घिरे शहर में विट्ठल, एक साहसी फायरमैन और उसका साला समित एक तेजतर्रार पुलिसकर्मी, बढ़ते संकट को सुलझाने के लिए अनिच्छा से सेना में शामिल हो जाते हैं। फिल्म का बजट 20 करोड़ था और फिल्म अच्छी कमाई की थी।

भक्षक

भक्षक फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी। फिल्म में भूमि पेडनेकर और संजय मिश्रा के अलावा साई ताम्हणकर थीं। फिल्म के निर्माता गौरी खान और गौरव वर्मा थे। फिल्म में दिखाया गया है कि एक स्थानीय पत्रकार युवा लड़कियों के आश्रय गृह में दुर्व्यवहार के मामलों का खुलासा करती है। फिल्म का बजट 20 करोड़ रुपये था। फिल्म ने टोटल 20 करोड़ का कारोबार किया था।

इंडिया लॉकडाउन

2022 में रिलीज हुई फिल्म इंडिया लॉकडाउन को बहुत अच्छा रिस्पांस नहीं मिला था। फिल्म में दिखाया गया है कि कोरोना महामारी की वजह से सरकार की तरफ से लगाए गए लॉकडाउन के दौरान कई लोगों की जिंदगी प्रभावित हुई। इसमें एक महिला पायलट, एक सेवानिवृत्त पिता, एक वेश्या और एक प्रवासी श्रमिक की कहानी दिखाई गई है। फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म में साई ताम्हणकर का किरदार अच्छा था।

धनुष की फिल्म को लेकर आया बड़ा अपडेट

साउथ सुपरस्टार अभिनेता धनुष इस समय अपनी कई धमाकेदार फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी फिल्मों के अपडेट से दर्शकों में एक अलग रोमांच देखने को मिल रहा है। अब एक फिल्म को लेकर अपडेट आया है कि यह दिग्गज कलाकार उनकी फिल्म में शामिल हो रहा है। हाल ही में तमिल कॉमेडी फिल्म सूमो के प्री रिलीज इवेंट के दौरान फिल्म निर्माता इशारी के गणेश ने धनुष की आगामी फिल्म डी 56 को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया है। फिल्म निर्माता ने बताया कि धनुष की आगामी फिल्म डी 56 में म्यूजिक मशहूर संगीतकार एआर रहमान देंगे, जो एक शानदार अनुभव होगा। इसके अलावा इशारी गणेश ने धनुष के साथ एक और प्रोजेक्ट की घोषणा की है, जो विग्नेश राजा द्वारा निर्देशित किया जाएगा। सबसे खास बात यह सामने आई कि यह फिल्म डी 56 से पहले दर्शकों के बीच रिलीज की जाएगी। 'डी 56' धनुष के बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक है। यह फिल्म एक ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसे डायरेक्टर मारी सेल्वराज बना रहे हैं। इसी महीने अप्रैल में धनुष ने अपनी आगामी फिल्म डी 56 का थीम पोस्टर जारी किया था। इस पोस्ट में कई साल पुरानी एक तलवार दिखाई देती है, जिसके ऊपर कंकाल की खोपड़ी लगी हुई है। इस तस्वीर पर लिखा हुआ था एक महान युद्ध की शुरुआत। धनुष के फैंस में इस पोस्टर को लेकर काफी रोमांच है। इस समय उनके पास कई फिल्में हैं, जिनमें कुछ रिलीज होने वाली है। धनुष की फिल्म कुबेर, जो 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं। इस फिल्म में धनुष के साथ रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वहीं, अभिनेता की दूसरी फिल्म की बात करें तो वह है इडली कड़ाई, जो एक अक्टूबर 2025 को रिलीज होगी। इसके अलावा अन्य फिल्मों की बात करें तो धनुष तेरे इश्क में, डी 55 आदि फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

पहलगाम हमले के बाद यूजर्स के निशाने पर आई प्रभास की हीरोइन

मैं पाकिस्तानी नहीं हूं...इमान इस्माइल

हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस हमले में कई मासूमों की जान चली गई, जिसके बाद देशभर में शोक और गुस्से की लहर देखने को मिली, लेकिन इस दुखद घटना के बीच सोशल मीडिया पर एक नया विवाद खड़ा हो गया, जिसमें कुछ लोगों ने बिना सबूत के मुस्लिम फिल्मी हस्तियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। इनमें से एक अभिनेत्री इमान इस्माइल उर्फ इमानवी भी थीं, जिन्हें ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा। इमानवी ने अब एक लंबी पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी और उन अफवाहों का खंडन किया, जिनमें उन्हें पाकिस्तान से जोड़ा गया था।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर लोग भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया दे रहे थे, लेकिन कुछ यूजर्स ने इस मौके का गलत फायदा उठाते हुए नफरत फैलाने का काम शुरू कर दिया। खासकर मुस्लिम समुदाय से जुड़े सेलिब्रिटीज को निशाना बनाया गया और उन पर कई आरोप लगाए गए। इमानवी इस्माइल, जो प्रभास की आगामी फिल्म फौजी से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं, वह भी इस ट्रोलिंग का शिकार हुईं। कुछ यूजर्स ने उन पर पाकिस्तानी सेना से संबंध होने का आरोप लगाया और फिल्म से हटाने की मांग तक कर डाली।

इन अफवाहों और नफरत भरे कमेंट्स से आहत इमानवी ने एक लंबी पोस्ट साझा कर अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा, सबसे पहले मैं पहलगाम में हुई दुखद घटना के लिए अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहती हूं। मेरा दिल उन सभी लोगों के लिए दुखी है जिन्होंने अपनी जान और अपनों को खोया। किसी भी निर्दोष की मौत भारी दुख देती है। मैं इस हिंसा की कड़े शब्दों में निंदा करती हूं। उन्होंने आगे अफवाहों पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, मेरी पहचान और मेरे परिवार को लेकर जो झूठी खबरें और नफरत फैलाई जा रही हैं, उसके बारे में बात करना चाहती हूं। पहले तो यह कहा गया कि मैं पाकिस्तानी सेना से जुड़ी हूं, जो पूरी तरह से झूठ है। यह और कई अन्य झूठ ऑनलाइन ट्रोल्स ने फैलाए हैं, जिनका मकसद सिर्फ नफरत फैलाना है। यह बेहद निराशाजनक है कि वैध न्यूज आउटलेट्स, पत्रकार और सोशल मीडिया ने इन स्रोतों की जांच किए बिना इन्हें दोहराया।

मैं एक गर्वित भारतीय-अमेरिकी हूं...

अपनी पोस्ट में इमानवी ने अपनी पृष्ठभूमि के बारे में भी बताया। उन्होंने लिखा, मैं एक गर्वित भारतीय-अमेरिकी हूं, जो हिंदी, तेलुगु, गुजराती और अंग्रेजी बोलती हूं। मेरा जन्म लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में हुआ, जहां मेरे माता-पिता युवावस्था में कानूनी रूप से अमेरिका आए थे।

पहलगाम आतंकी हमले पर फूटा सलमान खान का गुस्सा, बोले-

एक भी मासूम को मारना पूरी कायनात को मारने के बराबर

जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले की हर कोई निंदा कर रहा है। बॉलीवुड हस्तियों के भी इस घटना पर रिएक्शन सामने आ रहे हैं। इस कड़ी में सलमान खान ने भी हमले पर गुस्सा जाहिर किया और कहा कि एक भी मासूम को मारना पूरी कायनात को मारने के बराबर है। सलमान खान ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है, लेकिन अब यह नर्क में बदलता जा रहा है। निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, मेरी संवेदनाएं उनके परिवार वालों के साथ हैं। एक भी मासूम को मारना पूरी कायनात को मारने के बराबर है। सलमान से पहले शाहरुख खान ने भी हमले की निंदा की थी और पोस्ट में लिखा था- पहलगाम में हुई हिंसा पर दुख और गुस्से को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। ऐसे समय में, हम केवल भगवान से पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना कर सकते हैं और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर सकते हैं। हम एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होकर मजबूत बनें। वहीं प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा- पहलगाम में जो हुआ वह निंदनीय है। लोग वहां छुट्टियां मनाने, हनीमून मनाने, अपने परिवार के साथ सेलिब्रेट करने आए थे। वे बस कश्मीर की खूबसूरती का लुत्फ उठा रहे थे। कई मासूम लोगों की जान उस तूफान में फंस गई, जिसकी उन्होंने कभी उम्मीद भी नहीं की थी। अपनों के सामने ही उन्हें निशाना बनाया गया। यह ऐसी घटना नहीं है, जिसे हम भूलकर आगे बढ़ सकें। यह हमें लंबे समय तक परेशान करेगी। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जो इस हादसे से प्रभावित हुए हैं। एक्टर आशीष विद्यार्थी ने कहा कि वह इस घटना से शॉक्ड हैं। उन्होंने लिखा, शॉक्ड हूं... पीड़ित परिवारों और प्रियजनों के प्रति संवेदना, हिम्मत और मानवता में विश्वास बनाए रखें। रणदीप हुड्डा ने लिखा, पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवार के साथ हैं। हमें इस तरह के आतंकवादी हमलों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। प्रभावित सभी लोगों को ईश्वर ताकत दें, उनके लिए प्रार्थनाएं। न्याय शीघ्र होना चाहिए, हमारे लोगों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

राइटर ने भेजा लीगल नोटिस

एक बार फिर विवादों में घिर गई कंगना की फिल्म 'इमरजेंसी'

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी इसी साल रिलीज हुई है. ये रिलीज होने के साथ ही विवाद में आ गई थी. बॉक्स ऑफिस के बाद अब इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया. लेकिन इस पर भी लीगल नोटिस भेज दिया गया है. साल 2025 में कई फिल्में रिलीज हुई हैं. इन्हीं में से एक कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी भी थी. रिलीज होने के साथ ही इस फिल्म पर कई विवाद खड़े हुए. लेकिन जैसे तैसे इसे बॉक्स ऑफिस पर रिलीज किया गया. अब फिल्मों का क्रेज बॉक्स ऑफिस से ज्यादा ओटीटी पर है तो इस फिल्म को भी ओटीटी पर रिलीज किया गया. इस फिल्म के रिलीज के साथ ही कई और विवाद खड़े जी गए. राइटर ने ही फिल्म के खिलाफ लीगल नोटिस भेजा है.

कंगना की फिल्म इमरजेंसी ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी. फिल्म के रिलीज होने के बाद राइटर कूमी कपूर ने इसे एक लीगल नोटिस भेजा है. दअरसल, कूमी कपूर ने प्रोडक्शन हाउस मणिकर्णिका फिल्म प्राइवेट लिमिटेड पर नेटफ्लिक्स पर फिल्म को तोड़ मरोड़ कर तथ्यों को पेश करने का गंभीर आरोप लगाया है. उन्होंने कहा है कि कंगना रनौत के प्रोडक्शन हाउस ने उनके कॉन्ट्रेक्ट का पालन नहीं किया है. उन्होंने कहा कि फिल्म की टीम उनके नाम का गलत इस्तेमाल कर रही है. उन्होंने बताया कि फिल्म की टीम ने यह दावा किया कि यह कूमी के किताब द इमरजेंसी- ए पर्सनल हिस्ट्री पर बेस्ड है.

कार्तिक आर्यन बनेंगे इच्छाधारी नाग

नाग-नागिन की कहानी वाली कई फिल्में बॉलीवुड में बन चुकी हैं। इच्छाधारी नाग, नागिन का रोल कई नामी सितारों ने निभाया है। जानिए, ऐसे ही कुछ कलाकारों के बारे में, जो फिल्मों में नाग-नागिन के रोल में नजर आए।

हाल ही में करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस धर्मा तले एक फिल्म 'नागजिला' की घोषणा की गई। इसमें कार्तिक आर्यन एक इच्छाधारी नाग का रोल करने वाले हैं। इस फिल्म से जुड़ा कार्तिक का एक लुक भी सामने आया। यह पहली बार नहीं है कि कोई बॉलीवुड एक्टर नाग का रोल कर रहा हो। पहले भी कई फिल्मों में कुछ नामी कलाकारों ने इच्छाधारी नाग-नागिन के रोल किए हैं।

डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ जम सकती है कृति सेनन की जोड़ी

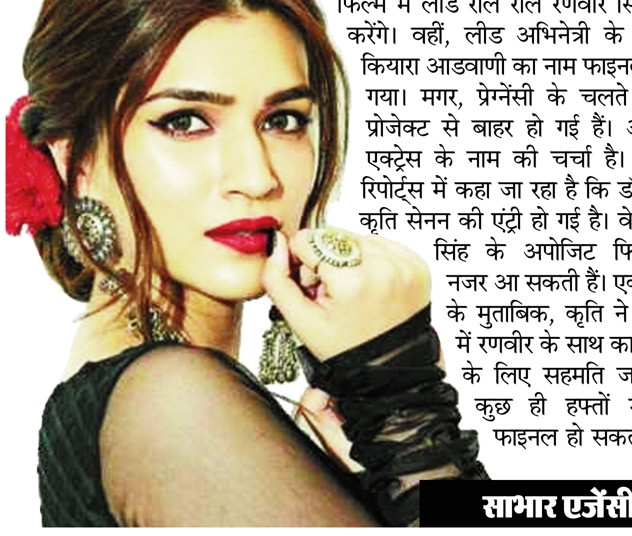

फरहान अख्तर की डॉन 3 बहु प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इससे जुड़ी हर अपडेट पर फैंस की नजर रहती है। बीते वर्ष यह एलान किया गया कि इस फिल्म में लीड रोल रोल रणवीर सिंह अदा करेंगे। वहीं, लीड अभिनेत्री के रूप में कियारा आडवाणी का नाम फाइनल किया गया। मगर, प्रेग्नेंसी के चलते वे इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गई हैं। अब नई एक्ट्रेस के नाम की चर्चा है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि डॉन 3 में कृति सेनन की एंट्री हो गई है। वे रणवीर सिंह के अपोजिट फिल्म में नजर आ सकती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कृति ने डॉन 3 में रणवीर के साथ काम करने के लिए सहमति जताई है। कुछ ही हफ्तों में बात फाइनल हो सकती है।

साभार एजेंसी